पेज-06

डाक पंजीयन 29/2010-2012

आज की जनधारा

सीधी और सच बात, साहस के साथ

वेब संस्करण
www.aajkijandhara.com
www.jandhara.in
Jandhara24x7
@AJandhara/Jandhara24/7
AajkiJandhara & Jandhara24x7
6232949114, 8959444440

RNI No.- CTHIN/26/A4159

वर्ष : 01, अंक : 36, जगदलपुर, मंगलवार 30 जून 2026

रायपुर, बिलासपुर, जगदलपुर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित | epaper www.aajkijandhara.com | email:aajkijandhara@gmail.com | अषाढ़ कृष्ण पक्ष-1, वि.सं. 2083 | पृष्ठ : 12 | मो. : 9425203900, 9425243430 | मूल्य: 2.00 रु.

सोनपैरी कबीर आश्रम में संत कबीर जयंती महोत्सव

कबीर का संदेश समाज और राष्ट्र के लिए पथप्रदर्शक

संत कबीर के आदर्शों पर चलकर समाज में समरसता और सेवा की भावना मजबूत होगी : सीएम साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत आज राजधानी रायपुर के सोनपैरी स्थित सद्गुरु कबीर आश्रम में कबीर जयंती के अवसर पर आयोजित संत कबीर महोत्सव में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने गुरु असंग देव का आशीर्वाद लेकर प्रदेश एवं देश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। राज्यपाल थावरचंद गहलोत, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह तथा केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने आश्रम परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

गुरु असंग देव ने कहा कि संत कबीर ने समाज से पाखंड, कुरीतियों और आडंबर को समाप्त करने के लिए अवतार लिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समाज में आपसी प्रेम तथा संवाद कम होता जा रहा है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने सेवा, परमार्थ, गौसेवा, वृक्षारोपण और ग्राम विकास को जीवन का आधार बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि सेवा से ही सच्चा सुख और आत्मिक संतोष प्राप्त होता है। गुरु असंग देव ने कहा कि एक समय नक्सलवाद के कारण जिन क्षेत्रों में जाना कठिन था, वहां अब शांति स्थापित हो चुकी है और विकास की गंगा बह रही है। लाखों गरीबों के लिए आवास बन रहे हैं और प्रदेश विकास के नए युग में प्रवेश कर रहा है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि संत कबीर ने सत्य, समरसता, मानव सेवा और सद्भाव का जो संदेश दिया, वह आज भी पूरे समाज और राष्ट्र के लिए पथप्रदर्शक है। उन्होंने जात-पात, ऊंच-नीच और आडंबर से ऊपर उठकर मानव मात्र को प्रेम, सत्य और विवेक के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आज जब समाज सामाजिक विभाजन और नैतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब संत कबीर की वाणी पहले से अधिक प्रासंगिक है। राज्यपाल ने सोनपैरी कबीर आश्रम द्वारा शिक्षा, गौसेवा, पर्यावरण संरक्षण, जैविक खेती, सामाजिक समरसता और जनकल्याण के क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आश्रम राष्ट्र निर्माण की चेतना को सशक्त बनाते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ संत कबीर की तपोभूमि और उनके अनुयायियों की पावन धरती है। उन्होंने कहा कि उनका बचपन कबीरपंथी समाज के बीच बीता है और संत कबीर की वाणी का उनके जीवन पर गहरा प्रभाव रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि संत कबीर ने अपना संपूर्ण जीवन समाज में फैली कुरीतियों, छुआछूत, जाति-पांति और आडंबर के विरुद्ध जनजागरण में समर्पित किया। उन्होंने निर्भीक होकर सत्य का साथ दिया और शेष पृष्ठ 10 पर

बिजली बिल भुगतान समाधान योजना का समय 3 महीने बढ़ा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक बड़ी घोषणा की है। प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए मुख्यमंत्री ने बिजली बिल भुगतान समाधान योजना की अवधि तीन महीने के लिए बढ़ाने की घोषणा की है। योजना की बढ़ाई गई अवधि के दौरान बकाया बिजली बिल जमा करने वाले उपभोक्ताओं से किसी भी प्रकार का सरचार्ज नहीं लिया जाएगा। इससे लंबे समय से बकाया बिल का भुगतान नहीं कर पाने वाले हजारों उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा। राज्य सरकार का उद्देश्य अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को राहत देना और उन्हें बिना अतिरिक्त आर्थिक बोझ के बकाया बिजली बिल जमा करने का अवसर उपलब्ध कराना है। सरकार ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे योजना की बढ़ी हुई अवधि का लाभ उठाकर अपना बकाया बिजली बिल समय पर जमा करें।

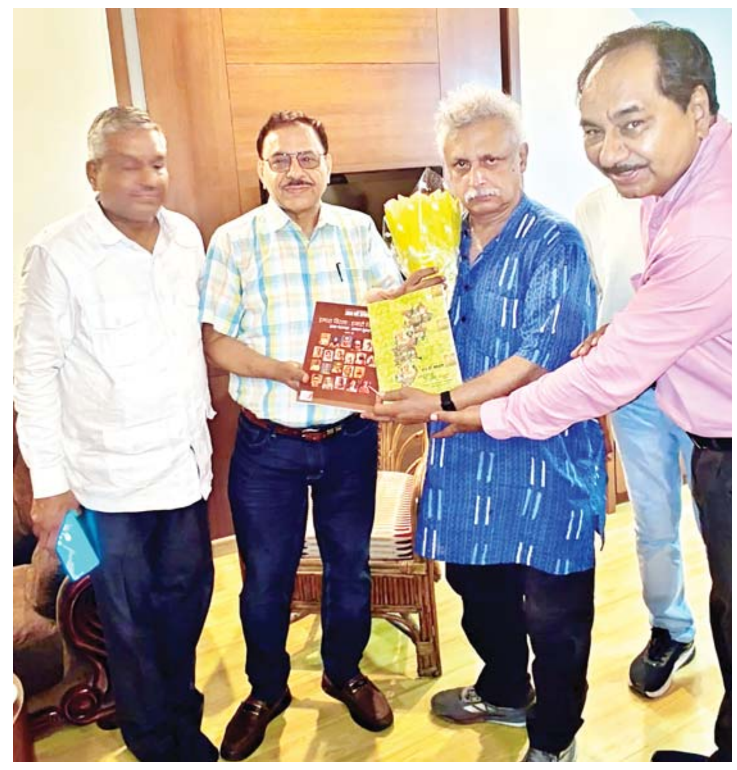

बिलासपुर। सिम्स ऑडिटोरियम बिलासपुर में सोमवार को 45 दिवसीय अभिनय एवं रंगकर्म प्रशिक्षण कार्यशाला 2026 के समापन समारोह के दौरान (सुप्रसिद्ध रंगकर्मी, गायक, अभिनेता और पटकथा लेखक पीयूष मिश्रा (बीच में नीले कुर्ते में) को आज की जनधारा समाचारपत्र की स्मारिका भेंट करते हुए बाएं से क्रमश : पीयूष गुप्ता, आज की जनधारा के प्रधान संपादक सुभाष मिश्रा और आज की जनधारा के स्थानीय संपादक प्रभात दत्त झा।

टूटे 80 मकान, ग्रामीण आए सड़क पर

टूट ही गया नकटी गांव

महिलाएं रोईं, पुलिस से धक्का-मुक्की, नया रायपुर पुनर्वास के तहत मिलेंगे मकान

रायपुर। रायपुर के माना इलाके के नकटी गांव में प्रस्तावित विधायक कॉलोनी के लिए आज (सोमवार) सुबह 80 घर तोड़ दिए गए, जिसमें पीएम और इंदिरा आवास के 32 घर भी शामिल हैं। प्रशासन ने रविवार देर रात से ही यहां 1000 से ज्यादा पुलिस जवान तैनात कर दिए थे। सुबह जैसे ही टीम जेसीबी लेकर पहुंची, तो लोग मशीनों के सामने खड़े हो गए, जिसके बाद पुलिस और ग्रामीणों के बीच भारी धक्का-मुक्की और हंगामा हुआ। इस पूरी कार्रवाई के बीच एक बच्ची ने रोते हुए बताया कि उसने सुबह से कुछ नहीं खाया है, क्योंकि कार्रवाई के डर से घर पर खाना ही नहीं बन पाया था।

लोग बोले- झूठा आश्वासन मिला: वहीं इसके विरोध में ग्रामीण धरने पर बैठए गए थे, उनमें इसलिए भी आक्रोश है क्योंकि दो दिन पहले ही सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने लोगों को भरोसा दिलाते हुए कहा था कि बारिश के मौसम में किसी के मकान नहीं तोड़े जाएंगे।

मकान के मलबे के पास बैठे रहे लोग: सांसद के इस आश्वासन के बावजूद इस तोड़फोड़ से ग्रामीणों में गुस्सा है। कार्रवाई के दौरान मौके से ऐसी तस्वीरें सामने आईं जहां लोग घरों के सामने सामान निकाल कर बैठे दिखे, तो टूटे मकानों के मलबे पर एक बुजुर्ग मासूम को गोद में लेकर बेबस नजर आए।

नया रायपुर में मिलेंगे मकान: इधर, बढ़ते बवाल के बीच प्रशासन ने दावा किया है कि प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की तैयारी शुरू कर दी गई है और उन्हें नया रायपुर के सेक्टर-30 स्थित ईडब्ल्यूएस मकानों में बसाने के लिए आवंटन प्रक्रिया जारी है।

प्रशासन और पुलिस टीम लौटी: कार्रवाई पूरी होने के बाद प्रशासन और पुलिस की टीम मौके से लौट गई है। वहीं दूसरी ओर, बेघर होने के विरोध में धरने पर बैठे लोग भी प्रशासनिक आश्वासन के बाद धीरे-धीरे वहां से हटने लगे।

धरने पर बैठे लोग: कार्रवाई के बाद ग्रामीण पास में ही धरने पर बैठ गए हैं। शेष पृष्ठ 10 पर

आम बीनने गए दो बच्चों समेत तीन की आकाशीय बिजली से मौत

पेड़ के नीचे खड़े थे तीनों

अंबिकापुर। सरगुजा जिले के धौरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम डुमकी में सोमवार शाम आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो बच्चों समेत तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद गांव में मातम पसर गया है। जानकारी के अनुसार डुमकी निवासी रामसाय पिता तिरकु (36) सोमवार शाम करीब चार बजे गांव के प्राथमिक शाला के पास मवेशी चरा रहा था। उसी दौरान तेज हवा चलने लगी। हवा से पास के आम पेड़ से आम गिरने की संभावना पर नजदीक के घर में रहने वाला राजनाथ का पांच वर्षीय पुत्र सागर वहां पहुंच गया।

इसी बीच ग्राम दुप्पी चौरा निवासी मोहरसाय की नौ वर्षीय बेटी कुमारी रानी भी आम बीनने आ गई। वह डुमकी में रिश्तेदारों के यहां आई हुई थी। दोनों बच्चे आम बीन रहे थे और रामसाय मवेशी संभाल रहा था। तभी अचानक तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए तीनों आम के पेड़ के नीचे खड़े हो गए। इसी दौरान तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी और तीनों उसकी चपेट में आ गए।

जेल भेजे गए राम मंदिर के आठ चढ़ावा चोर

14 दिन की न्यायिक हिरासत

अयोध्या। दुनिया भर में रामभक्तों की आस्था को आघात पहुंचाने वाले राममंदिर चढ़ावा चोरी के आठों आरोपितों की पुलिस को रिमांड नहीं मिली। सोमवार को वीडियो कांफ्रेसिंग से सुनवाई हुई और आठों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। इन आठों को पुलिस ने 26 जून को गिरफ्तार किया था।

वीडियो कांफ्रेंसिंग पर सुनवाई के दौरान विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण जज रजत वर्मा ने 13 जुलाई तक आठों आरोपितों की न्यायिक रिमांड अवधि बढ़ा दी है। अयोध्या में अधिवक्ताओं के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए कोर्ट प्रशासन ने दो बजे वीडियो कांफ्रेसिंग हॉल में सुनवाई का फैसला किया था। राम मंदिर दान गबन मामले में सोमवार को सभी आठों आरोपियों की एंटी करप्शन कोर्ट में वर्चुअल माध्यम से पेशी हुई।

सुनवाई के बाद अदालत ने सभी आरोपियों की न्यायिक हिरासत (जुडिशल कस्टडी) 14 दिनों के लिए बढ़ा दी है। अदालत के आदेश के बाद सभी आरोपी फिलहाल जेल में ही रहेंगे। इस दौरान पुलिस ने किसी भी आरोपी की कस्टडी रिमांड की मांग अदालत से नहीं की। ऐसे में आरोपियों से पुलिस हिरासत में पूछताछ नहीं होगी और वे न्यायिक अभिरक्षा में ही रहेंगे। राम मंदिर दान गबन मामले को लेकर जांच एजेंसियां लगातार साक्ष्य जुटाने में लगी हैं। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई अदालत के निर्देशों और जांच की प्रगति के आधार पर होगी। यह मामला प्रदेश ही नहीं, पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की शिकायत पर रमाशंकर यादव टिन्नू सहित आठ लोगों के खिलाफ गुरुवार को आठ नामजद व एक अन्य अज्ञात आरोपी के खिलाफ रामजन्मभूमि थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई। शेष पृष्ठ 10 पर

उद्धव ठाकरे ने बीजेपी को बाबर जनता पार्टी बताया

6 बागी सांसदों की सदस्यता रद्द हो, वे विकास नहीं, स्वार्थ के लिए गए

धाराशिव/परभणी। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पार्टी से बागी 6 सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की। उन्होंने कहा, 'अगर देश में कानून का राज है तो इन सांसदों को अयोग्य ठहराया जाना चाहिए। ये सांसद विकास के लिए नहीं, बल्कि अपने स्वार्थ के लिए गए हैं।'

उद्धव ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी पर बीजेपी का बाबर जनता पार्टी बताया। उन्होंने कहा, 'बाबर ने राम मंदिर तोड़ा था। अब बाबर जनता पार्टी नए बने राम मंदिर को लूट रही है। दोनों में क्या फर्क है?' उद्धव इन दिनों मराठवाड़ा के दौरे पर हैं। बाकी सांसदों के संसदीय क्षेत्रों में जाकर जनसभाएं कर रहे हैं। रविवार को उन्होंने परभणी और धाराशिव में अलग-अलग सभाओं को संबोधित किया।

ठाकरे बोले- वे महाराष्ट्र धर्म और मराठी अस्मिता खत्म करना चाहते हैं: धाराशिव में उद्धव ने कहा, अगर आपके पास पहले से बहुमत है, तो फिर मेरे सांसदों की जरूरत क्यों पड़ी? यह सिर्फ बगावत नहीं, बड़ा राजनीतिक खेल है। वे महाराष्ट्र, शिवसेना और महाराष्ट्र धर्म को खत्म करना चाहते हैं।

भारत की साख पर नहीं कोई आंच, मूडीज को पूरा कॉन्फिडेंस

खतरे में भी खड़े होने का दम

नई दिल्ली। भारत की साख पर आंच आने का कोई खतरा नहीं है। मूडीज रेटिंग्स ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर भरोसा जाहिर किया है। उसके अनुसार, भारत इस साल अपनी इन्वेस्टमेंट-ग्रेड सॉवरेन रेटिंग को जोखिम में डाले बिना मौजूदा अनुमानों से ज्यादा राजकोषीय घाटे (फिस्कल डेफिसिट) को संभालने की अच्छी स्थिति में है। मूडीज का मानना है कि ऊर्जा की बढ़ती कीमतों से बजट पर पड़ने वाला कोई भी दबाव अस्थायी हो सकता है। आसान शब्दों में जब सरकार की कमाई कम और खर्च ज्यादा होता है तो उस कमी को पूरा करने के लिए जो कर्ज लेना पड़ता है, उसे ही राजकोषीय घाटा कहते हैं।

इसलिए बढ़ गई टेंशन: इस साल मिडिल ईस्ट में संघर्ष के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बाद देश के राजकोषीय हालात (फिस्कल आउटलुक) को लेकर चिंताएं बढ़ गईं। तेल की ऊंची कीमतें आमतौर पर भारत के आयात बिल को बढ़ाती हैं। महंगाई का दबाव बढ़ता है। सब्सिडी की लागत में इजाफा होता है। इससे आर्थिक विकास और सरकार की राजकोषीय स्थिति दोनों के लिए चुनौतियां पैदा होती हैं। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, सिंगापुर स्थित मूडीज रेटिंग्स के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट क्रिश्चियन डी गुजमैन ने कहा कि हमें नहीं लगता कि भारत पर इसका कोई खास असर पड़ेगा क्योंकि यह झटका ज्यादातर देशों के लिए निगेटिव है।

मूडीज ने अभी भारत को बीएए3 रेटिंग दी है। यह इन्वेस्टमेंट-ग्रेड कैटेगरी में सबसे निचला स्तर है। शेष पृष्ठ 10 पर

रेप-मर्डर के दोषी को फांसी की सजा सुनाई गई

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे जिले में 3 साल की बच्ची से रेप और हत्या करने के आरोपी 65 साल के दोषी भीमराव कांबले को विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। कोर्ट का यह फैसला वारदात के 60 दिन बाद आया है। अदालत ने इस मामले को रेयरेस्ट ऑफ रेयर श्रेणी का बताते हुए कहा कि आरोपी का कृत्य बेहद क्रूर, अमानवीय और बर्बर था। सोमवार सुबह 11 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच आरोपी को अदालत में पेश किया गया था। कांबले पेशे से मजदूर हैं। वह 7 बच्चों का पिता और 11 बच्चों के दादा हैं। यह घटना 1 मई को पुणे जिले के नसरापुर गांव में हुई थी। बच्ची गर्मियों की छुट्टियों में अपनी नानी के घर आई हुई थी। दोपहर 3 से 4 बजे के बीच कांबले ने उसे खाने-पीने की चीजें और गाय का नवजात बछड़ा दिखाने का लालच देकर बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। इसके बाद वह उसे मवेशियों के तबेले के पास बने एक शेड में ले गया, जहाँ उसने उसके साथ रेप किया और फिर पत्थर से सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी।

सुरक्षा व्यवस्था | जंगलों से निकलकर सोशल मीडिया और अर्बन सक्रियता पर नजर

जंगल शांत, अब नेटवर्क पर वार, एसआईबी की बदली रणनीति

कृष्ण कुमार सिकंदर

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ लंबे समय से चल रहे अभियान के बीच अब सुरक्षा व्यवस्था का स्वरूप भी बदलने लगा है, जिन इलाकों में कभी जंगलों में सक्रिय सशस्त्र नक्सली दस्तों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए खुफिया तंत्र की तैनाती होती थी, वहां अब हालात सामान्य होने के बाद सुरक्षा एजेंसियां अपनी रणनीति में बदलाव कर रही हैं। इसी बदलाव के तहत स्टेट इंटेलिजेंस ब्यूरो (एसआईबी) ने नक्सल प्रभावित सात जिलों से अपनी खुफिया टीमों को वापस बुला लिया है।

सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के स्तर पर इसे नक्सल प्रभाव में आई कमी और बदले हुए सुरक्षा परिदृश्य के रूप में देखा जा रहा है। यहाँ के जिलों में तैनात एसआईबी के जवानों और अधिकारियों को अब उनकी मूल पदस्थापना में भेजा गया है। बताया जा रहा है कि नक्सल प्रभावित इलाकों में तैनात करीब 200 खुफिया कर्मियों में से 140 जवानों को वापस बुलाया गया है। इनमें से कई को उनकी पसंद के अनुसार चॉइस पोस्टिंग का अवसर भी दिया गया है।

नक्सल अभियान के शुरुआती दौर में एसआईबी की बड़ी जिम्मेदारी जंगलों में सक्रिय माओवादी दस्तों की गतिविधियों का पता लगाना था। खुफिया टीमें यह जानकारी जुटाती थीं कि नक्सली कहां बैठक कर रहे हैं, उनकी अगली रणनीति क्या है, हथियारबंद दस्तों की आवाजाही कहां हो रही है और सुरक्षा बलों पर संभावित हमले की योजना तो नहीं बनाई जा रही। इन सूचनाओं के आधार पर ही सुरक्षा बल ऑपरेशन की रणनीति तैयार करते थे, लेकिन अब परिस्थितियां बदल रही हैं। नक्सल गतिविधियों में कमी आने के साथ एसआईबी का फोकस भी जंगलों से हटकर काउंटर इंटेलिजेंस की ओर बढ़ गया है। अब एजेंसी की नजर उन नेटवर्क पर है जो प्रत्यक्ष रूप से हथियारबंद गतिविधियों में शामिल नहीं हैं, लेकिन नक्सली विचारधारा, संपर्क तंत्र और प्रचार नेटवर्क को आगे बढ़ाने का काम कर सकते हैं।

एसआईबी अब शहरों में सक्रिय ओवर ग्राउंड नेटवर्क पर ज्यादा ध्यान केंद्रित कर रही है। ऐसे लोग जो सीधे जंगलों में मौजूद नहीं हैं, लेकिन नक्सली संगठनों को सूचनाएं, संसाधन या अन्य सहयोग उपलब्ध कराने में भूमिका निभाते हैं, उनकी गतिविधियों की निगरानी की जा रही है। इसके साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भी सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी के दायरे में आ गए हैं। नक्सली विचारधारा के प्रचार-प्रसार, डिजिटल माध्यमों से युवाओं तक पहुंच बनाने की कोशिशों और ऑनलाइन गतिविधियों पर शेष पृष्ठ 10 पर

अकाल तख्त का आदेश- 1 महीने में बेअदबी कानून संशोधित करो

आप विधायकों ने कबूला, बिना पढ़े साइन किए, जत्थेदार ने सीएम मान के 2 वीडियो दिखाए

अमृतसर। श्री अकाल तख्त साहिब ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार को बेअदबी कानून जागत ज्योत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) एक्ट-2026 में एक महीने में संशोधन करने का आदेश दिया है। सोमवार (29 जून) को हुई सुनवाई के दौरान अकाल तख्त जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज ने कानून पर 6 एतराज जताए।

उन्होंने कहा कि सरकार बेअदबी करने वालों को सजा देने के लिए कानून बनाए, इस पर कोई एतराज नहीं है, लेकिन सिख शब्दावली, मर्यादा और पंथ से जुड़े मामलों में विधानसभा फैसला नहीं कर सकती। तब तक इस कानून को होल्ड किया जाए। जत्थेदार ने 2 सवाल पूछे। इस दौरान विधायकों ने माना कि कानून को बिना पढ़े सहमति दी। सुनवाई से पहले जत्थेदार ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के दो वीडियो भी सुनवाए। पेशी के लिए आप के सभी सिख मंत्री और विधायक नंगे पैर लिखित स्पष्टीकरण के साथ अकाल तख्त पहुंचे। कांग्रेस, अकाली दल और निर्दलीय विधायक भी सुनवाई में मौजूद रहे।

पहला सवाल: अकाल तख्त जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गज ने सीएम भगवंत मान के 2 बयान सुनवाए। जिनमें वह कह रहे हैं कि अगर बेअदबी करने वाला मानसिक रोगी हुआ तो उसके मां-बाप या कस्टोडियन को सजा मिलेगी। उन्होंने आप मंत्री-विधायकों से पूछा कि क्या ये बात कानून में लिखी है।

कृषि मंत्री गुरमीत खुड्डियां कोई स्पष्ट बात नहीं कर सके। इस पर विधायक इंद्रबीर सिंह निज्जर ने कहा कि इस सुनवाई का लाइव टेलीकास्ट नहीं करना चाहिए, यह संवेदनशील मसला है। इस पर अकाल तख्त जत्थेदार ने कहा कि सीएम ने ही हर कार्रवाई का लाइव टेलीकास्ट करने को कहा था। इसके लिए अकाल तख्त को ललकारा भी था।

प्रदेश में राशन व्यवस्था पर संकट के बादल

13 हजार दुकानों पर 5 जुलाई से लग सकता है ताला

राजन कुमार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) एक बार फिर बड़े संकट की कगार पर खड़ी है। लाखों गरीब परिवारों को सस्ता राशन पहुंचाने वाली उचित मूल्य दुकानों के संचालक अब सरकार के खिलाफ आक्रामक हो गए हैं। अपनी नौ सूत्रीय मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ पी.डी.एस. संचालक संघ ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को औपचारिक ज्ञापन सौंपा है और साफ चेतावनी दी है कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो 5 जुलाई 2026 से पूरे प्रदेश की 13 हजार सरकारी राशन दुकानें अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दी जाएंगी।

संघ के अध्यक्ष नरेश बाफना के नेतृत्व में संचालकों का सबसे बड़ा गुस्सा मार्जिन मनी को लेकर है। उन्होंने कहा कि हस्र्र के तहत मात्र 90 रुपये प्रति क्विंटल और सीजीएफएसए के तहत सिर्फ 30 रुपये प्रति क्विंटल मार्जिन दिया जा रहा है। महंगाई के इस दौर में पिछले 20 साल से इसमें कोई खास बढ़ोतरी नहीं हुई है। संचालकों का कहना है कि दोनों योजनाओं में मेहनत एक समान है, फिर भेदभाव क्यों? उन्होंने मांग की है कि मार्जिन राशि को कम से कम 150 रुपये प्रति क्विंटल किया जाए। आर्थिक संकट और भी गहरा है।

संचालकों ने आरोप लगाया कि नवंबर 2025 के बाद से पिछले सात महीनों की हस्र्र मार्जिन मनी अब तक नहीं मिली है। बारदाना, मार्जिन और आधार प्रमाणित वितरण राशि समय पर न मिलने से दुकानदारों की हालत खस्ता हो गई है। नई मुसीबत 'स्र्ह' पद्धति बन गई है। संचालकों का कहना है कि इस व्यवस्था के कारण पूरा आवंटन नहीं मिल पाता, जिससे 'वन नेशन वन राशन कार्ड' का मकसद ही विफल हो रहा है और रोजाना उपभोक्ताओं के साथ विवाद खड़े हो रहे हैं।

तीन महीने का राशन एक साथ बांटने की नई नीति पर भी संचालक खासे नाराज हैं। उनका तर्क है कि थोक में भंडारण की व्यवस्था न होने से अनाज खराब होने का खतरा रहता है, साथ ही वितरण में तिगुनी मेहनत करनी पड़ती है। शक्कर वितरण पर मिलने वाले महज चार पैसे प्रति किलो कमीशन को भी उन्होंने अपर्याप्त बताया और इसे 100 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग की है।

इसके अलावा संचालकों ने झूठे मुकदमों से बचाव, पीओएस मशीनों की बार-बार खराब होने वाली समस्या, सर्वर डाउन और फिंगरप्रिंट मिसमैच जैसी तकनीकी दिक्कतों की भी शिकायत की है। उन्होंने मांग की है कि किसी भी दुकानदार के खिलाफ कार्रवाई से पहले संघ के पदाधिकारियों से बातचीत की जाए।अब सारी नजरें सरकार पर टिकी हैं। यदि समय रहते मांगों पर गंभीर चर्चा और समाधान नहीं निकला तो 5 जुलाई से छत्तीसगढ़ की पूरी राशन व्यवस्था ठप हो जाएगी। इससे सबसे ज्यादा नुकसान गरीब और जरूरतमंद परिवारों को होगा। विकास के दावों के बीच छत्तीसगढ़ में राशन संकट एक बार फिर सवाल खड़ा कर रहा है कि आखिर सरकार अपनी मूलभूत जिम्मेदारी को कैसे निभाएगी।

सरस्वती साइकिल योजना से वैष्णवी के सपनों को मिली नई उड़ान

नि:शुल्क साइकिल बनी शिक्षा की साथी, अब आत्मविश्वास के साथ तय होगा विद्यालय का सफर

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी सरस्वती साइकिल योजना बालिकाओं के लिए शिक्षा तक पहुँच को आसान बनाने के साथ उनके सपनों को नई दिशा दे रही है। यह योजना केवल एक साइकिल उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि बेटियों के आत्मविश्वास, नियमित शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला बन रही है।

इसी योजना से लाभान्वित हुई सूरजपुर जिला के शासकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्रा वैष्णवी कसेरा आज अपने सपनों को साकार करने की दिशा में और अधिक उत्साहित हैं। बाजारपारा निवासी वैष्णवी पहले प्रतिदिन पैदल विद्यालय जाया करती थीं, जिससे समय अधिक खपत होने के साथ पढ़ाई पर भी असर पड़ता था। शासन द्वारा निःशुल्क साइकिल मिलने के बाद अब उनके लिए विद्यालय पहुँचना आसान, सुरक्षित और सुविधाजनक हो गया है।

वैष्णवी कहती हैं, 'अब मेरे सपनों को नया पंख मिल गया है। पहले पैदल विद्यालय आती-जाती थी, लेकिन अब साइकिल से समय पर विद्यालय पहुँच सकूँगी और मन लगाकर पढ़ाई कर अपने लक्ष्य को हासिल करने का प्रयास करूँगी।' उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं छत्तीसगढ़ शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों की छात्राओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। इससे बालिकाओं में शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ रहा है, नियमित उपस्थिति सुनिश्चित हो रही है और वे आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही हैं। सरस्वती साइकिल योजना आज प्रदेश की हजारों बेटियों के लिए केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि उनके सपनों, आत्मविश्वास और बेहतर भविष्य की नई पहचान बनकर उभर रही है।

सहकारिता सप्ताह: सोसायटियों में ध्वजारोहण, उप-नियमों की जानकारी पाकर जागरूक हुए किसान

रायपुर। छत्तीसगढ में 29 जून से 6 जुलाई तक 'सहकारिता सप्ताह' का आयोजन किया जा रहा हैस इसका मुख्य उद्देश्य किसानों, महिलाओं और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है स राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह के अवसर पर सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिले की विभिन्न प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों में सहकारिता ध्वजारोहण कार्यक्रम अत्यंत हर्षोल्लास और गरिमापूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। सहसपुर समिति में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में अंचल के अनेक जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए अतिथियों और वक्ताओं ने सहकारिता के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सहकारिता आंदोलन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की असली रीढ़ है। वक्ताओं ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि सोसायटियों के माध्यम से किसानों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ और सशक्त बनाना ही शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पारदर्शिता के लिए किया गया उप-नियमों का वाचन

ध्वजारोहण कार्यक्रम के पश्चात सभी समितियों में विशेष सभाओं का आयोजन किया गया। इन सभाओं में उपस्थित किसानों और समिति के सदस्यों के समक्ष संस्था के उप-नियमों का विस्तार से वाचन कर उन्हें महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। इस अनूठी पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों को समिति के नियमों, उनके अधिकारों और सहकारी प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक करना था, ताकि पूरी पारदर्शिता के साथ सहकारिता के उद्देश्यों को जमीनी स्तर पर अमलीजामा पहनाया जा सके।

इस गरिमापूर्ण अवसर पर सहकारी समितियों के प्रबंधक, संचालक मंडल के सदस्य, स्थानीय ग्रामीण जनप्रतिनिधि और क्षेत्र के प्रगतिशील किसान बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के 5 वर्ष पूर्ण

महासमुंद। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के 5 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सहकारिता सप्ताह के प्रथम दिवस में आज जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्या. रायपुर जिला कार्यालय महासमुंद अंतर्गत 159 सहकारी समितियों समितियों के अध्यक्ष, समिति प्रभारियों अन्य कर्मचारियों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में ध्वजा रोहण कर सहकारी सप्ताह का शुभारंभ किया गया। साथ ही जिले में 16 जिला सहकारी केंद्रीय बैंक परिसर मे बैंक के कर्मचारियों और ग्राहकों की उपस्थिति मे ध्वजा रोहण किया गया।

सहकारी समितियों एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक में ध्वजा रोहण कर सहकारी सप्ताह का शुभारंभ किया गया

सीएम साय से कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने की सौजन्य भेंट

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए राज्यपाल गहलोत का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें बस्तर की समृद्ध कला एवं सांस्कृतिक विरासत बस्तर आर्ट का प्रतीक चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर दोनों के बीच विभिन्न समसामयिक विषयों एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर आत्मीय चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन का असर

सेवा सेतु पोर्टल बना आमजन की उम्मीदों का मजबूत आधार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सुशासन, पारदर्शिता और डिजिटल सेवा वितरण को नई दिशा मिल रही है। शासन की जनहितैषी सोच और तकनीक आधारित प्रशासनिक सुधारों का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा सेवा सेतु पोर्टल आज प्रदेश के लाखों नागरिकों के लिए भरोसेमंद माध्यम बन चुका है। इस पोर्टल के जरिए शासकीय सेवाएं अब घर बैठे सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध हो रही हैं, जिससे आमजन का समय और धन दोनों की बचत हो रही है तथा शासन के प्रति विश्वास भी लगातार मजबूत हो रहा है।

रायगढ़ जिले की तहसील पुसौर के ग्राम भाठनपाली निवासी अजय कुमार प्रधान की सफलता की कहानी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की डिजिटल सुशासन की सोच को साकार करती है। लंबे समय से स्थायी जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए वे सरकारी कार्यालयों के लगातार चक्कर लगा रहे थे। बार-बार तहसील कार्यालय जाने से समय और आर्थिक संसाधनों की हानि हो रही थी, लेकिन इसके बावजूद उन्हें आवश्यक प्रमाण पत्र समय पर प्राप्त नहीं हो पा रहा था। इसके कारण वे कई सरकारी नौकरियों में आवेदन करने से भी वंचित रह जाते थे।

इसी दौरान उन्हें सेवा सेतु पोर्टल की जानकारी मिली।

रामगढ़ महोत्सव में रामलीला, कवि सम्मेलन और 'जटायु मोक्ष' की प्रस्तुति ने बांधा समां

नई दिल्ली के ख्याति प्राप्त कलाकारों की रामलीला, कस्तूरबा विद्यालय की बालिकाओं की मनमोहक प्रस्तुति और कवियों की ओजस्वी रचनाओं ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

रायपुर। सरगुजा अंचल की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक विरासत को समर्पित दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव-2026 के प्रथम दिवस में संस्कृति, साहित्य और लोककला का अद्भुत संगम देखने को मिला। महोत्सव में प्रस्तुत विविध सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का मन मोह लिया। नई दिल्ली के ख्याति प्राप्त कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भव्य रामलीला, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय उदयपुर की छात्राओं द्वारा 'जटायु मोक्ष' की भावपूर्ण नृत्य-नाटिका तथा कवि सम्मेलन कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण रहे।

नई दिल्ली से आए ख्याति प्राप्त कलाकारों ने भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों का अत्यंत प्रभावशाली मंचन कर दर्शकों को त्रेतायुग की अनुभूति कराई। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन, धर्म, सत्य, त्याग एवं कर्तव्यपरायणता को सशक्त अभिनय, प्रभावी संवाद, आकर्षक वेशभूषा, भव्य मंच सज्जा और मधुर संगीत के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति के दौरान पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा और दर्शक कलाकारों के अभिनय से अभिभूत नजर आए।

इसी क्रम में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, उदयपुर की बालिकाओं ने 'जटायु मोक्ष' पर आधारित मनमोहक नृत्य-नाटिका प्रस्तुत कर सभी को भावविभोर कर दिया। भगवान श्रीराम और जटायु के प्रसंग को बालिकाओं ने अत्यंत संवेदनशील एवं प्रभावशाली अभिनय तथा नृत्य के माध्यम से साकार किया। भावपूर्ण अभिव्यक्ति, उत्कृष्ट मंच संचालन, पारंपरिक वेशभूषा और सुमधुर संगीत के समन्वय ने प्रस्तुति को अत्यंत जीवंत बना दिया। बालिकाओं की इस प्रस्तुति ने उपस्थित दर्शकों की आंखें नम कर दीं और पूरा सभागार देर तक तालियों की गूंज से गूंजता रहा। उनकी प्रतिभा और आत्मविश्वास ने सभी का मन मोह लिया।

महोत्सव का एक अन्य प्रमुख आकर्षण कवि सम्मेलन रहा, जिसमें प्रतिष्ठित कवियों ने अपनी ओज, वीर, श्रृंगार, हास्य-व्यंग्य एवं समसामयिक विषयों पर आधारित रचनाओं का प्रभावशाली पाठ किया। राष्ट्रभक्ति, भारतीय संस्कृति, सामाजिक सरोकारों और मानवीय मूल्यों पर आधारित कविताओं ने श्रोताओं को गहराई से प्रभावित किया, वहीं हास्य-व्यंग्य की रचनाओं ने पूरे वातावरण को आनंदमय बना दिया। कवियों की दमदार प्रस्तुति पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया।

इसके अतिरिक्त लोकगीत, सरगुजिहा लोकनृत्य, करमा नृत्य, स्वागत गीत एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी महोत्सव को भव्यता प्रदान की। स्थानीय एवं क्षेत्रीय कलाकारों ने सरगुजा की समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं का प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए अपनी कला का उत्कृष्ट परिचय दिया।

रामगढ़ महोत्सव का उद्देश्य सरगुजा अंचल की ऐतिहासिक धरोहर, सांस्कृतिक विरासत एवं साहित्यिक परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाना तथा नई पीढ़ी को अपनी समृद्ध संस्कृति से जोड़ना है। प्रथम दिवस के भव्य और सफल आयोजन ने इस उद्देश्य को सार्थक रूप से अभिव्यक्त किया।

पाँच दिवसीय फेम टूर में मैनपाट, सतरेंगा और रामगढ़ महोत्सव का अनुभव ले रहे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, करोड़ों दर्शकों तक पहुंचेगा छत्तीसगढ़ का प्राकृतिक, सांस्कृतिक और जनजातीय वैभव

इन्फ्लुएंसर मीट से छत्तीसगढ़ पर्यटन को मिलेगी वैश्विक पहचान, डिजिटल मंचों पर गूंजेंगी प्रदेश की खूबसूरती

रायपुर। डिजिटल माध्यमों के जरिए छत्तीसगढ़ पर्यटन को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने की दिशा में छत्तीसगढ़ टूरिज़्म बोर्ड द्वारा 26 से 30 जून 2026 तक पाँच दिवसीय 'इन्फ्लुएंसर मीट एवं फेमिलराइजेशन (फेम) टूर' का आयोजन किया जा रहा है। इस अभिनव पहल के तहत राज्य के विभिन्न जिलों से चयनित प्रमुख सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया जा रहा है, ताकि उनके माध्यम से प्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन संभावनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार देश और दुनिया तक पहुंच सके।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी प्रदेश के प्रसिद्ध हिल स्टेशन मैनपाट, प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण सतरेंगा तथा ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व के रामगढ़ महोत्सव का भ्रमण कर रहे हैं। इस यात्रा के दौरान इन्फ्लुएंसर्स प्राकृतिक छटा, जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक लोककलाओं, पर्यटन सुविधाओं और सांस्कृतिक आयोजनों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। साथ ही वे विभिन्न डिजिटल मंचों के लिए आकर्षक फोटो, वीडियो और रचनात्मक सामग्री तैयार कर रहे हैं, जिसके माध्यम से छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों की विशेषताएं लाखों दर्शकों तक पहुंचेंगी।

मैनपाट अपनी मनोहारी वादियों, तिब्बती संस्कृति, झरनों और प्राकृतिक आकर्षणों के कारण प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में विशेष स्थान रखता है। वहीं सतरेंगा इको-टूरिज्म के क्षेत्र में तेजी से उभरता हुआ गंतव्य है, जहां विशाल जलाशय, प्राकृतिक वातावरण और रोमांचक गतिविधियां पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। इसके साथ ही रामगढ़ महोत्सव के माध्यम से प्रतिभागी छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, लोक कलाओं और ऐतिहासिक विरासत से भी रूबरू हो रहे हैं।

यह आयोजन पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन, पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा के नेतृत्व, प्रबंध संचालक विवेक आचार्य के सक्षम संचालन तथा उपमहाप्रबंधक श्रीमती पूनम शर्मा के निर्देशन में छत्तीसगढ़ टूरिज़्म बोर्ड की टीम द्वारा सुव्यवस्थित रूप से संचालित किया जा रहा है। आयोजन का अंतिम दिन 30 जून को निर्धारित है।

डिजिटल युग में सोशल मीडिया पर्यटन प्रचार का सबसे प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। ऐसे में इस इन्फ्लुएंसर मीट के माध्यम से तैयार की जा रही डिजिटल सामग्री छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों को देश और दुनिया के करोड़ों लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे प्रदेश के पर्यटन स्थलों की लोकप्रियता और दृश्यता बढ़ेगी, पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार, हस्तशिल्प, लोककला, ग्रामीण पर्यटन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलेगी।

इस प्रकार के नवाचार आधारित प्रचार अभियान राज्य को देश के अग्रणी पर्यटन गंतव्यों में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आगामी समय में भी पर्यटन के प्रभावी प्रचार-प्रसार के लिए ऐसे अभिनव प्रयास निरंतर किए जाते रहेंगे।

बस्तर-धारा

मंगलवार 30 जून 2026, www.aajkijandhara.com

पहली बारिश में डूबा भोपालपट्टनम, पांच वर्षों से जलभराव की समस्या से जूझ रहे नागरिक

भोपालपट्टनम। नगर पंचायत भोपालपट्टनम में पहली ही बारिश ने विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति उजागर कर दी है। नगर के कई वार्डों में जलभराव की गंभीर समस्या एक बार फिर सामने आई है। नालों और नालियों की समुचित सफाई नहीं होने तथा जल निकासी व्यवस्था कमजोर होने के कारण बारिश का पानी सड़कों और लोगों के घरों में घुस रहा है। इससे आमजन का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या पिछले पांच वर्षों से लगातार बनी हुई है, लेकिन इसके स्थायी समाधान की दिशा में अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है।

नगरवासियों के अनुसार प्रत्येक वर्ष बरसात से पहले नालों की सफाई और विकास कार्यों पर लाखों रुपये खर्च किए जाने का दावा किया जाता है, लेकिन इसका लाभ धरातल पर दिखाई नहीं देता। लोगों का आरोप है कि नालों की नियमित सफाई नहीं होने से उनमें मिट्टी, कचरा और झाड़ियां जमा रहती हैं, जिससे पानी का बहाव रुक जाता है और थोड़ी सी बारिश में ही सड़कों पर पानी भर जाता है।

छोटे नालों के कारण बढ़ रही परेशानी: सबसे अधिक परेशानी मुख्य मार्ग से लगे वार्डों में देखने को मिल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क किनारे बनाए गए नाले वर्षा जल की मात्रा के अनुरूप पर्याप्त नहीं हैं। पहाड़ी क्षेत्रों से आने वाला तेज बहाव वाला पानी छोटे नालों में समा नहीं पाता और सीधे गलियों तथा घरों में प्रवेश कर जाता है। इससे लोगों को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ रोजमर्रा की परेशानियों का भी सामना करना पड़ता है।

हर वर्ष दोहराई जाती है वही समस्या: नगरवासियों का कहना है कि उन्होंने कई बार नगर पंचायत, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों के सामने इस समस्या को उठाया, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। बरसात शुरू होते ही कई वार्डों की सड़कें तालाब जैसी दिखाई देने लगती हैं। कई परिवारों को रातभर जागकर घरों से पानी बाहर निकालना पड़ता है। सबसे अधिक परेशानी छोटे बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को होती है।

अधिकारियों की कार्यशैली पर उठे सवाल: स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत के अधिकारियों की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि नगर की समस्याओं के बावजूद नियमित निरीक्षण नहीं किया जाता। सफाई व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं है, जिसके कारण नालों में गंदगी जमा रहती है और जल निकासी बाधित होती है। नागरिकों ने विकास कार्यों में पारदर्शिता की भी मांग की है। उनका कहना है कि निर्माण कार्यों पर खर्च तो दिखाया जाता है, लेकिन उनकी गुणवत्ता और उपयोगिता पर गंभीर प्रश्न खड़े हो रहे हैं।

जनप्रतिनिधियों से बढ़ी नाराजगी: नगरवासियों में जनप्रतिनिधियों के प्रति भी असंतोष बढ़ता जा रहा है। लोगों का कहना है कि चुनाव के समय विकास के बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन चुनाव समाप्त होने के बाद मूलभूत समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जाता। पांच वर्षों से लगातार जलभराव की समस्या बनी हुई है, फिर भी इसके स्थायी समाधान के लिए कोई प्रभावी योजना सामने नहीं आई।

बस्तर आई जी सुंदरराज पी को मिली नई जिम्मेदारी

वरिष्ठ पत्रकारों ने दी शुभकामनाएं

जनधारा समाचार

जगदलपुर। बस्तर संभाग के वरिष्ठ पत्रकारों ने आज बस्तर आई जी सुंदरराज पी से सौजन्य मुलाकात कर उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उनके बस्तर में लंबे कार्यकाल के दौरान किए गए उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की गई तथा पुरानी यादों को साझा करते हुए आत्मीय चर्चा हुई।उल्लेखनीय है कि सुंदरराज पी ने बस्तर में लगभग 13 वर्ष 5 माह तक अपनी सेवाएं दीं। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के विकास, प्रशासनिक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने तथा जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके कार्यकाल को बस्तर के लिए एक महत्वपूर्ण दौर के रूप में याद किया जाएगा।वरिष्ठ पत्रकारों ने कहा कि सुंदरराज पी ने अपने कार्यकाल में जनता और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का प्रयास किया तथा बस्तर की चुनौतियों को समझते हुए संवेदनशीलता के साथ कार्य किया। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य एवं नई जिम्मेदारी में सफलता की कामना की।

भाटापारा आंगनबाड़ी केंद्र में पल्स पोलियो की दवा पिलाई गई

चारामा। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के दिन नगर के भाटापारा आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 5 में मुख्य अतिथि के रूप में पार्षद लोकेश नागवंशी द्वारा बच्चो को पल्स पोलियो की दवा पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया गया। वार्ड के सभी 0 से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाने के लिए अपील की गई। इस कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रोहणी मटियारा मितानिन रीना यादव .ईश्वरी सेन..काउंसलर रुचिका वटी एवं अन्य हितग्राही शामिल थे।

ट्रक से भिड़ंत के बाद मर्सडीज के मालिक ने मांगे एक करोड़ और दी धमकी

ट्रक चालक ने की आत्महत्या

दंतेवाड़ा। करीब दो सप्ताह पहले बंजारी घाट में सड़क हादसे के बाद ट्रक चालक की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने मर्सिडीज कार चालक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। पुलिस जांच में सामने आए डिजिटल साक्ष्यों, सोशल मीडिया वीडियो, मोबाइल स्क्रीनशॉट और गवाहों के बयान के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। मामले की जांच अभी जारी है।

पुलिस के अनुसार 11 जून को बंजारी घाट के पास ट्रक और मर्सिडीज कार की टक्कर हुई थी। आरोप है कि हादसे के बाद मर्सिडीज चालक सागर हेमला ने ट्रक चालक ताम्रध्वज साहू के साथ गाली-गलौज और मारपीट की। कार क्षतिग्रस्त होने का हवाला देकर उससे रुपये की मांग की गई। आरोप यह भी है कि रुपये नहीं देने पर ताम्रध्वज को जान से मारने तथा उसके परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी गई।

मानसिक रूप से परेशान था ताम्रध्वज: जांच में यह भी सामने आया कि घटना के बाद ताम्रध्वज मानसिक रूप से काफी परेशान हो गया था। अगले दिन उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले उसने अपने इंटरनेट मीडिया अकाउंट पर कई वीडियो पोस्ट किए थे, जिनमें उसने अपने साथ हुई प्रताड़ना और मानसिक पीड़ा का जिक्र किया था। मृतक के स्वजन ने पुलिस को आवेदन देकर आरोपित के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद गीदम थाना पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए तथा इंटरनेट मीडिया पर अपलोड वीडियो, मोबाइल स्क्रीनशाट और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच की। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर बीजापुर जिले के गंगालूर निवासी सागर हेमला (42) को गिरफ्तार कर लिया गया।

0 से 5 वर्ष के बच्चों को प्लस पोलियो पिलाया गया

चारामा। ग्राम पंचायत पिपरौद में 0 से लेकर 5 वर्ष तक के बच्चों को प्लस पोलियो दिवस के दिन ग्राम पंचायत के सरपंच श्रीमती लता संतोष मंडावी ने दो बूंद पोलियो पिला कर शुभारम्भ किया। गांव में बच्चे एक साथ जब मिले तो त्यौहार जैसे माहौल नज़र आने लगा सभी पोलियो पीने वाले बच्चों के लिए ग्राम पंचायत पिपरौद द्वारा पतंजलि का बिस्किट पैकेट प्रदान किया गया। एवं सरपंच श्रीमती लता मंडावी एवं ग्राम पटेल रामप्रसाद सिन्हा के द्वारा आह्वान किया गया। पिपरौद को पोलियो मुक्त गांव बनाना है। इस सकारात्मक उद्देश्यों के साथ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती अमरोतिन निषाद मितानिन कुंती बाई उसेंडी, श्रीमती भानुमती मंडावी, श्रीमती बिमला बाई कावड़े, मथुरा बाई निषाद का एवं समस्त पंचायत प्रतिनिधि, ग्राम प्रमुख एवं ग्रामवासी शामिल हुए। यह जानकारी कर्मचारी संघ पिपरौद के रुस्तम सेन द्वारा दिया गया।

ग्राम जैसाकर्रा में धूमधाम से मनाई गई कबीर जयंती, निकली भव्य रैली

चारामा। ग्राम जैसाकरा में संत कबीर दास जी की जयंती अत्यंत हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाई गई। इस पावन अवसर पर कबीर पंथ को मानने वाले अनुयायी और बड़ी संख्या में ग्रामीण जन गांव में एकत्रित हुए। सभी ने कबीर दास जी की विधिवत पूजा-अर्चना की, उनकी स्तुति गाई और सामूहिक सुमिरन कर उन्हें याद किया।

संतों का मिला सानिध्य: इस विशेष अवसर पर क्षेत्र के प्रतिष्ठित संत कोमल साहेब और संत गितेश साहेब का गरिमामय आगमन हुआ। अपने उद्बोधन में संतों ने सभी सत्संगी भाइयों और ग्रामवासियों को कबीर दास जी के महान संदेशों और जीवन मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि कबीर जी के लोक-कल्याणकारी उपदेशों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाया जाना चाहिए।

दोहों और साखियों से गूंजा पंडाल: कार्यक्रम में सेवानिवृत्त शिक्षक टेश्वर साहू, शिक्षक प्रेम प्रकाश साहू और शिक्षक गोविंद साहू ने भी मंच साझा किया। उन्होंने कबीर दास जी के कालजयी दोहों और साखियों के माध्यम से उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। शिक्षकों ने कबीर जी की वाणियों की सरल व्याख्या करते हुए समाज में प्रेम, सद्भाव और कुरीतियों को दूर करने का संदेश दिया।

गाँव में निकाली गई भव्य रैली: पूजा-अर्चना और सत्संग के बाद पूरे गांव में एक भव्य और आध्यात्मिक रैली निकाली गई। इस रैली में कबीर पंथ के जयकारों और भजनों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। रैली के दौरान कबीर दास जी के उपदेशों और उनके विचारों का प्रचार-प्रसार पूरे उत्साह के साथ किया गया, जिसमें महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

मनोहरदत तिवारी द्वारा सहकारी सप्ताह का शुभारंभ किया गया

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी संघ संभागीय कार्यालय जगदलपुर के प्रांगण में जिला संयोजक सहकारिता प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मनोहरदत्त तिवारी द्वारा सह कारी सप्ताह के अवसर पर ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम में सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी विवेकानंद झा, प्रशिक्षक विवेक पांडे व समस्त कर्मचारियों द्वारा सहकारी गीत का गायन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तिवारी द्वारा भारत सरकार सहकारिता मंत्रालय के सफल एवं गौरवपूर्ण 5 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 29 जून से 6 जुलाई 2026 तक बस्तर में भी सहकारिता जागरूकता एवं जन भागीदारी को बढ़ावा देने विविध कार्यक्रमों का आयोजन हेतु आह्वान किया गया। सहकार से समृद्धि के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने हेतु किसानों, महिलाओं एवं ग्रामीण समुदाय को सहकारिता से जोड़ने तथा सहकारी संस्थाओं की भूमिकाओं को सशक्त बनाने हेतु जोर दिया गया।

कार्यक्रम में सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी विवेकानंद झा, प्रशिक्षक विवेक पांडे द्वारा सदस्यों की आय वृद्धि में दुग्ध एवं मत्स्य समितियां की भूमिका विषय पर परिचर्चा किया गया। मितेश पाणिग्रही प्रशिक्षक द्वारा बहुउद्देशीय उपनियम का वाचन किया गया। कार्यक्रम में प्रेम कुमार यादव सहकारिता प्रकोष्ठ सदस्य, चंद्रभान नागवंशी सदस्य ,संतोष नाग सह संयोजक, तुलसी देवांगन सह संयोजक ,धनुर्जय कश्यप, उमेश गुप्ता,उदय दुबे एवं राज्य सहकारी संघ के समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे ।

पल्स पोलियो अभियान में जन सहयोग की सक्रिय भागीदारी

बच्चों को पिलाई गई पोलियो की खुराक

कांकेर। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार को समाजसेवी संस्था जन सहयोग ने अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी के नेतृत्व में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए अभियान को सफल बनाने में सहयोग दिया। इस दौरान चिकित्सा विभाग के स्टाफ, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और मितानिनों ने भी अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अभियान के दौरान अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को बचाने के लिए नियमित टीकाकरण और पल्स पोलियो अभियान बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि समय पर जागरूकता और लगातार चलाए जा रहे अभियानों के कारण भारत में पोलियो के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है। उन्होंने कहा कि जन सहयोग संस्था इस जनहित के अभियान में पहले भी सहयोग करती रही है और आगे भी अपनी जिम्मेदारी निभाती रहेगी।

कार्यक्रम में संस्था के धर्मेंद्र देव, पप्पू साहू सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय योगदान दिया। वहीं एएनएम संध्या नाग, एनजीओ प्रतिनिधि मौली मैडम, रानू चौहान, दीप यादव, जब्बार, प्रमिला नारंग, सुदर्शन सलाम, शकुंतला यादव, हर्ष साहू, लैब टेक्नीशियन विजय तेता, मितानिन सुनीता चौरसिया तथा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शशिकला पटेल सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने अभियान को सफल बनाने में सहयोग किया।

चिकित्सा विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों ने पल्स पोलियो अभियान में जन सहयोग संस्था की भागीदारी की सराहना करते हुए इसे जनस्वास्थ्य के प्रति सामाजिक जिम्मेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

संघ कार्यालय में पेंशनर्स महासंघ की बैठक हुई संपन्न

जनधारा समाचार

जगदलपुर। बाला तराई पावर हाउस चौक में स्थित संघ कार्यालय में आज भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के संभागीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय मंत्री राम नारायण ताटी ने कहा पेंशनरों को अपने अधिकारों की रक्षा के लिए एक जुट होना अत्यंत जरुरी है। जब तक हम एक जुट नहीं होंगे तब तक मध्य प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49 (6) से हमे निजात नहीं मिलेगा और हमारा शोषण होता रहेगा। प्रारंभ में अब्दुल सत्तार खान को प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर एवं शिव कुमार मिश्रा को प्रांतीय मंत्री के पद पर नियुक्त किए जाने पर दोनों को बैठक में उपस्थित सभी पेंशनर साथियों एवं मातृ शक्ति के द्वारा पुष्प गुच्छ भेंटकर सम्मानित किया गया।

पूर्व निर्धारित एजेंडा के बिंदु अनुसार चर्चा की गई। संगठन विस्तार के संबंध में यह निर्णय लिया गया कि जिस तरह संभाग के सभी जिलों में जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया उसी तरह ब्लॉक स्तर पर ब्लॉक बाड़ी का गठन भी किया जाना चाहिए। सदस्यता अभियान में तेजी लाने हेतु प्रत्येक पदाधिकारी को कम से कम दो सदस्यों को अनिवार्य रूप से संगठन से जोड़ने का निर्देश संभागीय अध्यक्ष के द्वारा दिया गया। यदि सभी पदाधिकारियों के द्वारा संघ के कार्य में रुचि लेकर ऐसा किया गया तो निश्चित रूप से सदस्यता अभियान में तेजी आने के साथ सदस्यता संख्या में भी बढ़ोत्तरी होगी।

लंबित 2फीसदी महंगाई राहत के लिए सरकार पर प्रभावी दबाव बनाने हेतु प्रांतीय पदाधिकारियों से चर्चा कर कारगर रणनीति के तहत धरना प्रदर्शन करने की आवश्यकता पेंशनर साथियों के द्वारा महसूस की गई। कार्यालयीन खर्च की व्यवस्था नल एवं,बिजली बिलों का भुगतान तथा भवन के रख रखाव हेतु आवश्यक खर्च की पूर्ति हेतु प्रति सदस्य 500 रुपए वार्षिक सहयोग राशि लेने का निर्णय सर्व सम्मति से लिया गया।

बैठक के दौरान पेंशनर साथी राजेंद्र कुमार देवांगन एवं श्रीमती शुभ्रा कुंडू मैडम का जन्म दिन केक काटकर गुल दस्ता भेंट कर हर्षोल्लास के साथ पेंशनर साथियों के द्वारा मनाया गया। इस दौरान कार्यालय हेतु फर्नीचर उपलब्ध कराने में आर्थिक सहायता प्रदान करने वालों के प्रति पेंशनर साथियों के द्वारा तालियां बजाकर धन्यवाद ज्ञापित किया। अंत में संगठन के दिवंगत मातृ शक्तियों सुश्री मीता मुखर्जी,सुश्री आरती मुखर्जी एवं श्रीमती ललिता यादव के प्रति मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस मौके पर बैठक में उपस्थित होने वालों में आर एन ताटी, किशोर कुमार जाधव, अब्दुल सत्तार खान, शिव कुमार मिश्रा, रमापति दुबे, एस डी माझी,गौतम आचार्य ,राजेंद्र कुमार देवांगन, एम डी राठौर, अशोक रावत , बी एस नेताम ,बी बी एस ठाकुर ,नारायण राय श्रीमती सरोज साहू ,जया इशाक ,शुभ्रा कुंडू ,शीला ताराम ,विमला ठाकुर, त्रिशिया झाड़ी,नम्रता दुबे एवं रामकुमारी नेताम मौजूद थे।

काँकेर उपभोक्ता आयोग का बड़ा फैसला

बिजली कंपनी पर 2 लाख रुपये का जुर्माना, किसान को मिलेगा मुआवजा

जनधारा समाचार

काँकेर। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, काँकेर ने उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करते हुए एक महत्वपूर्ण और मिसाल कायम करने वाला फैसला सुनाया है। आयोग ने विद्युत वितरण कंपनी को सेवा में गंभीर कमी का दोषी मानते हुए एक किसान को आर्थिक नुकसान की भरपाई के लिए 2 लाख रुपये की क्षतिपूर्ति देने का आदेश दिया है। इसके अलावा किसान को मानसिक पीड़ा के लिए 10 हजार रुपये तथा वाद व्यय के रूप में 5 हजार रुपये भी दिए जाएंगे। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि आदेश की तिथि से एक माह के भीतर भुगतान नहीं किया गया तो निर्धारित 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की जगह 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से राशि का भुगतान करना होगा।

मामला जिले के ग्राम छिंदपारा मालगांव निवासी किसान डेरहाराम से जुड़ा है। किसान ने अपने खेत की सिंचाई के लिए कृषि विद्युत पंप का कनेक्शन लिया था। मुख्य विद्युत लाइन उसके खेत से काफी दूरी पर होने के कारण विभाग के निर्देशानुसार उसने अपने खर्च पर पांच विद्युत खंभे लगवाने के लिए लगभग 1.50 लाख रुपये तथा ट्रांसफार्मर के लिए 90 हजार रुपये जमा किए। किसान को उम्मीद थी कि बिजली आपूर्ति सुचारु रूप से होगी और उसकी फसल की सिंचाई समय पर हो सकेगी।

लेकिन आरोप है कि बाद में विद्युत वितरण कंपनी ने उन्हीं खंभों और उसी लाइन से अन्य उपभोक्ताओं को भी बिजली कनेक्शन प्रदान कर दिया। इससे लाइन पर अतिरिक्त भार बढ़ गया और किसान के कृषि पंप तक पर्याप्त वोल्टेज नहीं पहुंच पाया। कम वोल्टेज के कारण पंप सही ढंग से नहीं चल सका, जिससे खेतों की सिंचाई प्रभावित हुई और किसान को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।

पीड़ित किसान ने पहले विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों और जिला प्रशासन के समक्ष कई बार शिकायत दर्ज कराई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। विभाग की ओर से संतोषजनक कार्रवाई नहीं होने पर किसान ने जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, काँकेर में परिवाद दायर किया।

मामले की सुनवाई के दौरान आयोग ने दोनों पक्षों की दलीलें और उपलब्ध दस्तावेजों का परीक्षण किया। आयोग ने पाया कि विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ता को गुणवत्तापूर्ण एवं पर्याप्त सेवा उपलब्ध कराने में लापरवाही बरती है, जो उपभोक्ता संरक्षण कानून के तहत सेवा में कमी की श्रेणी में आती है।

आयोग की अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुजाता जसवाल तथा सदस्य डाकेश्वर सोनी की पीठ ने 24 जून को सुनाए अपने आदेश में विद्युत वितरण कंपनी को किसान डेरहाराम को 2 लाख रुपये क्षतिपूर्ति, 10 हजार रुपये मानसिक पीड़ा और 5 हजार रुपये वाद व्यय के रूप में भुगतान करने का निर्देश दिया। साथ ही आदेश दिया गया कि पूरी राशि का भुगतान एक माह के भीतर 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित किया जाए। यदि निर्धारित समय सीमा में भुगतान नहीं किया जाता है तो कंपनी को 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से राशि अदा करनी होगी।

आयोग के इस फैसले को जिले में उपभोक्ता अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है। विधि विशेषज्ञों का कहना है कि यह फैसला उन उपभोक्ताओं के लिए भी प्रेरणादायक है, जो विभागीय लापरवाही से परेशान होने के बावजूद न्याय की लड़ाई लड़ने से हिचकिचाते हैं। वहीं किसानों और सामाजिक संगठनों ने भी आयोग के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे जवाबदेही तय करने वाला फैसला बताया है।

एनआईए में नई जिम्मेदारी पर सुंदरराज पी. का सम्मान

रोटरी क्लब ने 'ट्री मेन' सम्पत झा को किया सम्मानित

जगदलपुर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) में इंस्पेक्टर जनरल (आईजी) के महत्वपूर्ण दायित्व पर नियुक्ति के अवसर पर इंद्रावती बचाओ अभियान की ओर से वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सुंदरराज पी. का आत्मीय सम्मान किया गया। इस अवसर पर उन्हें विश्वप्रसिद्ध मियाजाकी आम, फलों की टोकरी एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ एवं सफल कार्यकाल की मंगलकामनाएँ दी गईं।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि बस्तर में अपने कार्यकाल के दौरान सुंदरराज पी. ने शांति स्थापना, नक्सल उन्मूलन, आंतरिक सुरक्षा तथा जनविश्वास को सुदृढ़ करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए। उनके दृढ़ नेतृत्व, अदम्य साहस और संवेदनशील कार्यशैली के कारण बस्तर ने सुरक्षा, विकास और स्थायी शांति की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ अर्जित की हैं।

सम्मान उपरांत इंद्रावती बचाओ अभियान के सदस्यों ने सुंदरराज पी. के साथ आईजी बंगले परिसर में विकसित हरित वाटिका का अवलोकन किया। उल्लेखनीय है कि लगभग तीन वर्ष पूर्व उनके सहयोग से वाटर एप्पल, लीची,

मलबेरी सहित विभिन्न फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया था। आज वे पौधे विकसित होकर एक सघन, सुंदर एवं जीवनदायी हरित वाटिका का स्वरूप ले चुके हैं, जो प्रकृति संरक्षण, सामूहिक सहभागिता और सतत संवर्धन का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

इन्हीं वृक्षों की शीतल छांव में अभियान के सदस्यों ने सुंदरराज पी. के साथ आत्मीय चर्चा की तथा स्मृति स्वरूप छायाचित्र भी लिए। यह अवसर बस्तर की हरित विरासत, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रसेवा के सुंदर संगम का अविस्मरणीय साक्ष्य बन गया। इस अवसर पर इंद्रावती बचाओ अभियान के सदस्य दशरथ कश्यप, ट्री मेन सम्पत झा, शिवनारायण चाडक, रोहित सिंह बैस, विवेक गुप्ता, सुनील खेडुलकर, टी.के. शर्मा, लक्ष्मी कश्यप, ज्योति गर्ग, सुनीता उमरवैश्य, जयश्री सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

इसी क्रम में पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले बस्तर के प्रसिद्ध पर्यावरण प्रेमी 'ट्री मेन' सम्पत झा का रोटरी क्लब द्वारा विशेष सम्मान किया गया। हाल ही में राज्यपाल के हाथों 'ट्री मेन' सम्मान प्राप्त करने की उपलब्धि पर आयोजित इस समारोह में उनके पर्यावरण संरक्षण संबंधी कार्यों की सराहना की गई।

समारोह में बस्तर के आईजी सुंदरराज पी. ने सम्पत झा को सम्मानित करते हुए कहा कि वृक्षारोपण, जनजागरूकता और हरित विकास के लिए उनका समर्पण समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी सकारात्मक संदेश छोड़ते हैं।

रोटरी क्लब के अध्यक्ष राहुल जैन, बी. जयराम, मनीष पारेख सहित क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्य समारोह में उपस्थित रहे। मंच संचालन अविनाश जैन ने किया। कार्यक्रम में सर्व समाज के गणमान्य नागरिकों, पर्यावरण प्रेमियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी भाग लेकर सम्पत झा को शुभकामनाएँ दीं।रोटरी क्लब ने विश्वास व्यक्त किया कि ट्री मेन सम्पत झा भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति संवर्धन के क्षेत्र में इसी प्रकार प्रेरणादायी कार्य करते रहेंगे तथा समाज को हरित, स्वच्छ और पर्यावरण-सुरक्षित भविष्य की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे।

बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई

चारामा। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत चारामा नगर के वार्ड क्रमांक नौ स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में जीरो से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। इस अभियान में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और स्वास्थ्य अमले ने अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। अभियान के दौरान नगर के वार्ड क्रमांक नौ के पार्षद संदीप मिश्रा, वार्ड क्रमांक 10 की पार्षद चंद्रिका देवांगन, वार्ड क्रमांक 13 व 14 की पार्षद मंजू सोनकर और पार्षद रानू सेन मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इन सभी जनप्रतिनिधियों ने उपस्थित होकर बच्चों को अपने हाथों से पल्स पोलियो की दवा पिलाई। इस अवसर पर उन्होंने केंद्र में आई माताओं और बच्चों से आत्मीय मुलाकात कर उनका हालचाल भी जाना और सभी वार्डवासियों से अपील की कि वे इस राष्ट्रीय अभियान में बढ़-चढ़कर अपना सहयोग प्रदान करें और पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को अनिवार्य रूप से दवा पिलाकर उन्हें इस सुरक्षा चक्र का लाभ दिलाएं। इस पूरे अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं का समर्पण व सहयोग बेहद सराहनीय रहा, जिसमें मुख्य रूप से एएनएम श्यामलला साहू, पंचकर्म से कुवांरिया टण्डन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नीतू कामडे व छाया देवांगन, मितानीन पुनिता सिन्हा और एम.टी. अनिता कुदंत शामिल रहीं। इन सभी स्वास्थ्य प्रहरियों के संयुक्त प्रयास से वार्ड के बच्चों को सुरक्षित करने का यह चरण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

देव स्नान पूर्णिमा पर भगवान जगन्नाथ के चरणों में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

- **108 कलशों के महाअभिषेक के साथ दंतेवाड़ा में गूंजा जय जगन्नाथ का जयघोष**

दंतेवाड़ा। भगवान जगन्नाथ महाप्रभु की देव स्नान पूर्णिमा के पावन अवसर पर दंतेवाड़ा में श्रद्धा, आस्था और सनातन परंपराओं के अनुरूप भव्य धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के बीच भगवान जगन्नाथ महाप्रभु का 108 पवित्र कलशों के जल से महाअभिषेक (देव स्नान) कराया गया। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान रहा और श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर भगवान के दर्शन एवं पूजन का पुण्य लाभ प्राप्त किया।

सनातन धर्म में देव स्नान पूर्णिमा का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा का पवित्र स्नान कराने से सुख, शांति, समृद्धि और मंगल की प्राप्ति होती है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए दंतेवाड़ा में भी श्रद्धापूर्वक देव स्नान महोत्सव आयोजित किया गया।

महाअभिषेक के उपरांत दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद स्वरूप अन्नभोज का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण कर धर्मलाभ प्राप्त किया और आयोजन समिति की व्यवस्थाओं की सराहना की। आयोजन समिति ने बताया कि दंतेवाड़ा में भगवान जगन्नाथ महाप्रभु की देव स्नान पूर्णिमा का यह आयोजन वर्ष 2021 से निरंतर किया जा रहा है। प्रत्येक वर्ष श्रद्धालुओं की बढ़ती सहभागिता इस धार्मिक आयोजन को क्षेत्र की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान के रूप में स्थापित कर रही है। पूरे आयोजन के दौरान जय जगन्नाथ महाप्रभु के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर नक्सलियों का हथियार कारखाना ध्वस्त

कांकेर। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर गढ़चिरौली जिले में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के एक हथियार निर्माण कारखाने का भंडाफोड़ किया है। गढ़चिरौली पुलिस और सीआरपीएफ ने संयुक्त अभियान चलाकर जंगल में छिपाकर रखे गए हथियार बनाने के सामान, हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद की। इसके बाद सुरक्षाबलों ने मौके पर ही सभी सामान को नष्ट कर दिया।

यह कार्रवाई 22 से 27 जून 2026 तक चलाए गए विशेष अभियान के दौरान की गई। 27 जून को गुप्त सूचना मिलने पर गढ़चिरौली पुलिस और सीआरपीएफ की टीम ने जंगल में जमीन के नीचे छिपाकर रखे गए नक्सलियों के हथियार बनाने के ठिकाने का पता लगाया। सुरक्षाबलों ने वहां से करीब 5 से 6 टन वजनी लेथ मशीन, 150 क्लैंप, अलग-अलग तरह के पाइप, 220 बोर पाइप, 20 लोहे की रॉड और हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाला अन्य सामान बरामद किया।

पुलिस के मुताबिक, नक्सली इस तरह की सामग्री को जंगल में छिपाकर रखते हैं और जरूरत पड़ने पर हथियार व विस्फोटक बनाने में इस्तेमाल करते हैं। यह सामान छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा के घने जंगल में छिपाकर रखा गया था। सुरक्षाबलों ने पूरे सामान को जब्त करने के बाद मौके पर ही नष्ट कर दिया।

नंदलाल ने बच्चों को पिलाई दो बूंद जिंदगी की खुराक

दंतेवाड़ा। जिले में पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से रविवार को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ उत्साहपूर्वक किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन जिला चिकित्सालय दंतेवाड़ा स्थित पोलियो बूथ में किया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुडामी ने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। इस अभियान के प्रथम दिवस जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित सभी पोलियो बूथों पर सुबह से ही बच्चों और उनके अभिभावकों की अच्छी-खासी उपस्थिति देखने को मिली। स्वास्थ्य विभाग द्वारा पूरी तैयारी के साथ अभियान का संचालन किया गया। बूथों पर तैनात स्वास्थ्य कर्मियों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाने के साथ-साथ अभिभावकों को नियमित टीकाकरण एवं पोलियो उन्मूलन के प्रति भी जागरूक किया।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. एस. मंडल ने बताया कि अभियान के पहले दिन जिले में कुल 329 पोलियो बूथ स्थापित किए गए, जिनके संचालन के लिए 745 अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी। पहले दिन जिले में हजारों बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई गई। अभियान के सफल संचालन के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमों के साथ मितानिनों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं अन्य सहयोगी विभागों की सक्रिय भागीदारी रही। उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य जिले के 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के प्रत्येक बच्चे तक पोलियो की दवा पहुंचाना है।

संसाधनों की कमी के बावजूद जारी है दूध नदी सफाई अभियान

कांकेर। उत्तर बस्तर की जीवनरेखा मानी जाने वाली दूध नदी को स्वच्छ बनाने के लिए समाजसेवी संस्था जन सहयोग का अभियान लगातार जारी है। रविवार सुबह संस्था के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने पुराने पुल के आसपास कई घंटों तक श्रमदान कर बड़ी मात्रा में कचरा हटाया। विशेष बात यह रही कि इस दौरान ट्रैक्टर, ट्रॉली या अन्य संसाधन उपलब्ध नहीं थे, फिर भी स्वयंसेवकों ने उत्साह के साथ सफाई अभियान चलाया।

अजय पप्पू मोटवानी ने बताया कि बारिश के दौरान नदी में जमा कचरा पानी के बहाव में बाधा बनता है, जिससे बाढ़ का पानी आसपास की बस्तियों में फैलने का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए मानसून के चरम पर पहुंचने से पहले अधिक से अधिक कचरा हटाने का प्रयास किया जा रहा है।

अभियान में धर्मेंद्र देव, डॉ. श्याम देव, शैलेंद्र देहारी, पप्पू साहू, अभिषेक सोनी, बहादुर निषाद और ऋतिक सोनी सहित कई युवाओं ने श्रमदान कर पुराने पुल के आसपास का क्षेत्र साफ किया। अभियान के समापन पर स्वयंसेवकों ने भारत माता की जय के नारे लगाए और लोगों से दूध नदी में कचरा नहीं फेंकने तथा स्वच्छता अभियान में सहयोग करने की अपील की। संस्था ने उम्मीद जताई कि मानसून के दौरान नदी का जल प्रवाह सुचारु रखने के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

जिला अस्पताल का बिजली गुल, 4 घंटे तक परेशान रहे मरीज

- **स्टाफ ने मोबाइल टॉर्च के सहारे काटीं पर्चियां, जनरेटर में डीजल नहीं होने का आरोप**

सुकमा। जिला अस्पताल में सोमवार सुबह बिजली गुल होने से मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। करीब 4 घंटे तक अस्पताल अंधेरा छाया रहा। इस दौरान इमरजेंसी वार्ड समेत महिला-पुरुष वार्डों में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

बिजली कटने के बाद अस्पताल प्रशासन की ओर से जनरेटर चालू नहीं किया गया। मजबूरी में अस्पताल स्टाफ ने मोबाइल फोन की टॉर्च और छोटी बैटरी लाइट के सहारे मरीजों की पर्चियां काटीं और इलाज किया। इमरजेंसी वार्ड में भी टॉर्च की रोशनी में उपचार जारी रहा।

11 बजे बहाल हुई बिजली, तब मिली मरीजों को राहत : करीब सुबह 11 बजे जनरेटर से बिजली आपूर्ति शुरू होने के बाद मरीजों और उनके रिश्तेदारों ने राहत की सांस ली। मरीजों और रिश्तेदारों ने अस्पताल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना है कि अस्पताल में जनरेटर मौजूद होने के बावजूद उसमें डीजल नहीं था। इसके कारण समय पर बिजली आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी। लोगों का आरोप है कि जिला अस्पताल में इस तरह की अनियमितताएं लगातार हो रही हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

सीएमएस से नहीं हो सका संपर्क : घटना के दौरान अस्पताल के मुख्य चिकित्सा और स्वास्थ्य अधीक्षक (सीएमएस) से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

एम्बुलेंस में मरीज नहीं, डीजल पहुंचा अस्पताल : अस्पताल में बिजली संकट के बीच एक एम्बुलेंस पहुंची, लेकिन उसमें कोई मरीज नहीं था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एम्बुलेंस से वार्ड बॉय डीजल के डिब्बे उतारते दिखाई दिए। इसके बाद जनरेटर चालू किया गया।

परिजनों ने उठाए अस्पताल प्रबंधन पर सवाल : मरीजों के परिजनों का कहना है कि जिला अस्पताल में अव्यवस्था, लापरवाही और अनियमितताएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। उनका आरोप है कि संबंधित अधिकारी समस्याओं के समाधान के बजाय उन्हें छिपाने में लगे रहते हैं।

चित्रकोट का नाइट टूरिज्म ठप

- **10 करोड़ की लागत से लगाई गई लेजर लाइट सालों बाद भी नहीं हो पाई शुरू**

जगदलपुर। विश्व प्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात में नाइट टूरिज्म को नई पहचान देने का सपना अब सवालों के घेरे में है। करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से लगाई गई लेजर लाइट वर्षों बाद भी शुरू नहीं हो सकी है। दो-तीन बार परीक्षण के बावजूद परियोजना आज तक नियमित संचालन में नहीं आ पाई।

बताया जा रहा है कि इसे लगाने वाले ठेकेदार ने सिस्टम किसी विभाग को आधिकारिक रूप से हैंडओवर ही नहीं किया। नतीजा यह है कि रखरखाव के अभाव में कई लाइटें और उपकरण गायब हो चुके हैं। लेजर शो में उपयोग होने वाली बैटरियां भी अब वहां मौजूद नहीं हैं। हैरानी की बात यह है कि परियोजना का कभी औपचारिक उद्घाटन तक नहीं हुआ।

आज पर्यटकों के स्वागत में खड़े पोल तो दिखाई देते हैं, लेकिन उन पर रोशनी नहीं जलती। पर्यटकों का कहना है कि यदि यह लेजर शो शुरू हो जाए तो चित्रकोट की खूबसूरती रात में भी देश-दुनिया के पर्यटकों को आकर्षित कर सकती है। स्थानीय लोगों का भी मानना है कि करोड़ों की यह परियोजना यूं ही बंद रहना सरकारी संसाधनों की बर्बादी है।

वहीं चित्रकोट विधायक विनायक गोयल ने मामले पर नाराजगी जताते हुए संबंधित विभाग से जानकारी लेकर स्थिति स्पष्ट कराने की बात कही है। अब बड़ा सवाल यही है कि आखिर करोड़ों की यह महत्वाकांक्षी योजना कब अंधेरे से निकलकर पर्यटकों के लिए रोशनी बिखेरेगी।

नारायणपुर में गोवंश वध के 12 आरोपी गिरफ्तार

नारायणपुर। जिले के बेनूर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मालिंगनार पटेलपारा में गोवंश वध के मामले में पुलिस ने सोमवार को 12 आरोपियों मंगलूराम सलाम, सिद्दू सलाम, मनकूर वड्डे, सुखमन करंगा, रामसिंग सलाम, इतवारु राम करंगा, मंगिया सलाम, सोमारू सलाम, मंगेल सलाम, मनकू वड्डे, सोमजी सलाम और सन्नू शामिल हैं। सभी ग्राम मालिंगनार पटेलपारा के निवासी को गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मालिंगनार पटेलपारा में कुछ लोग गोवंश का वध करने की सूचना मिली, सूचना पर थाना प्रभारी बेनूर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचने पर घटनास्थल पर 12 लोग गोवंश काटते मिले। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से गोवंश का कच्चा मांस, पका हुआ मांस, चार पैर, पूंछ के टुकड़े, खाल तथा घटना में प्रयुक्त एक टंगिया और दो धारदार छुरियां जब्त की हैं। बरामद सामग्री के आधार पर थाना बेनूर में छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम, 2004 की धारा 4, 5 और 10 के तहतअपराध दर्ज किया गया।

दलपत सागर की सफाई पर महापौर की नीति अस्पष्ट

नगर निगम का पैसा नहीं लगा,तो फिर किसका लगा जवाब दे : राजेश चौधरी

जगदलपुर। नगर पालिक निगम जगदलपुर के नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि महापौर दलपत सागर को लेकर जो बयान दे रहे हैं। उसमें दलपत सागर के प्रति उनकी जो नीति है वह स्पष्ट नहीं है। उन्होंने बताया कि दलपत सागर सफाई में नगर निगम का एक भी पैसा नहीं लगा है। परंतु कहीं ना कहीं यह बात हजम नहीं हो रही है क्योंकि हमें मालूम है कि दलपत सागर सफाई अभियान के दौरान जो वहां का इस्तेमाल किया गया। वह वाहन नगर निगम की है, जिसमें ऑयल,डीजल, पेट्रोल, वाहन चालक का खर्च नगर निगम द्वारा वहन किया गया। साथ ही साथ आम नागरिकों के सहयोग के साथ-साथ पूरे 48 वार्डो से एक-एक कर्मचारी एक महीने तक बुलाकर सफाई अभियान को चलाया गया। उन कर्मचारियों का भुगतान नगर पालिक निगम से ही हुआ है। चाहे वह प्लेसमेंट एजेंसी का कर्मचारी हो चाहे वह नगर निगम का रेगुलर कर्मचारी हो तो फिर महापौर का यह कहना कि नगर निगम का एक पैसा वहां खर्च नहीं हुआ है यह सरासर झूठ है।

यह बोला जा सकता है की नगर निगम के संसाधनों का उपयोग किया गया और उसमें लगभग इतना खर्च हुआ बाकी जन सहयोग से और किस-किस मद से खर्च हुआ यह भी महापौर को जनता के सामने रखना चाहिए! महापौर ने दलपत सागर को लेकर पहले सामान्य सभा में झूठ बोला आपने यह कहा की विड-हार्वेस्टिंग मशीन कार्य करने में सफल नहीं है। इसलिए आपकी देखरेख में अपने स्थानीय मैकेनिक से एक नया मशीन तैयार किया। जबकि उसे मेकेनिक के द्वारा भी यह बताया गया की वह नौका नुमा मशीन उन्होंने पहले से बना कर रखा था। बाद में उसमें एक जाली लगाया गया जो सिर्फ और सिर्फ जलकुंभी को धकेल कर किनारे लाने का काम कर रही है। यह मान भी ले कि यदि उस मशीन को आपने बनवाया है तो आज दिनांक तक वह मैकेनिक उस मशीन की कीमत के लिए क्यों भटक रहा है उसका भुगतान क्यों नहीं किया गया और पूरे 01 वर्ष से ज्यादा हो गए हैं ।

जनता को यह बताया गया की दलपत सागर के उन्नयन के लिए स्थानीय विधायक एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के द्वारा 9.88 करोड रुपए स्वीकृत कराए गए। उस पैसे से अब तक कौन-कौन से कार्य कराए गए यह तो महापौर जनता के सामने आज तक नहीं रखा। बल्कि अब महापौर का नया बयान आ रहा है कि 9.88 करोड रुपए से दलपत सागर के बाह्य क्षेत्र में विकास कार्य किए जाएंगे। वास्तविक रूप से देखा जाए तो वह बाह्य क्षेत्र में पाथवे नुमा सड़क बनाकर उन लोगों को महापौर के द्वारा पुनः लाभ पहुंचाने की कोशिश है जिन्हें बंड बनाकर पहले ही महापौर एवं विधायक के द्वारा लाभ पहुंचाया जा चुका है। यदि इस बात में सत्यता नहीं है तो महापौर को नगर निगम प्रशासन स्तर पर दलपत सागर क्षेत्र के राजस्व रिकार्ड में अंकित 1932 के रिकॉर्ड के अनुसार जांच करवा के उसके बाद दलपत सागर के उन्नयन का कार्य करवाना चाहिए परंतु महापौर के द्वारा ऐसा कतई नहीं किया जाएगा।

पर इस विज्ञप्ति के माध्यम से बहुत ही विनम्रता पूर्वक हमारे शहर के प्रथम नागरिक महापौर से आग्रह करता हूं ।

महापौर सहित भाजपा पार्षद दल ने दी शुभकामनाएं

- **महापौर संजय पांडे से आईजी सुंदरराज पी. को भेटं किया स्मृति चिन्ह**

जगदलपुर। नगर निगम भाजपा पार्षद दल ने महापौर संजय पांडे के नेतृत्व में आज आईजी बस्तर रेंज सुंदरराज पी. से सौजन्य मुलाकात कर उन्हें NIA में मिली नई जिम्मेदारी पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। साथ ही महापौर संजय पांडे से आईजी सुंदरराज पी. को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर महापौर संजय पांडे सहित भाजपा पार्षद दल ने उनके बस्तर में लंबे कार्यकाल के दौरान किए गए उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की एवं यादों को साझा करते हुए आत्मीय चर्चा की।

मन की बात के 135वें एपिसोड का सामूहिक श्रवण किया गया

जनधारा समाचार

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी भिलाई जिला के प्रभारी रामजी भारती एवं भाजपा जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन के मार्गदर्शन में वार्ड क्रमांक 18, बूथ क्रमांक 94 स्थित शिव मंदिर परिसर, कॉन्ट्रैक्ट कॉलोनी में रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 135वें एपिसोड का सामूहिक श्रवण आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व वार्ड 17 के पार्षद एवं निगम में नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा ने किया। इस अवसर पर लगभग 500 नागरिकों, भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने एक साथ कार्यक्रम का श्रवण कर प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी विचारों को आत्मसात किया।

कार्यक्रम में दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल, विधायक रिंकेश सेन, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भिलाई जिला प्रभारी रामजी भारती, भाजपा जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शिरीष अग्रवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष बृजेश बिचपुरी, निहारिका मिश्रा, प्रमोद सिंह, सांसद प्रतिनिधि महेश वर्मा, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष स्वीटी कौशिक, पूर्व महापौर निर्मला यादव, विजय जायसवाल, अजय भसीन, रश्मि सिंह, नितेश मिश्रा, शंकरलाल देवांगन, प्रवीण पाण्डेय, वीरेंद्र यादव, दीपक भोडेकर, सूर्या बघेल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वर्ण (सोना) की अनावश्यक खरीद में संयम बरतने, पुराने आभूषणों की रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देने तथा विवाह एवं सामाजिक आयोजनों में जागरूकता अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने पेट्रोलियम उत्पादों की बचत के लिए वाहनों के विवेकपूर्ण उपयोग तथा अनावश्यक विदेश यात्राओं से बचने का भी आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने महाराष्ट्र के नांदेड़ सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों के प्रेरणादायी उदाहरणों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना सहित केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित परिवारों की सफलता की कहानियाँ साझा कीं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, प्रकृति संरक्षण, खेल संस्कृति एवं वोकल फॉर लोकल अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुरक्षा, सहायता और विकास के अवसर पहुँचाना है।

इस अवसर पर सांसद विजय बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री का मन की बात कार्यक्रम देशवासियों से सीधा संवाद स्थापित करने का एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। यह कार्यक्रम समाज में सकारात्मक सोच, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण की भावना को नई ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने सभी नागरिकों से प्रधानमंत्री के संदेशों को अपने जीवन में अपनाकर विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी नागरिकों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के संदेशों को जन-जन तक पहुँचाने तथा राष्ट्रहित एवं समाजहित के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने का संकल्प लिया।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने बाल संरक्षण संस्थानों का किया निरीक्षण

बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा और पुनर्वास पर दिया विशेष जोर

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न संस्थानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शासकीय बालगृह, बाल खुला आश्रय गृह, सेवा भारती मातृछाया बोरसी, सम्प्रेक्षण गृह पुलगांव एवं प्लेस ऑफ सेफ्टी (बालक) का भ्रमण कर बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, भोजन एवं पुनर्वास संबंधी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को सभी संस्थानों में बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सबसे पहले कलेक्टर सिंह शासकीय बालगृह पहुंचे, जहां वर्तमान में 16 बच्चे निवासरत हैं। उन्होंने बच्चों से बातचीत कर उनकी दिनचर्या, पढ़ाई और खान-पान की जानकारी ली। बच्चों के शैक्षणिक स्तर का आकलन करने के लिए उन्होंने गणित के जोड़-घटाव से जुड़े प्रश्न भी पूछे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधीक्षक को निर्देशित किया कि प्रत्येक बच्चे का उसकी आयु के अनुरूप विद्यालय में प्रवेश कराया जाए तथा अध्ययन सामग्री एवं पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएं, ताकि बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो। उन्होंने बालगृह में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नियमित शैक्षणिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान देने को कहा।

इसके बाद कलेक्टर सिंह ने बाल खुला आश्रय गृह का निरीक्षण किया, जहां सात बच्चे रह रहे हैं। उन्होंने सभी बच्चों की नियमित काउंसिलिंग कराने और उनके पुनर्वास की दिशा में प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि सात में से पांच बच्चों को बिहार से एक ठेकेदार द्वारा फैक्ट्री में काम कराने के उद्देश्य से लाया गया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को संबंधित ठेकेदार एवं फैक्ट्री प्रबंधन के विरुद्ध बाल संरक्षण कानूनों के तहत तत्काल कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के क्रम में कलेक्टर सिंह सेवा भारती मातृछाया बोरसी भी पहुंचे। यहां उन्होंने नवजात एवं छोटे बच्चों की देखभाल की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। संस्थान में छह केयर टेकर बच्चों की देखरेख कर रहे हैं।

प्रधान पाठक मढ़रिया ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

जनधारा समाचार

भिलाई। शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त होते ही प्रधान पाठक बाल मुकुंद मढ़रिया ने राष्ट्रहित और जनकल्याण की भावना से प्रेरित होकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सदस्यता ग्रहण कर ली है। श्री मढ़रिया ने सोमवार, 29 जून 2026 को अपने शासकीय दायित्वों से मुक्त होने के तुरंत बाद दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद विजय बघेल के निवास कार्यालय पहुंचकर उनके सानिध्य में भाजपा का दामन थामा। सांसद विजय बघेल ने उन्हें भाजपा का गमछा पहनाकर और मिठाई खिलाकर पार्टी में उनका आत्मीय स्वागत किया।इस अवसर पर श्री मढ़रिया ने कहा कि शासकीय सेवा के दौरान उन्होंने हमेशा समाज की प्रगति के लिए काम किया है, लेकिन अब सेवानिवृत्ति के बाद वे राजनीति के माध्यम से जनसेवा के इस सिलसिले को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व, देश के विकास और सांसद विजय बघेल की सक्रिय कार्यशैली से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल होने का निर्णय लिया। उन्होंने विश्वास जताया कि पार्टी की विचारधारा पर चलते हुए वे क्षेत्र की जनता की समस्याओं के समाधान और संगठन की मजबूती के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।सांसद विजय बघेल ने श्री मढ़रिया के पार्टी में प्रवेश पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि एक शिक्षक और प्रधान पाठक के रूप में समाज को सही दिशा देने वाले प्रबुद्ध नागरिक का भाजपा में आना गौरव की बात है। और साथ ही रामचरित मानस कीवक्ताकरते है उनके लंबे प्रशासनिक और शैक्षणिक अनुभव का लाभ निश्चित रूप से भाजपा संगठन और क्षेत्र की जनता को मिलेगा। शिक्षक समाज का दर्पण होते हैं, और जब ऐसे अनुभवी लोग सक्रिय राजनीति में आते हैं, तो समाज सेवा के संकल्प को और अधिक बल मिलता है। इस दौरान स्थानीय भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता और श्री मढ़रिया के शुभचिंतक भारी संख्या में उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद से सुषमा स्वराज तक की भाषण शैली को जीवंत किया स्कूली बच्चों ने

बीएसपी स्कूल स्तरीय काव्य पाठ एवं संभाषण प्रतियोगिता का आयोजन सेक्टर-7 में

भिलाई। बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर 7 में शनिवार 27 जून को काव्य पाठ एवं संभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बी.एस.पी के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुति दी। विद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम के प्रारंभ में वरिष्ठ व्याख्याता लक्ष्मी नारायण दुबे ने स्वागत भाषण दिया। तत्पश्चात हिंदी काव्य पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-10 और भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 के विद्यार्थियों ने काव्य पाठ किया। काव्य पाठ के पश्चात संभाषण प्रतियोगिता में सीनियर सेकेंडरी स्कूल से 07 के छात्र आयुष्मान सिंह ने स्वामी विवेकानंद के शिकागो धर्म सम्मेलन के व्याख्यान का प्रस्तुतिकरण दिया। एक अन्य छात्र ने पूर्व सांसद सुषमा स्वराज के अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर संसद में दिए भाषण को उसी शैली में प्रस्तुत किया।

प्रतियोगिता के निर्णायकगणों में बीएसपी के उप महाप्रबंधक (रावघाट) एवं कवि व लेखक यशवंत कुमार साहू ने सभी प्रस्तुतियों की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने प्रस्तुतीकरण को और बेहतर करने प्रेरित किया। प्रतियोगिता के दूसरे निर्णायक लेखक व पत्रकार मुहम्मद जाकिर हुसैन ने विद्यार्थियों को समसामयिक घटनाक्रम और इतिहासबोध के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।

अंत में विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती उर्वशी साहू ने परिणामों की घोषणा की। जिसमें हिन्दी काव्य पाठ में प्रथम सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-10 से दिशा शुक्ला, द्वितीय भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 से आर्या पाण्डेय और तृतीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल सेक्टर-07 से डीबी द्राक्षा रही।

पहले दिन 81 प्रतिशत बच्चों को पिलाई गई पोलियो की खुराक

दुर्ग। राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान के पहले दिन दुर्ग जिले में उल्लेखनीय सफलता मिली। निर्धारित 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 81 प्रतिशत बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाया गया। अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पोटियाकला में जनप्रतिनिधियों और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ।

अभियान के दौरान दुर्ग, भिलाई, पाटन, धमधा और निकुम सहित जिलेभर के पोलियो बूथों पर जनप्रतिनिधियों ने बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाकर लोगों को जागरूक किया। जिला कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने पूरे जिले में अभियान की सतत निगरानी की।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. दिव्या श्रीवास्तव ने बताया कि पहले दिन पालकों में बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने के प्रति उत्साहजनक सहभागिता देखने को मिली। वहीं जिला अस्पताल दुर्ग में आज जन्मे 9 नवजात शिशुओं को भी जन्म के साथ ही पोलियो की खुराक दी गई। सेक्टर-9 बीएसपी अस्पताल एवं निजी नर्सिंग होम में जन्मे नवजातों को भी पोलियो ड्रॉप पिलाई गई।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव ग्लैड विकासखंड निकुम, जिला सर्विलेंस अधिकारी डॉ. सी.बी.एस. बंजारे विकासखंड पाटन क्षेत्र, जिला कार्यक्रम अधिकारी अभिषेक श्रीवास्तव ने विकासखंड धमधा एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं ने भ्रमण कर मॉनिटरिंग की। विकासखंड क्षेत्रों में खण्ड चिकित्सा अधिकारियों द्वारा डॉ. देवेन्द्र बेलचंदन विकासखंड निकुम, डॉ. बी आर कठौतिया पाटन एवं डॉ. रचना अग्रवाल ने धमधा, डॉ. पीयाम सिंह ने शहरी भिलाई, टाउनशिप क्षेत्र व डॉ. चुनारकर ने शहरी दुर्ग में भ्रमण कर मानिटरिंग की।

वरिष्ठ गीतकार भारतीय को सम्मानित किया अगासदिया परिवार ने

नव आगमन मासिक के जून अंक का हुआ विमोचन

भिलाई। हुडको स्थित अगासदिया परिवार ने वयोवृद्ध कवि मोहन भारतीय को स्मृति चिन्ह शाल देकर सम्मानित किया। अगासदिया परिवार के संयोजक डॉ. परदेशीराम वर्मा ने इस दौरान बताया कि देश भर में अपने गीतों के लिए चर्चित 88 वर्षीय प्रसिद्ध कवि मोहन भारतीय ने हमेशा भिलाई का गौरव बढ़ाया है। वे केन्द्रीय सिविल सेवा में सहायक निदेशक रहे और युवावस्था में मेकेनिकल इंजीनियर बनकर भिलाई आए। 1939 में आगरा में जन्में मोहन भारतीय आज भी साहित्य के क्षेत्र में सक्रिय है।

नव आगमन मासिक के सम्पादक डॉ. परदेशीराम वर्मा ने कहा कि हमारी पीढ़ी जब लिखने का अभ्यास कर रही थी, तब मोहन भारतीय स्थापित कवि के रूप में देश भर में चर्चित थे। वह दौर दानेश्वर शर्मा, रमाशंकर तिवारी डॉ. मनराखन लाल साहू रवि श्रीवास्तव और संतोष झांझी का दौर था जिसमें चमकते सितारे मोहन भारतीय थे। उन्होंने अपार यश प्राप्त किया।

उन्होंने बताया कि नव आगमन के जून अंक का विमोचन इस दौरान किया गया। इस अंक में कवि कमलेश चंद्राकर, शायर अब्दुल कलाम के साथ मोहन भारतीय एवं संपादक मंडल का विशेष सहयोग रहा। इस अंक में धमतरी के चर्चित कवि भगवती सेन एवं दुर्ग के पुरानी पीढ़ी के बहुत सम्मानित कवि और संपादक पतिराम साव सहित धमतरी के डूमन लाल ध्रुव, कमलेश चंद्राकर, हेमंत मढ़रिया की रचनाएं सम्मिलित है। राज्य सम्मान प्राप्त कृषि पंडित सुखराम वर्मा को भी अंक में याद किया गया है।

संपादकीय सहयोगी अब्दुल कलाम, महेश वर्मा, राजेन्द्र साहू, नीतीश वर्मा तथा महंत अंतराम समाजसेवी रामसेवक वर्मा और मोहन भारतीय का परिवार विमोचन समारोह में उपस्थित रहा। मैत्री नगर, भिलाई के भारतीय निवास में भावपूर्ण विमोचन समारोह के अवसर पर महंत अंतराम ने संत पवन दीवान का गीत लहर लहर लहरावय मोर महानदी के पानी सुनाया। मोहन भारतीय ने अपना प्रसिद्ध गीत 'अच्छा किया कि साथी तुमने' सुनाया। कमलेश चंद्राकर ने बालगीत तथा अब्दुल कलाम ने गजल का पाठ किया।

वरिष्ठ नागरिक एवं चिंतक राम सेवक वर्मा ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि मेरी उम्र भी चौरासी वर्ष की है। मैं भिलाई इस्पात संयंत्र से रिटायर हुआ। मैं पचास वर्षो से सरल सहज मोहन भारतीय के गीतों को सुनता रहा हूं। वे अद्भुत गीतकार और उदार समाजसेवी हैं। मोहन भारतीय के सुपुत्र नवीन जैन ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिन लेखकों को बचपन से हम सुनते-पढ़ते हुए बड़े हुए उनमें डॉ. परदेशीराम वर्मा का सतत संपर्क हमारे परिवार के साथ हैं। अब उस दौर के कुछ ही लेखक भिलाई में बचे हैं। अगासदिया परिवार के प्राप्ति आभार मानते हुए उन्होंने भिलाई की साहित्य बिरादरी को याद किया।

मेधावी बच्चों को सम्मानित करेगा 'इकरा'

भिलाई। अंचल के शिक्षा जगत से जुड़े लोगों के संगठन इकरा टीचर्स एसोसिएशन लगातार 16 वें वर्ष भी मेधावी बच्चों का सम्मान समारोह आयोजित करने जा रहा है। एसोसिएशन की ओर अजमतुल्लाह खान ने बताया कि वर्ष 2025 26 में दसवीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में 75फीसदी या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय के बच्चों का जुलाई में आयोजित भव्य समारोह में सम्मान किया जाएगा। इसके लिए अभिभावक अपने बच्चों के मार्कशीट की छाया प्रति के पीछे मोबाइल नंबर के साथ जामा मस्जिद सेक्टर 6 के इमाम व मुअज्जिन के पास अथवा भिलाई नगर मस्जिद ट्रस्ट के कार्यालय में 7 जुलाई तक जमा करवा सकते हैं।

योगदान देने वाले 42 कार्मिक 'शाबाश अवार्ड' से सम्मानित

प्रथम भिलाई स्टील हाफ मैराथन के सफल आयोजन

भिलाई। इस्पात संयंत्र द्वारा आयोजित प्रथम भिलाई स्टील हाफ मैराथन के सफल आयोजन में उल्लेखनीय योगदान देने वाले नॉन-वर्क्स एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग के कुल 42 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 'शाबाश अवार्ड' (श्रेणी-1) से सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार ने चयनित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की।

सम्मानित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का संबंध चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, संपर्क प्रशासन एवं जनसंपर्क, मानव संसाधन, ज्ञानार्जन एवं विकास, टाउन सर्विसेज तथा स्पोर्ट्स, कल्चर एंड सिविक एमेनिटीज विभागों से था। इन सभी ने प्रथम भिलाई स्टील हाफ मैराथन के सफल आयोजन में विभिन्न स्तरों पर महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन) जे. एन. ठाकुर ने आयोजन की सफलता में योगदान देने वाले सभी विभागों के समन्वित प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि टीम भावना, आपसी सहयोग एवं प्रभावी समन्वय के कारण ही इस आयोजन का सफल संचालन संभव हो सका। अपने संबोधन में कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि प्रथम भिलाई स्टील हाफ मैराथन का सफल आयोजन विभिन्न विभागों, श्रमिक संगठनों, ऑफिसर्स एसोसिएशन तथा सहयोगी एजेंसियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

बीएसपी को 'ज्ञानार्जन एवं विकास' की उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों के लिए प्रथम उपविजेता सम्मान

भिलाई। बीएसपी ने मैनेजमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एमटीआई), रांची द्वारा 23 से 25 जून तक आयोजित 'ज्ञान उत्सव : एचआर लर्निंग एंड डेवलपमेंट कॉन्क्लेव 2.0' में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 'बेस्ट प्रैक्टिसेज इन लर्निंग एंड डेवलपमेंट इन सेल' श्रेणी में प्रथम उपविजेता (फर्स्ट रनरअप) का सम्मान प्राप्त किया। इसके साथ ही बीएसपी को संगठनात्मक, विभागीय एवं व्यक्तिगत श्रेणियों में भी अनेक सम्मान प्राप्त हुए।

कॉन्क्लेव के उद्घाटन सत्र में भारत सरकार के क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी) की सदस्य (प्रशासन) डॉ. अल्का मित्तल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेल के निदेशक (कार्मिक) के.के. सिंह ने की। समापन समारोह में बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी प्रियरंजन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे तथा सेल के कार्यपालक निदेशक (एचआरडी) संजय धर की उपस्थिति में विभिन्न पुरस्कार प्रदान किए गए।

भिलाई इस्पात संयंत्र की ओर से 'बेस्ट इनोवेटिव प्रैक्टिसेज इन लर्निंग एंड डेवलपमेंट' का पुरस्कार महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास) संजीव कुमार श्रीवास्तव, उप महाप्रबंधक , सुश्री नीरजा शर्मा, उप प्रबंधक, सुश्री सुष्मिता पाटला तथा सहायक महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिन्हा ने प्राप्त किया।

व्यक्तिगत उपलब्धियों की श्रेणी में महाप्रबंधक प्रभारी संजीव कुमार श्रीवास्तव को 'हेड्स ऑफ ट्रेनिंग' श्रेणी में सम्मानित किया गया। उप महाप्रबंधक यशवंत जौहरी को आईजीओटी प्लेटफॉर्म के प्रभावी क्रियान्वयन एवं क्षमता विस्तार में योगदान के लिए सम्मान प्राप्त हुआ। वहीं सहायक प्रबंधक सुश्री शीबा थॉमस एवं सुश्री नवनीता चौहान को आईजीओटी मास्टर ट्रेनर के रूप में क्षमता निर्माण एवं डिजिटल लर्निंग को बढ़ावा देने हेतु सम्मानित किया गया।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में स्वच्छता के प्रति किया जागरुक

भिलाई। ज़िक्र-ए-शोहदा-ए-करबला मदरसा दारुल राहत आलिमा के द्वारा फरीद नगर में 9 दिवसीय तकरीर का आयोजन सीरते जहरा कॉन्फ्रेंस में किया गया। यहां खास तौर पर बिहार से आलिमा फ़ाज़िला चांदनी और अलिमा फ़ाज़िला नीलोफर ने करबला के शहीदों का बयान किया। तकरीर के दौरान फरीद नगर और आसपास की महिलाएं बड़ी तादाद में जुटी।

तकरीर के बाद सिटी हेल्थ केयर मेडिकल ने यहां निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। जहां प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर पूजा सिंह ने अपनी निशुल्क सेवाएं दी। डॉ पूजा ने शिविर में निशुल्क जांच करते हुए महिलाओं को सामान्य जांच और माहवारी व गर्भावस्था से जुड़ी जरूरी जानकारी भी दी। उन्होंने महिलाओं को खुद को स्वच्छ रखते हुए अपने घर-आंगन और मोहल्ले को भी साफ-सुथरा रखने की हिदायत दी। इस निशुल्क स्वास्थ्य शिविर संयोजक मोहम्मद सादिक ताजी ने बताया कि आगे भी यह सिलसिला अलग-अलग मौकों पर जारी रहेगा।

जलाराम लॉज में संचालित देह व्यापार का खुलासा हुआ

लॉज संचालक समेत तीन आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। शहर के इंदिरा मार्केट स्थित जलाराम लॉज में संचालित किए जा रहे कथित अनैतिक देह व्यापार का सिटी कोतवाली पुलिस और एसीसी की संयुक्त टीम ने खुलासा किया है। पुलिस ने रविवार को मुखबिर की सूचना पर योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी कर लॉज संचालक समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान दो पुरुष और तीन महिलाएं आपत्तिजनक स्थिति में मिले। मौके से करीब 20 हजार रुपए नकद, चार मोबाइल फोन, 80 कंडोम पैकेट और अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी जब्त की गई।

मुखबिर की सूचना पर हुई संयुक्त कार्रवाई

दुर्ग सीएसपी एवं आईपीएस हर्षित मेहर ने बताया कि 28 जून की शाम सूचना मिली थी कि इंदिरा मार्केट स्थित जलाराम लॉज में अनैतिक देह व्यापार संचालित किया जा रहा है। सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली थाना और एसीसी की संयुक्त टीम ने रणनीति बनाकर लॉज में दबिश दी। छापेमारी के दौरान लॉज के अलग-अलग कमरों में दो पुरुष और तीन महिलाएं आपत्तिजनक स्थिति में मिलीं, जबकि लॉज संचालक भी मौके पर मौजूद था।

पीटा एक्ट के तहत मामला दर्ज: पुलिस ने मामले में पीटा एक्ट (अनैतिक देह व्यापार निवारण अधिनियम) की धारा 3, 4, 5 और 7 के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने विजय गुजराती ,नारायण देशमुख ,तमाशा कुमार साहू को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में अवैध आर्थिक लाभ कमाने के उद्देश्य से देह व्यापार संचालित किए जाने की पुष्टि हुई है।

ये सामान हुआ जब्त

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने लॉज से करीब 20 हजार रुपए नकद, 4 मोबाइल फोन, 80 कंडोम पैकेट तथा देह व्यापार से जुड़ी अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है।

GST रजिस्ट्रेशन नम्बर बनवाएं मात्र 3 दिन में
5 साल पुरानी ITR फाइल बनवाएं मात्र 5000/- में
(व्हाट्सएप पर बनवाएं)
www.onlytds.com
GST-Return
प्रोजेक्ट रिपोर्ट
TDS रिफंड
CMA DATA
MSME रजिस्ट्रेशन
Food लाइसेंस
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

जीवन का सफर और अंतिम पड़ाव का अकेलापन

संपादकीय

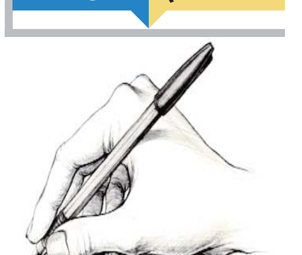

कभी भारतीय समाज में विवाह को केवल सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि जीवन भर का साथ माना जाता था। पति या पत्नी के चले जाने के बाद शेष जीवन यादों के सहारे बिताना अच्छे संस्कार माना जाता था। दूसरी शादी को संदेह और आलोचना की दृष्टि से देखा जाता था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह सोच तेजी से बदली है। समाज यह स्वीकार करने लगा है कि मनुष्य केवल रोटी, दवा और आर्थिक सुरक्षा से नहीं जीता। उसे एक ऐसे साथी की जरूरत होती है जिसके सामने वह बिना संकोच अपने मन की बातें कह सके।

यह अकेलापन केवल समय काटने का प्रश्न नहीं है। यह मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और जीवन की गुणवत्ता का प्रश्न है। घर में सारी सुविधाएं हो सकती हैं। नौकर खाना बना सकता है। दवा समय पर मिल सकती है। बच्चे आर्थिक जिम्मेदारियां निभा सकते हैं, लेकिन कोई भी व्यवस्था उस व्यक्ति की जगह नहीं ले सकती जो बिना किसी औपचारिकता के पूछे कि आज तुम्हारा मन कैसा है। आज अकेला व्यक्ति बात करने के लिए तरस जाता है। परिवारों का स्वरूप बदल गया है। बच्चे पहले की तुलना में अधिक जिम्मेदार हैं। वे माता पिता के इलाज, दवाइयों, आराम और सुविधाओं का पूरा ध्यान रखते हैं। उनके प्रति अपने कर्तव्य निभाने में कोई कमी नहीं छोड़ते। समस्या कहीं और है। उनके पास समय नहीं है। वे अपने व्यस्त जीवन से भावनाओं के लिए जगह निकाल नहीं पाते। परिणाम यह होता है कि घर में सब कुछ होते हुए भी बुजुर्ग भीतर से अकेले होते जाते हैं और इन सब बातों के लिए बच्चों को यानी नई पीढ़ी को भी दोष नहीं दिया जा सकता है। उन्होंने जिस माहौल में आंखें खोली हैं, जिस माहौल में पले-बड़े हुए हैं वह पश्चिम की आधुनिकता का दिया हुआ माहौल है। अब वह उनके स्वभाव का नहीं संस्कार का हिस्सा हो गए हैं। वह उसे स्वाभाविक मानते हैं। उससे बाहर आने के लिए जिद करना जैसे उनकी आत्मा को बदलने की बात हो। आज की पीढ़ी के मन में बड़े बुजुर्गों के लिए अपमान या अवहेलना नहीं है। वे परिवार के बड़े बुजुर्गों का, बीमार व्यक्तियों का बहुत ध्यान रखते हैं। यह पीढ़ी बहुत केयरिंग है। फिर भी वह अपने निजी समय में से समय निकालकर नहीं देते हैं। घर के बूढ़े व्यक्तियों या मां-बाप की सेवा के प्रति बच्चे बहुत पाबंद रहते हैं, लेकिन उनसे अब यह उम्मीद नहीं की जाती है कि वह बूढ़े मां-बाप के पास बैठकर उनसे बातें करें या उनका समय काटने में मदद करें। आज की पीढ़ी के कर्तव्य और उनका कर्तव्य पूरे करने की इच्छा ऊर्जा पहले से कहीं ज्यादा है, लेकिन वह अपने समय की कटौती नहीं करना चाहते हैं यानी कर्तव्य के मामले में बहुत आगे हैं, लेकिन भावनात्मक रूप से कम हैं। एक निर्मम सी लगने वाली व्यावहारिकता को भावुकता में नहीं बदलना चाहते हैं।

दरअसल मनुष्य का सबसे बड़ा संकट संवाद का समाप्त हो जाना है। दिनभर घर में रहने वाले अनेक बुजुर्ग किसी से दो बातें करने के लिए तरस जाते हैं। कई लोग अलेक्सा से बातें करते हैं, केवल इसलिए कि उन्हें किसी आवाज का साथ मिल सके। यह तकनीक की सफलता कम और समाज की विफलता अधिक है। विदेश में इस समस्या को बहुत पहले पहचान लिया गया। वहां ऐसे किराए के लोग उपलब्ध हैं, जो कुछ घंटों या पूरे दिन के लिए साथ निभाने का काम करते हैं। वे बुजुर्गों के साथ बैठते हैं, बातें करते हैं, चाय पीते हैं, अखबार पढ़ते हैं, टहलते हैं और जीवन के अनुभव साझा करते हैं। यह सेवा केवल देखभाल नहीं, बल्कि भावनात्मक सहचर्य का माध्यम बन गई है।

किराए पर आने वाला व्यक्ति का काम चाय बनाना या अखबार पढ़ कर सुनना भी भावनात्मक जुड़ाव का हिस्सा है। वह व्यक्ति अपनी भावनाएँ बेचने आया है, जिसने उसे किराए से बुलाया है। वह जानता है, लेकिन उसके लिए बिताया जा रहा समय महत्वपूर्ण है। अकेलापान को दूर करना जरूरी है। इससे स्पष्ट होता है कि मनुष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता संवाद और अपनापन है।

भारत भी अब इसी दिशा में बढ़ रहा है। विधुर और विधवा विवाह को लेकर समाज का नजरिया पहले की तुलना में काफी बदला है। महानगरों में तो यह लगभग सामान्य बात हो चुकी है। छोटे शहरों और गांवों में अभी भी कुछ संकोच और सामाजिक विरोध है, लेकिन बदलाव वहां भी पहुंच रहा है। लोग समझने लगे हैं कि अकेलापन भी एक गंभीर बीमारी की तरह होता है, जिसका इलाज केवल दवाइयों से संभव नहीं है।

हाल ही में फिल्म और टेलीविजन अभिनेत्री सुहासिनी मूले ने साठ वर्ष की आयु में भौतिक विज्ञानी अतुल गुर्टू से विवाह किया। दोनों की मुलाकात फेसबुक पर हुई और कुछ ही महीनों में उन्होंने जीवनभर साथ बिताने का निर्णय लिया। अतुल गुर्टू की पहली पत्नी का कैंसर से निधन हो चुका था। यह विवाह केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं था, बल्कि उस बदलती सामाजिक सोच का प्रतीक भी था, जो यह स्वीकार करती है कि जीवन के किसी भी पड़ाव पर साथी की आवश्यकता खत्म नहीं होती है। ऐसे उदाहरण केवल भारत तक सीमित नहीं हैं। दुनिया भर में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सामुदायिक जीवन, सहजीवन और पुनर्विवाह की स्वीकृति बढ़ी है। इसका कारण भी स्पष्ट है। बढ़ती आयु के साथ मनुष्य की सबसे बड़ी जरूरत ऐसे व्यक्ति की होती है जो उसकी बात सुन सके, उसकी चुप्पी समझ सके और उसके जीवन के छोटे छोटे क्षणों का सहभागी बन सके।

यह भी समझना होगा कि दैहिक संबंध मनुष्य की जरूरतों का केवल एक छोटा सा हिस्सा हैं। उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण आत्मीयता, विश्वास और मानसिक निकटता है। जीवन के अनेक अनुभव ऐसे होते हैं जिन्हें व्यक्ति अपने बच्चों से भी साझा नहीं कर पाता। उसे अपने समवयस्क साथी की आवश्यकता महसूस होती है। यही संबंध जीवन में फिर से उत्साह और अर्थ भर देते हैं। समाज को अब पुनर्विवाह या नए साथी की तलाश को नैतिकता के पुराने पैमानों से नहीं आंकना चाहिए। यदि दो वयस्क अपनी इच्छा से सम्मानपूर्वक साथ रहना चाहते हैं तो यह उनका निजी निर्णय है। इसे संदेह या उपहास का विषय बनाने के बजाय संवेदनशीलता से देखने की जरूरत है।

सभ्यता की पहचान केवल ऊंची इमारतों, आधुनिक तकनीक या आर्थिक समृद्धि से नहीं होती। उसकी असली पहचान इस बात से होती है कि वह अपने अकेले लोगों के लिए कितना स्थान बचाकर रखती है। आखिरकार मनुष्य को सबसे अधिक जरूरत किसी ऐसे कंधे की होती है, जिस पर वह अपना मन रख सके, क्योंकि जीवन केवल जीने का नहीं, किसी के साथ जीने का नाम है।

अयोध्या के आसपास

–जयप्रकाश मानस

पिछले दिनों अयोध्या के राम मंदिर से जुड़ी घटनाओं पर अनेक प्रकार की प्रतिक्रियाएँ सामने आईं–समर्थन, विरोध, आरोप, प्रत्यारोप और तात्कालिक टिप्पणियाँ। कवि-कथाकारजयप्रकाश मानसने इन घटनाओं को किसी राजनीतिक या वैचारिक निष्कर्ष की तरह नहीं, बल्कि मनुष्य, आस्था, सत्ता, बाज़ार और नैतिकता के बीच घटित होते जीवन के रूप में देखने का प्रयास किया है।

इन 10 लघुकथाओं में न कोई राम का पक्षधर है, न विरोधी। वे केवल उन पगडंडियों पर खड़ी हैं, जहाँ राम के नाम पर चलते हुए तरह-तरह के मनुष्य दिखाई देते हैं–श्रद्धालु, दुकानदार, नेता, कर्मचारी, शिल्पकार, पत्रकार, बूढ़ी औरत, मज़दूर...। यहाँ प्रश्न मंदिर का नहीं, उन हाथों का है जो उसे छूते हैं; उन आँखों का है जो उसे देखते हैं; और उन इरादों का है जो उसके आसपास अपना संसार रचते हैं।

साहित्य का दायित्व निर्णय सुनाना नहीं, समय के चेहरे पर उभरती महीन रेखाओं को पहचानना है। यदि इन लघुकथाओं को पढ़ते हुए पाठक किसी और से पहले अपने हीविश्वास, अपने ही मौन और अपनी ही भूमिका पर ठहरकर विचार करे, तो यही इन कथाओं का सबसे बड़ा प्रतिफल होगा।

मन्नत की गठरी: बस्ती के एक छोटे-से गाँव से बुधिया अपनी मन्नत की गठरी लेकर अयोध्या पहुँची थी। झोले में सवा किलो चने की दाल, थोड़ी-सी मिसरी और पाँच रुपये के दस सिक्के थे। बीमार नातिन के बच जाने पर उसने रामजी से यही वचन किया था। सरयू घाट की सीढ़ियों पर बैठकर वह कुछ देर सुस्ता रही थी। पास बैठे दो यात्री बतिया रहे थे। 'सुना तुमने?' 'क्या?' 'मंदिर के चढ़ावे में भी हाथ साफ़ हो गया।' 'भगवान के घर में?' 'भगवान के घर में नहीं... भगवान के नाम पर। कहते हैं, अपने ही लोग थे।' बुधिया ने अनायास अपना झोला सीने से चिपका लिया।मंदिर पहुँची तो बैरिकेड थे, सुरक्षा-कर्मी थे, कैमरे थे।उसने झोले से पोटली निकाली।क्षण-भर दान-पेटी को देखा। फिर सीढ़ियों पर बैठे एक अंधे भिखारी के कटोरे में सारे सिक्के उँडेल दिए। पास खड़े युवक ने पूछा– 'माई, मन्नत नहीं चढ़ाओगी?' बुधिया ने गर्भगृह की ओर हाथ जोड़ते हुए कहा–'रामजी तक तो पहुँच जाती बेटा... बीच के हाथों पर अब भरोसा नहीं रहा।' वह लौट गई।पीछे मंदिर की घंटियाँ बज रही थीं।कटोरे में पड़े सिक्के भी खनक रहे थे। उस दिन पहली बार, दोनों आवाज़ें अलग-अलग सुनाई दे रही थीं।

मूरत का भार: रात गहरा चुकी थी।सरयू किनारे बन रही धर्मशाला के गर्भगृह में बूढ़ा शिल्पकार माधव और उसका शागिर्द दसरू राम की मूरत तराश रहे थे। छैनी और हथौड़ी की लय अँधेरे में धीमे-धीमे गूँज रही थी।

कुछ देर बाद दसरू बोला–'काका, सुना है मंदिर के चढ़ावे में बड़ी हेराफेरी हुई है। लोग कह रहे हैं, भगवान तक को नहीं छोड़ा।' माधव ने हथौड़ी रोक दी।पत्थर पर जमी धूल को हथेली से सहलाया, फिर शांत स्वर में पूछा–'भगवान को कौन चुरा सकता है, बेटा?'

दसरू निरुत्तर रह गया। माधव ने स्वयं ही कहा–'जिसे चुराया गया, वह भगवान नहीं था।' कुछ देर दोनों चुपचाप काम करते रहे।फिर माधव ने राम की आँखों पर छैनी की अंतिम चोट रखते हुए कहा–'याद रखना, मूरत पत्थर से नहीं, चढ़ावे से भारी होती है।' अंतिम चोट पड़ी।राम की आँखें खुल गईं। दोनों कारीगरों ने एक साथ अपनी-अपनी आँखें झुका लीं।

बँटवारा: धूप ढल रही थी। महुआ के पेड़ की छाँव धीरे-धीरेधरमूके ओसारे तक चली आई थी। धरमू बाँस की टोकरी बुन रहा था। सामनेहेतरामहथेली पर खैनी मल रहा था। हेतराम बोला,'सुनेव धरमू? अयोध्या में रामजी के नाम पर चढ़ावा-दान में बड़ी हेराफेरी हो गई।' धरमू ने बाँस की पतली कमाची मोड़ी। 'सुने हँ।' 'अचरज नई लागिस? रामजी के घर मं घलो चोर घुस गइन!' धरमू मुस्कराया। 'हेतराम, तैं रामजी के घर कहाँ मानथस?' 'अरे... मंदिर ल।' 'मंदिर होही... घर नई।' हेतराम कुछ देर चुप रहा। धरमू ने ओसारे के कोने में रखी पुरानीरामचरितमानसकी ओर देखा। फिर कहने लगा, 'राम जब बनवासी रहिन, तब उनकर घर मं का रहिस?'

'कुछो नई।' 'त फेर चोर का ले जातिस?' हेतराम ने खैनी मुँह में दबा ली। 'त जऊन गीस...' '...वो राम के नई रहिस।' दोनों चुप हो गए। महुआ का एक सूखा पत्ता सामने रखी पानी की थाली में आ गिरा।लहरें थमती रहीं। हेतराम उस पत्ते को देखता रहा।फिर बहुत धीरे से बोला–'धरमू... लगथे, हमन राम ल छोड़के उनकर घर के रखवइया होगेन।'

स्याही: सुबह का अख़बार खुला था।पहले पन्ने पर खबर थी–मंदिर ट्रस्ट में करोड़ों की हेराफेरी। नीचे एक तस्वीर थीएक बूढ़ी औरत, दोनों हथेलियाँ जोड़कर दानपेटी में पाँच रुपये डाल रही थी। अनादि बाबू देर तक उसी तस्वीर को देखते रहे। दोपहर में प्रकाशक आया। 'यही समय है। इस घोटाले पर आपकी किताब हाथों-हाथ बिकेगी।'अनादि बाबू ने कोई उत्तर नहीं दिया। उन्होंने कलम खोली।स्याही भरी।कोरा काग़ज़ सामने रखा।बहुत देर तक बैठे रहे। फिर अख़बार की उस तस्वीर को सावधानी से काटकर काग़ज़ पर चिपका दिया। नीचे केवल एक पंक्ति लिखी–'राशि पाँच रुपये। चोरी–अमूल्य।'

सरयू का पानी, रात गहरा चुकी थी। राम और लक्ष्मण चुपचाप सरयू के घाट पर खड़े थे। लक्ष्मण का चेहरा क्रोध से भरा था। 'भैया! आपके नाम पर चढ़ाया गया धन लूटा जा रहा है। आपकी ज़मीन तक सौदों में बाँटी जा रही है। आप मौन क्यों हैं?' राम ने उत्तर नहीं दिया। उन्होंने सरयू का जल अंजलि में भरकर देखा। फिर धीरे से उसे वापस नदी में छोड़ दिया। 'लखन,' उन्होंने कहा, 'जिसे चुराया जा सके, वह मेरा था ही कब?' लक्ष्मण चुप रहे। राम ने घाट की सीढ़ियों पर बैठी एक बूढ़ी स्त्री की ओर संकेत किया। वह अपनी गठरी से दो सिक्के निकालकर दोनों हथेलियों से जोड़ रही थी। राम मुस्कराए। 'उसे देखो।' 'उसका धन?' 'नहीं।' 'उसका भरोसा।' सरयू बहती रही।

फ़्रेम: रात नौ बजे का प्राइम-टाइम शुरू होने वाला था।एंकर ने कोट का बटन लगाया। मेकअप आर्टिस्ट ने चेहरे पर आख़िरी बार ब्रश फेरा। स्क्रीन पर शीर्षक उभरा–'अयोध्या : साज़िश या सच?'

उसी समय एक युवा संवाददाता चुपचाप एक फ़ाइल उसकी मेज़ पर रख गया। 'सर, अभी ब्यूरो से आई है। सारे दस्तावेज़ असली हैं।' एंकर ने फ़ाइल खोली। पहले पन्ने पर ट्रस्ट के वित्तीय दस्तावेज़ थे।आख़िरी पन्ने पर चैनल के मालिक के हस्ताक्षर।एक पल के लिए उसके चेहरे का रंग उड़ा।अगले ही क्षण उसने फ़ाइल बंद की, उसे मेज़ की दराज़ में सरका दिया और स्क्रिप्ट सामने रख ली।

कैमरे की लाल बत्ती जल उठी।वह मुस्कराया–'नमस्कार! आज हम उस झूठ का पर्दाफाश करेंगे, जो देश के विरुद्ध रचा गया है...'आधा घंटा बीत गया। स्क्रिप्ट प्रसारित हो गई।फ़ाइल अप्रसारित रह गई।

मुद्दा: सुबह मंदिर ट्रस्ट में चढ़ावे की हेराफेरी की ख़बर फैली तो दोपहर तक विपक्षी दल के कार्यालय में प्रेस कॉन्फ़्रेंस की तैयारी शुरू हो गई।

मीडिया प्रभारी बयान पढ़ रहा था–'यह करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था पर आघात है...' 'नहीं,' वरिष्ठ नेता ने टोका, 'लिखो–'गरीब श्रद्धालुओं की आस्था'। बात ज़्यादा असर करेगी।' बयान तैयार हुआ। कैमरे आए। माइक आगे बढ़े।चेहरों पर दुख उतर आया। प्रेस कॉन्फ़्रेंस समाप्त हुई।नेता बाहर निकले। सीढ़ियों पर एक बूढ़ा कार्यकर्ता सुबह से अपनी पेंशन की फ़ाइल लिए बैठा था।उन्हें देखते ही उठा–'साहब... दो मिनट...' नेता ने चलते-चलते कहा–'अभी नहीं... बहुत ज़रूरी मीटिंग है।' गाड़ियाँ निकल गईं। बूढ़ा देर तक सड़क पर बैठा धूल उड़ती देखता रहा।फिर अपनी फ़ाइल समेटते हुए धीरे से बोला–'लगता है, मेरा दुख चुनाव नहीं लड़ता।'

बीच का रास्ता: मंदिर ट्रस्ट में चढ़ावे की हेराफेरी की ख़बर पर विपक्षी दल के दफ़्तर में बयान तैयार हो रहा था।

मीडिया प्रभारी ने मसौदा पढ़ा।एक नेता ने सिर हिलाया।दूसरा बोला–'भाषा ऐसी हो कि हमारी अपनी धर्मनिरपेक्ष छवि भी बची रहे और बहुसंख्यक वोटर भी हमसे न बिदके। बीच का रास्ता निकालो भाई।'

कमरे में शब्द तराशे जाने लगे। 'आस्था' और 'भ्रष्टाचार' के बीच संतुलन बैठाया जाने लगा। 'श्रद्धालु' और 'संविधान' एक ही वाक्य में फिट किए गए।बयान तैयार हो गया।

उसी समय बाहर से एक बूढ़ा आदमी भीतर आया।उसने दोनों हाथ जोड़ दिए - 'साहब... मेरा बेटा उसी मंदिर में मज़दूरी करता था। महीनों से मज़दूरी नहीं मिली। बस इतना बता दीजिए... मैं उसके लिए न्याय माँगूँ या वोट?'

कमरे में अचानक सन्नाटा उतर आया।

वरिष्ठ नेता ने धीरे से मसौदा उठाया...और शायद पहली बार उसे लगा–बीच का रास्ता केवल शब्दों में होता है, दुख हमेशा एक ही तरफ़ खड़ा मिलता है।

धुआँ: चौपाल पर टेलीविज़न बंद हो चुका था।सब लोग उसी ख़बर पर बात कर रहे थे। 'सुना? मंदिर के चढ़ावे में बड़ी गड़बड़ी निकली है।' 'हाँ, पर नेता जी कह रहे थे–यह सब श्रद्धा तोड़ने की साज़िश है।' इतने में ब्लॉक से आए पार्टी के एक कार्यकर्ता ने मोटरसाइकिल खड़ी की।

'देखो भाइयों,' उसने समझाना शुरू किया, 'इस समय कोई सवाल नहीं करेगा। पहले मंदिर बचाइए। दुश्मन यही चाहता है कि हम आपस में लड़ें।' एक बूढ़े किसान ने पूछा–'मंदिर किससे बचाना है?' 'जो सवाल उठा रहे हैं, उनसे।' बूढ़ा कुछ देर सोचता रहा।फिर बोला–'चोर से नहीं?' कार्यकर्ता मुस्करा दिया - 'राजनीति इतनी सीधी नहीं होती काका।'बूढ़े ने अपनी लाठी उठाई। 'हम तो खेत के आदमी हैं बेटा। हमारे यहाँ चोरी हो जाए तो पहले चोर पकड़ा जाता है... मेड़ नहीं बचाई जाती।'

हिसाब: हनुमानगढ़ी और मंदिर के बीच मेरी छोटी-सी दुकान है।अगरबत्ती, चंदन, चुनरी,नारियल, रामनामी, माला... यही बेचता हूँ। उस सुबह दुकान खुलते ही ग्राहक कम और ख़बर ज़्यादा आई। 'सुना? चढ़ावे में बड़ा खेल हो गया।'

'अंदर वालों का ही हाथ बताया जा रहा है।' मैं चुपचाप नारियल पर रोली लगा रहा था।थोड़ी देर बाद सामने वाली दुकान के लल्लन ने कहा–'अब देखना, भीड़ कम हो जाएगी।' मैंने सिर उठाकर मंदिर की ओर देखा।भीड़ पहले जैसी ही थी। इतने में एक बूढ़ी औरत आई।दस रुपये की अगरबत्ती खरीदी।बीस रुपये का प्रसाद।फिर बोली–'बाबू, दान-पेटी कहाँ है?'

मैंने उधर इशारा कर दिया। लल्लन मेरी ओर देखकर हँसा–'लोग सुधरेंगे नहीं।'मैंने कहा–'सुधरने कौन आया है?' 'मतलब?' 'जिसका भरोसा है, वह भगवान को देता है।' 'और जो बीच में...' मैंने उसकी बात पूरी नहीं होने दी।धीरे से कहा–'धर्म से बड़ा बाज़ार कोई नहीं होता, लल्लन... इसलिए भगवान से ज़्यादा ईमानदार उसका ग्राहक होना पड़ता है।' लल्लन देर तक दान-पेटी की ओर देखता रहा।उसमें सिक्कों की आवाज़ लगातार आती रही।

कविता संसार

प्रफुल्लित किसान

नरेश कुमार दुबे

बादल के गरजने से जाग उठते किसान के अरमान,
बिजली के चमकने से, दिलों में छा जाती मुस्कान।
काले घने बादलों से, मुरझाए फूलों में आती जान,
आसमानों में गिरते बूंदों से प्रफुल्लित हुआ किसान।

वर्षों की प्रतीक्षा का घड़ी खत्म हुआ आज,
वर्षा के आगमन होते ही खेती का करते आगाज।
हल नागल खेती जुटाई बुवाई चलेगा कामकाज,
फसल पकने के बाद भगवान को अन्न का
पहनाते सरताज।

एक किसान का जीवन कृषि एकमात्र आधार,
कृषि के लिए भगवान इंद्र किसान का कर्णधार।
किसान का घर परिवार कृषि ही जीवन का संसार,
किसान का दुख दर्द कोई नहीं सुनता उनकी पुकार।

वर्षा के आने का सभी किसान भाइयों का रहता आस,
खेती किसानी से खुशियों का समावेश का हर्ष उल्लास।
अच्छी बारिश अच्छी फसल से किसान मन में
भरता मिठास,
किसान और वर्षा देवता इंद्र आस्था का रहता
अटूट विश्वास।

किसान करता खेतों में कृषि धरती में आई हरियाली,
सर्दी गर्मी वर्षा संघर्ष से उठाती जीवन की कठिनाई।
अपनी तप मेहनत लगन करके अच्छी फसल उगाई,
अच्छी फसल पाकर किसान के घर में आई खुशहाली।

स्वस्थ मिट्टी, समृद्ध फसल: जैविक खाद और कम्पोस्टिंग के लिए आवश्यक मार्गदर्शिका

–डॉ विजय गर्ग

किसी भी कृषि व्यवस्था की सफलता का आधार स्वस्थ मिट्टी होती है। मिट्टी केवल पौधों को सहारा देने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह पोषक तत्वों, जल, सूक्ष्मजीवों और जैव विविधता का भंडार भी है। पिछले कुछ दशकों में रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग ने उत्पादन तो बढ़ाया, लेकिन मिट्टी की प्राकृतिक उर्वरता, जैविक कार्बन और सूक्ष्मजीवों की संख्या में गिरावट भी आई है। ऐसे समय में जैविक खाद और कम्पोस्टिंग एक टिकाऊ एवं पर्यावरण-अनुकूल विकल्प के रूप में उभरकर सामने आए हैं।

जैविक खाद न केवल पौधों को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करती है, बल्कि मिट्टी की संरचना, जल धारण क्षमता और जैविक गतिविधियों को भी बेहतर बनाती है। कम्पोस्टिंग की प्रक्रिया घरेलू और कृषि अपशिष्ट को उपयोगी संसाधन में बदलकर पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देती है। स्वस्थ मिट्टी और समृद्ध फसल के लिए जैविक खाद और कम्पोस्टिंग की समझ आज की आवश्यकता बन चुकी है।

जैविक खाद क्या है?: जैविक खाद उन प्राकृतिक पदार्थों को कहा जाता है जो पौधों, पशुओं या अन्य जैविक स्रोतों से प्राप्त होते हैं और मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के लिए उपयोग किए जाते हैं। ये खाद धीरे-धीरे पोषक तत्व छोड़ती हैं, जिससे पौधों को लंबे समय तक संतुलित पोषण मिलता रहता है।

जैविक खाद में नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश, कैल्शियम, मैग्नीशियम तथा सूक्ष्म पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं। साथ ही, ये मिट्टी में जैविक पदार्थों की मात्रा बढ़ाकर उसकी उत्पादकता को स्थायी रूप से बनाए रखने में मदद करती हैं।

गोबर की खाद (फार्म यार्ड मैन्योर): यह सबसे पुरानी और व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली जैविक खाद है। इसमें पशुओं का गोबर, मूत्र, बिछावन सामग्री और चारे के अवशेष शामिल होते हैं।

कम्पोस्ट खाद: कम्पोस्ट जैविक कचरे के विघटन से तैयार की जाती है। इसमें सब्जियों के छिलके, सूखे पत्ते, फसल अवशेष और अन्य जैविक पदार्थों का उपयोग किया जाता है। अच्छी कम्पोस्ट का रंग गहरा भूरा होता है और उसमें मिट्टी जैसी प्राकृतिक गंध आती है।

हरी खाद: ढैंचा, सन, लोबिया जैसी फसलों को खेत में उगाकर मिट्टी में मिला दिया जाता है, जिससे प्राकृतिक रूप से नाइट्रोजन की पूर्ति होती है।

वर्मी कम्पोस्ट: वर्मी कम्पोस्ट केंचुओं की सहायता से तैयार की जाती है। केंचुए जैविक कचरे को अत्यंत पौष्टिक खाद में बदल देते हैं।

मुर्गी खाद: मुर्गियों के मल से तैयार खाद में नाइट्रोजन और फास्फोरस की मात्रा अधिक होती है। इसका उपयोग सब्जियों और बागवानी फसलों में विशेष रूप से लाभदायक माना जाता है।

कम्पोस्टिंग क्या है?: कम्पोस्टिंग एक प्राकृतिक जैविक प्रक्रिया है, जिसमें सूक्ष्मजीव जैविक अपशिष्ट को विघटित करके पोषक तत्वों से भरपूर खाद में बदल देते हैं। यह प्रक्रिया न केवल अपशिष्ट प्रबंधन का प्रभावी तरीका है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सतत कृषि के लिए भी महत्वपूर्ण है।

कम्पोस्ट ढेर में पर्याप्त नमी होनी चाहिए। अत्यधिक सूखापन या अत्यधिक पानी, दोनों ही विघटन प्रक्रिया को प्रभावित कर सकते हैं।

समय-समय पर कम्पोस्ट को पलटने से उसमें ऑक्सीजन बनी रहती है, जिससे जैविक पदार्थ तेजी से सड़ते हैं और दुर्गंध नहीं आती।

कम्पोस्ट को नम रखें, लेकिन उसमें पानी जमा नहीं होना चाहिए। हर दो सप्ताह में कम्पोस्ट को पलटने से विघटन की प्रक्रिया तेज होती है। तीन से छह महीनों के भीतर गहरे भूरे रंग की, भुरभुरी और मिट्टी जैसी सुगंध वाली खाद तैयार हो जाती है।

जैविक पदार्थ मिट्टी को भुरभुरी बनाते हैं, जिससे जड़ों का विकास बेहतर होता है।

मानसून का बदलता मिजाज

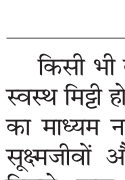

–महेन्द्र तिवारी

भारत में मानसून केवल एक मौसमी घटना नहीं है, बल्कि यह देश की आत्मा, अर्थव्यवस्था और कृषि का मुख्य आधार है। वर्ष 2026 में भी करोड़ों देशवासी इस जीवनदायिनी वर्षा की बड़ी उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, इस वर्ष मानसून ने अपने निर्धारित समय पर दस्तक दी थी, जिससे आरंभ में कृषकों और नीति निर्माताओं में भारी उत्साह देखा गया था। मई के अंतिम सप्ताह में केरल के तट पर वर्षा की पहली बूंदों के साथ इस यात्रा का आरंभ हुआ था, लेकिन जून के मध्य में आकर इसकी गति अप्रत्याशित रूप से मन्द हो गई। इस मन्दता ने देश के कई हिस्सों में जल संकट और भीषण ग्रीष्म लहर जैसी स्थितियों को जन्म दिया, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। हालांकि, प्रकृति का यह चक्र सदैव परिवर्तनशील रहता है और जून के उत्तरार्ध में इसमें एक बार फिर व्यापक बदलाव देखने को मिल रहा है, जिसने नई आशाएं जगा दी हैं।

जून महीने के आंकड़ों का विश्लेषण करें तो यह स्पष्ट होता है कि इस वर्ष जून का महीना सामान्य की तुलना में काफी सूखा रहा है। 15 जून से 23 जून के बीच मानसून की प्रगति लगभग थम सी गई थी, जिसके कारण संपूर्ण देश में सामान्य से लगभग 40 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई। यह कमी विशेष रूप से मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत में अधिक महसूस की गई, जहां तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया था। इस अवधि में जलाशयों के जल स्तर में तेजी से गिरावट आई और धान की नर्सरी तैयार करने वाले किसानों की चिंताएं बढ़ गईं। कृषि क्षेत्र के विशेषज्ञों का मानना था कि यदि मानसून की यह सुस्ती जुलाई के प्रथम सप्ताह तक खिंच जाती, तो इससे खरीफ की फसलों के उत्पादन पर गहरा प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता था, लेकिन समय रहते मौसम के मिजाज में सुधार हो गया।

मौसम वैज्ञानिकों ने जून के महीने में आई इस सुस्ती के पीछे कई जटिल वैश्विक और स्थानीय वायुमंडलीय कारकों को उत्तरदायी माना है। सबसे प्रमुख कारण हिंद महासागर के ऊपर मैडेन जूलियन ऑसिलेशन का कमजोर होना था, जो बादलों और चक्रवातों के निर्माण की एक वैश्विक प्रणाली है। इसके अतिरिक्त, अफ्रीका के पूर्वी तट से भारत की ओर नमी से भरी हवाएं लाने वाली सोमाली जेट स्ट्रीम की गति भी इस बार काफी धीमी पाई गई। एक अन्य महत्वपूर्ण भौगोलिक कारक पश्चिम एशिया से आने वाली गर्म और शुष्क हवाएं थीं, जिन्होंने भारतीय उपमहाद्वीप के मध्य भाग पर एक उच्च दबाव का क्षेत्र निर्मित कर दिया था। इस उच्च दबाव के कारण समुद्र से आने वाली नम हवाएं बादलों का रूप नहीं ले पा रही थीं और जो बादल बन भी रहे थे, वे वाष्पीकृत होकर बिखर जा रहे थे।

इन तमाम विपरीत परिस्थितियों के बीच, 23 जून 2026 के बाद वायुमंडलीय दशाओं में एक तीव्र और सकारात्मक परिवर्तन देखा गया। हिंद महासागर में हवाओं के दबाव में कमी आई और सोमाली जेट ने पुनः अपनी स्वाभाविक गति प्राप्त कर ली। इसके परिणामस्वरूप, दक्षिण-पश्चिम मानसून ने एक बार फिर से अत्यंत तीव्र रफ्तार पकड़ ली है और यह देश के उन हिस्सों की ओर तेजी से बढ़ रहा है जो अब तक सूखे की मार झेल रहे थे। वर्तमान में मानसून की उत्तरी सीमा गुजरात के सूरत, मध्य प्रदेश के इंदौर और मंडला, झारखंड के डाल्टनगंज और बिहार के मोतिहारी शहर से होकर गुजर रही है। मौसम विज्ञानियों का अनुमान है कि अगले 2 से 3 दिनों के भीतर परिस्थितियां पूरी तरह से अनुकूल हो जाएंगी, जिससे मानसून गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के शेष बचे हुए भू-भागों को पूरी तरह से आच्छादित कर लेगा।

देश की राजधानी दिल्ली और उसके आस-पास के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, हरियाणा, पंजाब तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में रहने वाले नागरिकों के लिए मौसम विभाग ने राहत भरा पूर्वानुमान जारी किया है। 29 जून 2026 से लेकर 2 जुलाई 2026 के बीच इन क्षेत्रों में मानसून के आगमन की पूरी संभावना बन चुकी है। मौसम कार्यालय ने इन क्षेत्रों के लिए विशेष सतर्कता संदेश जारी किया है, जिसके अनुसार इन दिनों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने और मध्यम से भारी वर्षा होने की प्रबल आशंका है। इस संभावित वर्षा से पिछले कई हफ्तों से जारी असहनीय उमस और अत्यधिक तापमान से स्थानीय निवासियों को बड़ी राहत मिलेगी। राजधानी और उसके समीपवर्ती नगरों में स्थानीय प्रशासन ने भारी वर्षा की स्थिति में जलभराव से निपटने के लिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है।

यदि हम पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत की स्थिति पर दृष्टि डालें, तो वहां की परिस्थितियां देश के अन्य भागों से सर्वथा भिन्न और गंभीर हैं। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम जैसे राज्यों में मानसून की सक्रियता अत्यंत तीव्र बनी हुई है। मौसम विज्ञान विभाग ने इन पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों के लिए अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है। आंकड़ों के अनुसार, अगले 3 से 4 दिनों में इन राज्यों के कुछ स्थानों पर 7 से 20 सेंटीमीटर तक अत्यंत भारी वर्षा होने का अनुमान व्यक्त किया गया है। इतनी अधिक मात्रा में होने वाली वर्षा के कारण ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों के जल स्तर में तीव्र वृद्धि होने की आशंका है, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा उत्पन्न हो सकता है।

आज की जनधारा
खबर का असर

लगातार खबर प्रकाशित होने के बाद जनपद पंचायत प्रतापपुर ने जारी किया आदेश

अनिल गुप्ता को सौंपा अतिरिक्त प्रभार

प्रतापपुर। जनपद पंचायत प्रतापपुर अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत चांचीडांड-2 में लंबे समय से चल रहे सचिव प्रभार विवाद पर आखिरकार प्रशासन को कार्रवाई करनी पड़ी। आज की जनाधार समाचार पत्र द्वारा लगातार पंचायत सचिव के पंचायत में अनुपस्थित रहने, ग्रामीणों की समस्याओं की अनदेखी करने और ट्रांसफर के बाद भी प्रभार नहीं सौंपने के मामले को लगातार प्रमुखता से प्रकाशित किया जा रहा था। इसके बाद आखिरकार जनपद पंचायत प्रतापपुर ने दिनांक 25/06/2026 को तत्काल आदेश जारी करते हुए सचिव रामसती सरुता को ग्राम पंचायत चांचीडांड-2 के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया।

गौरतलब है कि सचिव रामसती सरुता का स्थानांतरण दिनांक 28/07/2025 को हो चुका था, लेकिन स्थानांतरण आदेश जारी होने के बावजूद लगभग 11 महीनों तक उन्होंने नवपदस्थ सचिव को प्रभार नहीं सौंपा। इस मामले को लेकर ग्रामीणों में लगातार नाराजगी बनी हुई थी। पंचायत के कई कार्य

आज की जनधारा
आंचलिक
आदेश हवा में, सचिव अब तक काबिज!
ग्राम पंचायत चाचीडाड 2 में प्रभार को लेकर बड़ा प्रशासनिक सवाल

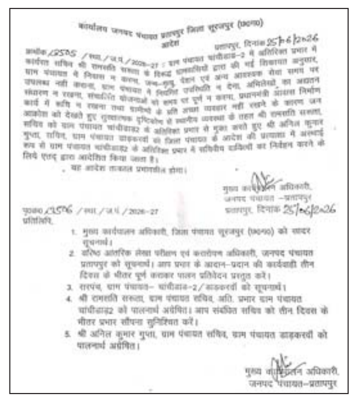
कार्यालय जनपद पंचायत प्रतापपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0)
आदेश
1. मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सूरजपुर (छ0ग0) को सादर सूचनार्थ।
2. वरिष्ठ आंतरिक लेखा परीक्षण एवं करारोपण अधिकारी, जनपद पंचायत प्रतापपुर को सूचनार्थ। आप प्रभार के आदान-प्रदान की कार्यवाही तीन दिवस के भीतर पूर्ण करवाकर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।
3. सरपंच, ग्राम पंचायत- चांचीडांड-2/डाड़करवां को सूचनार्थ।
4. श्री रामसती सरुता, ग्राम पंचायत सचिव, अति. प्रभार ग्राम पंचायत चांचीडांड2 को पालनार्थ अग्रेषित। आप संबंधित सचिव को तीन दिवस के भीतर प्रभार सौंपना सुनिश्चित करें।
5. श्री अनिल कुमार गुप्ता, ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम पंचायत डाड़करवां को पालनार्थ अग्रेषित।
मुख्य कार्यपालन अधिकारी,
जनपद पंचायत-प्रतापपुर

प्रभावित हो रहे थे और आम लोगों को छोटे-छोटे कामों के लिए परेशान होना पड़ रहा था।

लगातार प्रकाशित हो रही थी खबरें

जनाधार समाचार पत्र द्वारा पिछले कई दिनों से लगातार इस पूरे मामले को प्रमुखता से प्रकाशित किया जा रहा था। समाचार पत्र में मामला प्रकाशित होने के बाद प्रशासनिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई थी। इसके बाद जनपद पंचायत प्रतापपुर ने खबर प्रकाशन के बाद तत्काल दिनांक 25/06/2026 को उसी दिन कार्रवाई करते हुए आदेश जारी कर दिया।

आदेश में लगाए गए गंभीर आरोप

जनपद पंचायत प्रतापपुर द्वारा जारी आदेश क्रमांक 3505/स्था./ ज.प./2026-27 दिनांक 25/06/2026 में सचिव रामसती सरुता के खिलाफ ग्रामीणों द्वारा की गई शिकायतों का उल्लेख किया गया है। आदेश में कहा गया है कि सचिव द्वारा ग्राम पंचायत में निवास नहीं किया जा रहा था तथा पंचायत में नियमित उपस्थिति भी नहीं दी जा रही थी। इसके अलावा आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि जन्म-मृत्यु, पेंशन एवं अन्य आवश्यक सेवाएं समय पर उपलब्ध नहीं कराई जा रही थीं,अभिलेखों का अद्यतन एवं संधारण नहीं हो रहा था,स्वच्छता योजनाओं को समय पर पूर्ण नहीं कराया गया,प्रधानमंत्री आवास योजना के कार्यों में रुचि नहीं ली जा रही थी,ग्रामीणों के प्रति व्यवहार भी संतोषजनक नहीं था ग्रामीणों के बढ़ते आक्रोश और पंचायत व्यवस्था को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से स्थानीय व्यवस्था के तहत रामसती सरुता को तत्काल प्रभाव से अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया।

अनिल गुप्ता को सौंपा गया अतिरिक्त प्रभार

आदेश के अनुसार ग्राम पंचायत डाड़करवां के सचिव अनिल कुमार गुप्ता को अस्थायी रूप से ग्राम पंचायत चांचीडांड-2 का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। साथ ही आदेश में स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि संबंधित सचिव तीन दिनों के भीतर प्रभार हस्तांतरण की कार्रवाई पूर्ण करें।

अब उठ रहे कई सवाल

इस कार्रवाई के बाद अब कई सवाल खड़े हो रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सचिव का स्थानांतरण जुलाई 2025 में ही हो चुका था, तो आखिर 11 महीनों तक प्रभार हस्तांतरण क्यों नहीं कराया गया? यदि लगातार शिकायतें और खबरें प्रकाशित हो रही थीं, तो प्रशासन ने पहले कार्रवाई क्यों नहीं की? ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई की जाती तो पंचायत के विकास कार्य प्रभावित नहीं होते और लोगों को परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ता।

10 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ एक गिरफ्तार

बलरामपुर। रामानुजगंज पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए वार्ड नंबर 3 से एक व्यक्ति को 10 लीटर हाथ भट्ठी निर्मित कच्ची महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत 28 जून 2026 को थाना रामानुजगंज पुलिस पेट्रोलिंग पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि वार्ड नंबर 3 निवासी राजेश रवि अपने घर में भारी मात्रा में कच्ची महुआ शराब बिक्री के लिए रखा है।

सूचना की तस्दीक के बाद थाना प्रभारी निरीक्षक अजय साहू के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गवाहों के साथ राजेश रवि के घर दबिश दी। तलाशी के दौरान आरोपी ने घर से 2 लाल रंग के जरकिन में रखी 10 लीटर हाथ भट्ठी की कच्ची महुआ शराब पेश की। बरामद शराब की कीमत करीब 1300 रुपये आंकी गई है।

पूछताछ में आरोपी राजेश रवि, उम्र 40 वर्ष, पिता कृष्णा रवि शराब रखने का कोई लाइसेंस या वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सका। पुलिस ने धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध क्रमांक 106/2026 दर्ज कर शराब जब्त की और आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। मामला अजमानतीय होने के कारण आरोपी को 29 जून 2026 को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अजय साहू, प्रशिक्षु उप निरीक्षक चंदू लाल जैन, प्रधान आरक्षक संजीव सिंह, प्रधान आरक्षक नारायण तिवारी और आरक्षक नील कमल टंडन की अहम भूमिका रही।

रघुनाथनगर में नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजा गया

बलरामपुर। रघुनाथनगर थाना पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 23 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामला पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज किया गया है। थाना रघुनाथनगर में 28 जून 2026 को पीड़िता के पिता ने लिखित आवेदन देकर रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट के अनुसार 27 जून की रात वह और उसकी पत्नी दूसरे घर में सो रहे थे। देर रात पानी पीने घर आने पर उन्होंने देखा कि उनकी नाबालिग बेटी घर पर नहीं थी। रातभर खोजबीन के बाद सुबह बेटी मिली।

पूछने पर पीड़िता ने बताया कि आरोपी नंदू अगरिया उसे बहला-फुसलाकर घर से ले गया और बगल के जंगल में ले जाकर उसके साथ गलत काम किया। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी नंदू अगरिया, उम्र 23 वर्ष, निवासी जनकपुर, थाना रघुनाथनगर के खिलाफ अपराध क्रमांक 71/2026 धारा 137(2), 64(2)बीएनएस एवं धारा 4, 6 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल आरोपी की तलाश शुरू की। 29 जून 2026 को आरोपी नंदू अगरिया को गिरफ्तार कर विशेष न्यायालय रामानुजगंज में पेश किया गया। न्यायालय से न्यायिक रिमांड मिलने के बाद आरोपी को रामानुजगंज जेल दाखिल कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि प्रकरण के अन्य पहलुओं पर विवेचना जारी है।

बीट प्रणाली को मजबूत और प्रभावी बनाने हुआ कार्यशाला का आयोजन

बीट प्रभारियों के मोबाईल नंबर के पोस्टर गांवों और वार्डों में लगाने के निर्देश

सूरजपुर। जिले के थाना-चौकी के बीट प्रणाली को मजबूत और अधिक प्रभावी बनाने के लिए शनिवार, 27 जून 2026 को कार्यशाला का आयोजन जिला पंचायत के सभाकक्ष में किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य बुनियादी पुलिसिंग को सुदृढ़ करना और जनता के बीच सुरक्षा की भावना बढ़ाना था जिसमें जिलेभर के पुलिस अधिकारी व बीट प्रभारी मौजूद रहे। जिले के 22 थाना-चौकी क्षेत्रों के कुल 558 ग्रामों के लिए 70 बीट बनाई हैं। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने बीट प्रणाली को प्रभावी रूप से क्रियान्वयन कराये जाने के सम्बन्ध में पुलिस रेगुलेशन के पैरा के अनुसार कानून व्यवस्था एवं अपराध पर नियंत्रण के लिए पुलिस हल्कों एवं बीट व्यवस्था में दिये गये निर्देशों को विस्तार से बताया।

इस अवसर पर डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने कहा कि बीट प्रणाली पुलिस व्यवस्था का सबसे जमीनी और महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि बीट क्षेत्र के लिए ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए जिससे किसी भी सूचना, सावधानी की जानकारी को प्रत्येक बीट के नागरिक को अवगत कराया जा सके इसके लिए बीट प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाई जाए, बीट क्षेत्र में नियमित भ्रमण कर आम नागरिकों के साथ निरंतर संवाद स्थापित करें, जमीनी स्तर पर असामाजिक तत्वों और संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी करते हुए सटीक जानकारी हासिल करते हुए फौरन एक्शन ले, क्षेत्र में होने वाले अपराधों पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाए ताकि पुलिस-जनता के बीच आपसी विश्वास और मजबूत हो सके। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा, बुजुर्गो की मदद और युवाओं को जागरूक करना भी बीट प्रणाली का हिस्सा है इसे मजबूती से की जाए।

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर ने पुलिस अधिकारियों व बीट प्रभारियों को निर्देशित किया कि आम जनता की सुविधा के लिए बीट अधिकारियों के नाम और मोबाइल नंबर के पोस्टर गांवों और वार्डों में लगाए ताकि आमजनता अपनी समस्या, शिकायतों को फौरन पुलिस के संज्ञान में ला सके और उसका समाधान करा सके। उन्होंने विशेष तौर पर कहा कि जनता की शिकायतों को नम्रतापूर्वक सुनना और उनके साथ पेशेवर एवं गरिमापूर्ण व्यवहार सुनिश्चित की जाए।

बीट प्रभारियों की जिम्मेदारी हुई तय : बीट क्षेत्र के प्रत्येक गतिविधियों, अपराधों की रोकथाम और सुरक्षा व जागरूकता के लिए नागरिकों को जागरूक करने की जिम्मेदारी तय की गई है। बीट क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटरों, वारंटियों और संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त अपराधियों की सूची अपडेट रखें और उनकी दैनिक हरकतों पर कड़ी नजर रखें। बीट प्रभारी व अधिनस्थ कर्मी बीट में कब भ्रमण पर गए, क्या देखा, किससे मिला और क्या कार्यवाही की उसकी रिपोटिंग प्रत्येक दिवस थाना प्रभारी को करने होगी और उसका रिकार्ड संधारण बीट बुक में संधारित करना होगा जिसका प्रत्येक माह संबंधित एसडीओपी बीट बुक को चेक करेंगे।

महिला सुरक्षा पर फोकस

महिला एवं बालिकाओं की सुरक्षा के लिए स्कूल, कॉलेज और सार्वजनिक स्थानों के पास विशेष निगरानी रखने, ग्राम पंचायतों, आंगनबाड़ी, हाट-बाजारों तथा महिला समूह के आयोजनों के दौरान महिलाओं को उनकी सुरक्षा से जुड़े पहलुओं, कानूनी जानकारियों से अवगत कराने के निर्देश दिए गए।

शहीद दिवस पर एक जुलाई को पावर हाउस रेलवे स्टेशन पर होगी श्रद्धांजलि सभा

भिलाई। एक जुलाई 1992 को भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन पर हुई फायरिंग में 17 मजदूरों की मौत हो गई थी। छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पावर हाउस रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक एक पर 17 मजदूरों की याद में शहीद दिवस मनाया जा रहा है। इस दौरान वहां एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन रखा गया है। कार्यक्रम के संबंध में सोमवार को छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा द्वारा प्रेस वार्ता में जानकारी दी गई।

छमुमो के भीमराव बागडे व जनकलाल ठाकुर ने संयुक्त रूप से बताया कि छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा (समन्वय समिति) के नेतृत्व में 1 जुलाई 2026, दिन बुधवार को भिलाई पावर हाउस में आयोजित है। उसके लिए मोर्चा के मजदूर किसान व समर्थकगण पावर हाउस के पास छावनी के लाल मैदान में सुबह 09:00 बजे से एकत्रित होंगे, वहां से शहीद परिवारों को लेकर गोलीकांड घटना स्थल रेल्वे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक में करीब 11:30 बजे पहुंचेंगे वहां शहीदों के छांयाचित्रों पर श्रद्धा सुमन अर्पित करके वापस पावर हाउस से रैली प्रारंभ करेंगे जो छावनी चौक होकर शहीद शंकर गुहा नियोगी चौक पहुंचेंगे, वहां नियोगी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के पश्चात श्रद्धांजलि सभा करेंगे ।

सभा को छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा (समन्वय समिति) के वरिष्ठ नेताओं के अलावा छत्तीसगढ़ के जन संगठनों के अनेक प्रतिनिधि तथा दीगर प्रांत के प्रतिनिधि भी संबोधित करेंगे।

मेगा करियर गाइडेंस फेयर का शानदार आयोजन

लायंस क्लब ऑफ नांदगांव और इंटेक के संयुक्त तत्वाधान में

राजनांदगांव। भारतीय सांस्कृतिक निधि (आईएनटीएसीएच) एवं लायंस क्लब ऑफ नांदगांव के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 26.6.2026 को राजनांदगांव शहर में प्रथम करियर काउंसलिंग का भव्य आयोजन रायल किड्स कॉलेज के एसी सभागृह में संपन्न हुआ।

लगभग 20 विश्वविद्यालयों ने 300 से अधिक छात्र-छात्राओं को कोर्सेज और स्कॉलरशिप की महत्वपूर्ण जानकारी दी।

युवाओं के भविष्य को सही दिशा देने के उद्देश्य से लायंस क्लब ऑफ नांदगांव एवं इंटेक के संयुक्त तत्वाधान में एक विशाल मेगा करियर गाइडेंस फेयर का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह गरिमामयी कार्यक्रम में राजनांदगांव के सभी 12वीं पास विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती के तैल चित्र पर माल्यार्पण लायंस के वरिष्ठ सदस्य लायन अशोक कोटडिया के कर कमललो द्वारा किया गया है, जहां बड़ी संख्या में छात्र.छात्राओं और उनके पालकों ने हिस्सा लिया।

गुड शेफर्ड स्कूल में हुआ नव सत्र के लिए स्टाफ ओरिएंटेशन कार्यक्रम

महासमुंद। गुड शेफर्ड इंग्लिश मीडियम स्कूल में सोमवार को नव शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ पर स्टाफ ओरिएंटेशन कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए नए सत्र के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरपर्सन जॉर्ज रावटे के प्रेरणादायी उद्बोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी एवं शिक्षक अपने कार्य को पूर्ण निष्ठा, लगन और दक्षता के साथ संपन्न करें तथा दूसरों के सकारात्मक गुणों और श्रेष्ठ आदतों को अपनाकर स्वयं को निरंतर बेहतर बनाने का प्रयास करें। विद्यालय की डायरेक्टर अनीता रावटे ने आत्म-विकास एवं सकारात्मक सोच के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी शिक्षकों को अपने अनुभव एवं आत्म-

सुधार से जुड़े उपयोगी सुझाव साझा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यालय से जुड़े नए शिक्षकों का परिचय कराया तथा सभी से अपनी प्रतिभा और क्षमता को पहचानकर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने सभी को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य एमएस राव ने एक रोचक टीम एक्टिविटी के माध्यम से टीम वर्क, आपसी विश्वास एवं सहयोग की भावना का महत्व समझाया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी संस्था की सफलता सामूहिक प्रयास, समन्वय और सकारात्मक कार्य संस्कृति पर निर्भर करती है। उपप्राचार्या मिताली गुरुंग ने विद्यालय के नियमों, कार्यप्रणाली एवं अपेक्षित कार्य-संस्कृति की विस्तृत जानकारी देते हुए सभी को अनुशासन, ईमानदारी एवं उत्तरदायित्व के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया।

कलेक्टर ने नशा मुक्ति केंद्र का किया निरीक्षण

व्यवस्थाओं का लिया जायजा

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज सुपेला स्थित कल्याणी सोशल वेलफेयर एंड रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन द्वारा संचालित नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण कर उपचार, परामर्श एवं पुनर्वास संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में भर्ती मरीजों से चर्चा कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, उपचार एवं काउंसलिंग की जानकारी ली। कलेक्टर सिंह ने केंद्र के संचालक अजय कल्याणी को भोजन, दवाइयों की उपलब्धता, सुरक्षा व्यवस्था तथा चिकित्सकीय सेवाओं की समीक्षा करते हुए सभी आवश्यक सुविधाएं गुणवत्तापूर्ण ढंग से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति केंद्र केवल उपचार का स्थान नहीं, बल्कि नशे की लत से जूझ रहे लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने मरीजों के समग्र पुनर्वास पर विशेष ध्यान देने की बात कही।

संचालक अजय कल्याणी ने बताया कि केंद्र में मरीजों को सकारात्मक वातावरण के साथ नियमित काउंसलिंग, योग, व्यायाम, मेडिटेशन एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं, जिससे वे स्वस्थ एवं सामान्य जीवन की ओर लौट सकें। उन्होंने बताया कि मरीजों को सामान्यतः एक माह तक केंद्र में रखकर उपचार एवं पुनर्वास कराया जाता है। घर लौटने के बाद भी उनकी नियमित फॉलोअप काउंसलिंग की जाती है, ताकि वे दोबारा नशे की ओर न लौटें। निरीक्षण के दौरान संचालक ने केंद्र के संचालन, उपलब्ध सुविधाओं एवं पुनर्वास गतिविधियों की जानकारी दी।

जिला टीकाकरण अधिकारी स्वयं उतरे पल्स पोलियो अभियान में

सूरजपुर। पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से जिला टीकाकरण अधिकारी ने स्वयं स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ क्षेत्र का भ्रमण कर घर-घर जाकर 05 वर्ष से कम आयु के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई। इस दौरान उन्होंने टीमों के कार्यों का निरीक्षण किया तथा अभियान की प्रगति का जायजा लिया।

जिला टीकाकरण अधिकारी ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने 05 वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं। उन्होंने कहा कि हर बच्चे तक पोलियो की दवा पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। पोलियो मुक्त भारत के लक्ष्य को बनाए रखने के लिए प्रत्येक बच्चे को हर बार पोलियो की खुराक दिलाना आवश्यक है।

घर-घर पहुंचकर बच्चों को पिलाई दो बूंद जिंदगी की

निरीक्षण के दौरान उन्होंने घरों पर टीमों द्वारा किए जा रहे चिन्हांकन (मार्किंग) का भी अवलोकन किया तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्य करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने घर-घर पहुंचकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के साथ-साथ अभिभावकों को नियमित टीकाकरण एवं पोलियो उन्मूलन के प्रति जागरूक भी किया। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी कारणवश कोई बच्चा पोलियो की खुराक लेने से वंचित रह गया हो, तो निकटतम स्वास्थ्य कार्यकर्ता से संपर्क कर उसे अवश्य पोलियो की दवा पिलाएं।

नैनो यूरिया से स्वस्थ मिट्टी और टिकाऊ खेती की ओर बढ़ रहे किसान

बावा गठोली के कृषक संपद दास मानिकपुरी ने साझा किए अपने अनुभव

बेमेतरा। कृषि में आधुनिक तकनीकों को अपनाने की दिशा में जिले के किसान लगातार आगे बढ़ रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम बावाघठोली के कृषक संपद दास मानिकपुरी ने नैनो यूरिया का उपयोग कर खेती में सकारात्मक अनुभव साझा किए हैं।

संपद दास मानिकपुरी ने बताया कि स्वस्थ मिट्टी, संतुलित पोषण और टिकाऊ कृषि की दिशा में नैनो उर्वरक एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहे हैं। नैनो यूरिया के उपयोग से पोषक तत्वों का बेहतर प्रबंधन संभव हो रहा है, जिससे फसल को आवश्यक पोषण समय पर प्राप्त होता है। साथ ही यह मिट्टी की जैविक सक्रियता को बनाए रखने तथा पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में भी सहायक है। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग के मार्गदर्शन में नैनो यूरिया का उपयोग करने से आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा मिला है। यह तकनीक किसानों के लिए एक उपयोगी विकल्प बनकर उभर रही है, जिससे खेती अधिक टिकाऊ और प्रभावी बन सकती है।

मानिकपुरी ने जिले के अन्य किसानों से भी वैज्ञानिक सलाह के अनुरूप नैनो उर्वरकों का उपयोग करने की अपील करते हुए कहा कि आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर बेहतर उत्पादन के साथ-साथ मिट्टी की उर्वरता को भी लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है।

365 दिन बिना छुट्टी कर रहे पशुधन विभाग के मैदानी कर्मचारी

साप्ताहिक अवकाश की मांग संघ ने मुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ पशुधन विकास विभाग के मैदानी अधिकारी-कर्मचारी वर्षों से बिना किसी साप्ताहिक अवकाश के लगातार 365 दिन सेवाएं दे रहे हैं। कर्मचारियों की शारीरिक एवं मानसिक थकान तथा सेवा गुणवत्ता पर पड़ रहे विपरीत प्रभाव को देखते हुए अनुसूचित जाति-जनजाति पशुचिकित्सा अधिकारी संघ ने मुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष से भेंट कर ज्ञापन सौंपा।

संघ ने ज्ञापन के माध्यम से विभाग के मैदानी अमले को सप्ताह में एक दिन का अनिवार्य साप्ताहिक अवकाश देने की मांग की है एवं शासकीय अवकाश के दिनों में भी पशु चिकित्सालय सुबह 8 बजे से 10 बजे तक 2 घंटे के लिए खोले जाएं, जिससे गंभीर बीमार पशुओं को तत्काल उपचार मिल सके।

ज्ञापन सौंपते हुए संघ के प्रांताध्यक्ष डॉ. रामचंद्र रामटेके ने कहा, मैदानी स्तर पर हमारे अधिकारी-कर्मचारी बस्तर के घने जंगलों से लेकर सरगुजा की दुर्गम पहाड़ियों तक टीकाकरण, नस्ल सुधार, कृत्रिम गर्भाधान एवं आपातकालीन उपचार का कार्य करते हैं। वर्षभर बिना किसी साप्ताहिक अवकाश के लगातार कार्य करने से स्टाफ में अत्यधिक शारीरिक एवं मानसिक थकान व्याप्त है। इसका सीधा असर फील्ड में दी जा रही सेवाओं की गुणवत्ता पर पड़ रहा है।

डॉ. रामटेके ने बताया कि साप्ताहिक अवकाश का प्रावधान भारतीय संविधान में भी उल्लेखित है। राज्य के लगभग सभी विभागों में कर्मचारियों को साप्ताहिक अवकाश की सुविधा प्राप्त है। यहां तक कि स्वास्थ्य विभाग जैसे आपातकालीन सेवा वाले विभाग में भी साप्ताहिक अवकाश एवं रोस्टर प्रणाली लागू है। पशुधन विकास विभाग के कर्मचारी भी उसी तर्ज पर मानव संसाधन नीति के तहत अवकाश के हकदार हैं।

मामूली विवाद में मारपीट, घायल युवक ने इलाज के दौरान तोड़ा दम, आरोपियों पर कार्रवाई अब तक नहीं

सूरजपुर। जिले के ओड़गी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत भंवरखोह में मामूली विवाद ने ऐसा तूल पकड़ा कि एक युवक की जान चली गई। आपसी कहासुनी को लेकर हुई बेरहमी से मारपीट में गंभीर रूप से घायल हुए नरेश यादव की रायपुर के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। इस घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है, वहीं मृतक के परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की गुहार लगाई है।

मामूली विवाद में खूनी संघर्ष

● गंभीर रूप से घायल युवक ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

सूरजपुर। ओड़गी जिले के ओड़गी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत भंवरखोह में मामूली विवाद ने ऐसा तूल पकड़ा कि एक युवक की जान चली गई। आपसी कहासुनी को लेकर हुई बेरहमी से मारपीट में गंभीर रूप से घायल हुए नरेश यादव की इलाज के

अस्पताल में नरेश की हालत लगातार गंभीर बनी रही, जिसके बाद डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया। डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे नरेश यादव ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

परिजनों ने की दंडात्मक कार्रवाई की मांग

इस दुःखद घटना के बाद मृतक के परिजन,, बालसाय यादव एवं अन्य ग्रामीणों ने ओड़गी थाना प्रभारी

प्रत्यक्षदर्शियों व परिजनों का कहना है कि, मृतक नरेश यादव के मोटरसाइकिल को ओवर टेक किया गया फिर उसे बीच सड़क पर रोक कर बर्बरता पूर्वक मारपीट की गई वह गंदी-गंदी गालियां दी गई जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है स्थानीय व प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है मृतक नरेश यादव को मारपीट करने के बाद उसे पिकअप के डाला में उसके सिर को कई बार पटका गया परिजनों का कहना है कि नरेश के सिर्फ अन्य हिस्सों में काफी चोट आई थी सिर में चोट लगते ही मृतक नरेश यादव बेहोश हो गए थे तब उन्हें आनन- फानन में अस्पताल ले जाया गया।

मिली जानकारी के अनुसार, घटना बीते 14 जून 2026 की रात करीब 8:30 बजे की है। भंवरखोह निवासी मृतक नरेश यादव पिताः दिलेश्वर यादव का गांव के ही कुछ लोगों के साथ किसी बात को लेकर मामूली विवाद हुआ था। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि विपक्षियों ने समल सिंह के घर के पास नरेश पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। इस मारपीट में नरेश के सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं।

अंबिकापुर से रायपुर तक चला इलाज, नहीं बच सकी जान :- हमले के बाद नरेश की स्थिति बिगड़ती देख उसे आनन-फानन में ओड़गी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे सूरजपुर और फिर वहां से अंबिकापुर रेफर कर दिया। अस्पताल में नरेश की हालत लगातार गंभीर बनी रही, जिसके बाद डॉक्टरों ने उसे बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया। डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे नरेश यादव ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

परिजनों ने की दंडात्मक कार्रवाई की मांग :- इस दुःखद घटना के बाद मृतक के परिजन,, बालसाय यादव एवं अन्य ग्रामीणों ने ओड़गी थाना प्रभारी को लिखित शिकायत सौंपकर न्याय की मांग की है। आवेदन में गांव के ही आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर निष्पक्ष जांच करने और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दंडात्मक कार्रवाई देने की मांग की गई है।

पीड़ित पक्ष द्वारा ओड़गी थाने में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है, जिस पर पुलिस ने मामला संज्ञान में लेते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। लेकिन घटना को बीते कई दिन बीत चुके हैं पर अब तक कार्यवाही शून्य है।

विधायक दीपेश साहू ने किया राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

● **100 बिस्तर एमसीएच अस्पताल से जिलेभर में अभियान की शुरुआत, 96,085 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य**

बेमेतरा। राष्ट्रीय पल्स पोलियो दिवस के अवसर पर रविवार को 100 बिस्तर मातृ एवं शिशु (एमसीएच) अस्पताल, बेमेतरा में जिला स्तरीय राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि विधायक दीपेश साहू एवं नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने बच्चों को पोलियो की दो बूंद जिंदगी की पिलाकर अभियान का विधिवत शुभारंभ किया तथा जिलेवासियों से अपने 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाने की अपील की। कार्यक्रम में जिला भाजपा प्रभारी राजेन्द्र शर्मा, पार्षद सुनीतु कोठारी, गौरव साहू, निखिल साहू, श्रीमती चांदनी रोशन दत्ता, रवि मुलवानी, महेश साहू, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. लोकेश साहू, नोडल अधिकारी डॉ. बी.एल. राज एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

96 हजार से अधिक बच्चों तक पहुंचेगा अभियानः मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमृत लाल रोहलेडर ने बताया कि राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत जिले में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के कुल 96,085 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए पूरे जिले में 801 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं तथा 14 ट्रांजिट टीमों का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि 28 जून को बूथ दिवस के रूप में सभी निर्धारित केंद्रों पर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी।

पुलिस द्वारा कोचिंग संस्थानों में फायर सेफ्टी एवं सुरक्षा मानकों की सघन जांच

राजनंदगांव। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में राजनांदगांव शहर के विभिन्न कोचिंग संस्थानों में फायर सेफ्टी एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान थाना कोतवाली, बसंतपुर एवं चिखली क्षेत्र के लगभग 12 कोचिंग संस्थानों का सघन निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान पुलिस टीम ने कोचिंग संस्थानों में उपलब्ध अग्निशमन उपकरणों, आपातकालीन निकास, आपातकालीन खिड़कियों, विद्युत वायरिंग, विद्युत सुरक्षा उपकरणों, सीढ़ियों एवं निकासी मार्गों सहित अन्य सुरक्षा मानकों का बारीकी से परीक्षण किया। सभी कोचिंग संचालकों को निर्देशित किया गया कि वे अपने संस्थानों में निर्धारित अग्नि सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें। पर्याप्त संख्या में कार्यशील फायर एक्सटिंग्विशर, स्पष्ट निकास मार्ग, सुरक्षित विद्युत व्यवस्था तथा आपातकालीन स्थिति में विद्यार्थियों को सुरक्षित बाहर निकालने की समुचित व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

पुलिस अधिकारियों द्वारा संचालकों को यह भी अवगत कराया गया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा सुरक्षा मानकों में कमी पाए जाने पर संबंधित प्रावधानों के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इस विशेष अभियान में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक उपेंद्र शाह, थाना प्रभारी बसंतपुर निरीक्षक एमन साहू सहित दोनों थानों व पुलिस लाइन के लगभग 25 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सहभागिता कर कोचिंग संस्थानों का सघन निरीक्षण किया तथा सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। राजनांदगांव पुलिस विद्यार्थियों एवं आमजन की सुरक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा भविष्य में भी ऐसे विशेष निरीक्षण अभियान निरंतर जारी रहेंगे।

न्यायाधीश, कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा जिला जेल बैकुण्ठपुर का तिमाही निरीक्षण

कोरिया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार तथा माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा रिट याचिका (सिविल) क्रमांक 1404/2023, सुकन्या संस्था बनाम यूनियन ऑफ इंडिया एवं अन्य में 03.10.2024 को पारित निर्णय के अनुपालन में आज 29 जून 2026 को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, योगेश पारीक, कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती अमृता दिनेश मिश्रा तथा डिस्ट्रिक्ट विजिटर्स बोर्ड के अन्य सदस्यों मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग एवं जिला शिक्षा अधिकारी, जिला-कोरिया द्वारा जिला जेल बैकुण्ठपुर का तिमाही निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं कलेक्टर द्वारा बंदियों को निरुद्ध अवधि में उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं एवं उनके विधिक अधिकारों की जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही यह सुनिश्चित किया गया कि सभी बंदियों को समय पर

निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध हो तथा उनके साथ किसी भी प्रकार का जातिगत अथवा अन्य प्रकार का भेदभाव न किया जाए।

निरीक्षण दल द्वारा सभी बंदियों से चर्चा कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों की जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान जिला जेल बैकुण्ठपुर में किसी भी प्रकार का जातिगत अथवा अन्य भेदभाव परिलक्षित नहीं हुआ। दल द्वारा बंदियों के बैरकों एवं स्वच्छता व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं कलेक्टर द्वारा बंदियों को प्रदान किए जा रहे भोजन की गुणवत्ता का परीक्षण किया गया तथा जेल परिसर में संचालित लीगल एड क्लिनिक का निरीक्षण कर उसके माध्यम से बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही विधिक सहायता एवं सेवाओं की समीक्षा की गई।

स्कूलों में गायत्री मंत्र-हनुमान चालीसा, सरकार का फैसला सराहनीय : दीपक सोनी

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ शासन के मंत्रिमंडल द्वारा प्रदेश के विद्यालयों में विद्यार्थियों को गायत्री मंत्र एवं हनुमान चालीसा का पाठ कराने संबंधी लिए गए निर्णय का विश्व हिंदू रक्षा संगठन ने

जोरदार स्वागत करते हुए इसे भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी पहल बताया है। विश्व हिंदू रक्षा संगठन के जिला अध्यक्ष दीपक सोनी ने जारी अपने वक्तव्य में कहा कि यह निर्णय नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपराओं एवं नैतिक मूल्यों से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार निर्माण की आधारशिला भी होते हैं।

कोरिया जिले में राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

● **34,129 बच्चों को पोलियो की खुराक देने का लक्ष्य**

कोरिया। राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार को जिला अस्पताल बैकुंठपुर के टीकाकरण केंद्र में कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती यादव ने कहा कि प्रत्येक बच्चे तक पोलियो की खुराक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को अनिवार्य रूप से पोलियो की दवा पिलाकर अभियान को सफल बनाएं। उन्होंने स्वयं बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर अभियान की शुरुआत की।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि जिले में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के 34,129

बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए जिलेभर में 341 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं। अभियान के दौरान यदि कोई बच्चा पोलियो की खुराक लेने से छूट जाता है, तो 29 एवं 30 जून 2026 को स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर जाकर मॉप-अप गतिविधि के माध्यम से उन्हें पोलियो की दवा पिलाएगी। एक भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे तथा सभी बच्चों को वाइल्ड पोलियो वायरस के संक्रमण से सुरक्षित रखा जा सके।

पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर दुर्ग पुलिस का वृहद वृक्षारोपण अभियान

भिलाई। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर सोमवार को दुर्ग पुलिस ने सेक्टर-6 स्थित पुलिस कंट्रोल रूम के पीछे मैदान में एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना के साथ वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज अभिषेक शांडिल्य और पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

आईजी अभिषेक शांडिल्य ने कहा कि सरदार पटेल का जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। प्रत्येक नागरिक को

कम से कम एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए।

एसपी विजय अग्रवाल ने कहा कि वृक्षारोपण को जनआंदोलन का स्वरूप देने की आवश्यकता है। पौधा लगाने के साथ उसकी नियमित देखभाल भी उतनी ही जरूरी है। पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक का सामाजिक दायित्व है और दुर्ग पुलिस भविष्य में भी ऐसे जनजागरूकता अभियान चलाती रहेगी।

कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) सुखनंदन राठौड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) मणिशंकर चंद्रा, नगर पुलिस अधीक्षक, एसडीओपी, थाना प्रभारी, महिला सेल के अधिकारी सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर उनके संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया।

राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में गायत्री विद्यापीठ का शानदार प्रदर्शन

राजनांदगांव। शिक्षा व संस्कार के क्षेत्र में अव्वल जिले की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था गायत्री विद्यापीठ के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय एवं जिले का गौरव बढ़ाया है। विद्यालय में अध्ययनरत तनय साहू एवं उद्यम देवांगन ने स्पैश राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर अपनी खेल प्रतिभा का परिचय दिया।

विद्यार्थियों की इस उल्लेखनीय उपलब्धि के पीछे विद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी अखिलेश मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन, नियमित प्रशिक्षण एवं सतत प्रेरणा रही, उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने अनुशासन, समर्पण और आत्मविश्वास के साथ प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया।

इस अवसर पर सीबीएसई के प्राचार्य अंकित व्यास ने दोनों खिलाड़ियों एवं उनके प्रशिक्षक को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते

हुए कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता का ही नहीं, बल्कि अनुशासन, धैर्यए नेतृत्व और सकारात्मक व्यक्तित्व निर्माण का भी सशक्त माध्यम हैं। गायत्री विद्यापीठ में शिक्षा के साथ-साथ खेल एवं संस्कारों के समन्वित विकास पर विशेष बल दिया जाता है। हमें विश्वास है कि हमारे विद्यार्थी भविष्य में भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराकर विद्यालय, जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। स्पोर्ट्स डायरेक्टर सागर चितलांग्या ने दोनों खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा इसे समस्त विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी उपलब्धि बताया।

सोमनी स्कूल में विद्यालय प्रबंधन समिति गठित, नरोत्तमदास बंजारे अध्यक्ष बने

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी नवीन दिशा-निर्देशों के अनुरूप शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला सोमनी में पालक बैठक का आयोजन किया गया। संस्था की प्राचार्य श्रीमती सविता अवस्थी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में शासन के निर्देशों की जानकारी देते हुए बताया गया कि अब प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों तक विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन किया जाएगा। इस समिति का उद्देश्य विद्यालय के विकास में पालकों एवं समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना तथा विद्यालय विकास योजना, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, सुरक्षा एवं आधारभूत सुविधाओं की सतत निगरानी करना है। शासन के निर्देशानुसार समिति में पालकों की प्रमुख भागीदारी, महिलाओं का पर्याप्त प्रतिनिधित्व तथा प्रत्येक माह नियमित बैठक आयोजित की जाएगी।

बैठक में सर्वसम्मति से विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन किया गया। समिति के अध्यक्ष पद पर नरोत्तमदास बंजारे तथा उपाध्यक्ष पद पर श्रीमती अनिता साहू का चयन किया गया। संस्था की प्राचार्य श्रीमती सविता अवस्थी पदेन सचिव रहेंगी।

फर्जी भूमि पट्टा बनाकर होम लोन लेने की कोशिश, रानीतराई पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

दुर्ग। फर्जी भूमि पट्टा और पंचायत प्रमाण पत्र तैयार कर आवास ऋण प्राप्त करने का प्रयास करने वाले एक आरोपी को रानीतराई पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। आरोपी ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर आवास ऋण के लिए आवेदन किया था, लेकिन दस्तावेजों की जांच में पूरा मामला उजागर हो गया।

पुलिस के अनुसार, ग्राम पंचायत तेलीगुंडरा की सरपंच श्रीमती हुलेश्वरी साहू ने 6 जून को थाना रानीतराई में शिकायत दर्ज कराई थी कि ग्राम तेलीगुंडरा निवासी 40 वर्षीय धनेश्वर कुमार निर्मलकर ने लगभग 1800 वर्गफुट भूमि का फर्जी पट्टा और पंचायत प्रमाण पत्र तैयार कर आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, न्यू दीपक नगर, दुर्ग में होम लोन के लिए आवेदन किया है।

जांच के दौरान पंचायत अभिलेखों और सरपंच सहित अन्य गवाहों के बयान लिए गए। जांच में पता चला कि संबंधित पट्टा और प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत द्वारा कभी जारी ही नहीं किए गए थे। दस्तावेजों पर लगी मुहर और प्रमाणन भी फर्जी पाए गए। वहीं, आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ने भी अपने आंतरिक परीक्षण में दस्तावेजों में विसंगति मिलने पर ऋण आवेदन निरस्त कर दिया था।

पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर रानीतराई थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 71/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया। न्यायालय में पेश करने के बाद आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से फर्जी भूमि पट्टा, फर्जी पंचायत प्रमाण पत्र तथा ऋण आवेदन से संबंधित दस्तावेज जब्त किए हैं। मामले की जांच में रानीतराई पुलिस की विवेचना टीम ने पंचायत अभिलेखों और वित्तीय संस्था से प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर तथ्यात्मक जांच कर आरोपी के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की।

स्वास्थ्य जागरूकता व बीएलएस प्रशिक्षण आयोजित

200 विद्यार्थियों ने सीखे जीवन बचाने के गुर

राजनांदगांव। भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय में गुरुवार को पीटीएस ऑडिटोरियम में केयरिंग फॉर कम्युनिटी-हेल्थ अवेयरनेस एंड बीएलएस ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करीब 200 विद्यार्थियों को स्वास्थ्य जागरूकता के साथ आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन बचाने की तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता संयुक्त संचालक सह चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अतुल मनोहरराव देशकर ने जीवनशैली में परिवर्तन का महत्व-नींद एवं योग की भूमिका विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि पर्याप्त नींद, संतुलित दिनचर्या और नियमित योगाभ्यास बेहतर स्वास्थ्य की कुंजी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

इस दौरान चिकित्सा विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. प्रकाश खुंटे ने बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने हृदयाघात जैसी आपात स्थितियों में सीपीआर (सीपीआर) की उपयोगिता, प्राथमिक उपचार और समय पर सही कदम उठाने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण भी दिया। कार्यक्रम में पुलिस विभाग की प्रशिक्षण टीम ने भी सहयोग करते हुए आपातकालीन स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, प्राथमिक उपचार और अन्य जीवनरक्षक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया।

एसडीएम पर एफआईआर की मांग से लेकर महंगाई तक

- **गोंगपा ने खोला मोर्चा, राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलेश्वर सिंह मरकाम ने थाने में सौंपे 5 आवेदन**

अधिकारियों की कार्यशैली, विस्थापितों के साथ मारपीट, महंगाई सहित कई अहम मुद्दों पर कार्रवाई की मांग

कोरबा। जिले के पाली क्षेत्र में जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (गोंगपा) ने आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विधायक तुलेश्वर सिंह मरकाम ने सोमवार को स्थानीय थाने पहुंचकर एक साथ पांच अलग-अलग आवेदन सौंपे। इन आवेदनों के माध्यम से उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यशैली, एसईसीएल विस्थापितों के साथ कथित मारपीट, बढ़ती महंगाई सहित कई अहम मुद्दों पर कार्रवाई की मांग की।

थाने में आवेदन सौंपने के बाद तुलेश्वर सिंह मरकाम ने कहा कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से विभिन्न समस्याओं से जूझ रही है, लेकिन प्रशासन उनकी शिकायतों पर गंभीरता से ध्यान नहीं दे रहा है। ऐसे में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी जनता की आवाज बनकर उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ रही है।

एसडीएम के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग

मरकाम द्वारा सौंपे गए आवेदनों में सबसे प्रमुख मांग क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) के खिलाफ मामला दर्ज करने की है। उन्होंने आरोप लगाया कि एसडीएम की कार्यशैली को लेकर गंभीर शिकायतें सामने आई हैं। उन्होंने पुलिस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।

एसईसीएल विस्थापितों के साथ मारपीट का उठाया मुद्दा

गोंगपा प्रमुख ने एसईसीएल (साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड) परियोजना से प्रभावित विस्थापितों के साथ हुई कथित मारपीट और दुर्व्यवहार का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि अपने अधिकार और मुआवजे की मांग कर रहे विस्थापितों के साथ मारपीट की घटनाएं बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर पीड़ितों को न्याय दिलाया जाना चाहिए।

बढ़ती महंगाई पर जताया आक्रोश

मरकाम ने लगातार बढ़ रही महंगाई को लेकर भी सरकार और प्रशासन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी से आम जनता का जीवन प्रभावित हो रहा है। गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों पर इसका सबसे अधिक असर पड़ रहा है, लेकिन राहत के लिए कोई ठोस कदम नजर नहीं आ रहे हैं।

जनता के हक की लड़ाई सड़क से सदन तक जारी रहेगी

थाने के बाहर मीडिया से चर्चा करते हुए तुलेश्वर सिंह मरकाम ने कहा कि प्रशासन पूरी तरह बेलगाम हो चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक ओर विस्थापित अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं और उनके साथ मारपीट की जा रही है, वहीं जिम्मेदार अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि आम जनता महंगाई से त्रस्त है और शासन-प्रशासन उनकी समस्याओं के समाधान में विफल साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज हमने पुलिस प्रशासन को पांच अलग-अलग आवेदन सौंपे हैं। यदि समय रहते इन मामलों में एफआईआर दर्ज कर उचित कार्रवाई नहीं की गई तो गोंडवाना गणतंत्र पार्टी पूरे क्षेत्र में उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। जनता के हक की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक लगातार जारी रहेगी।

बड़ी संख्या में मौजूद रहे कार्यकर्ता और विस्थापित

आवेदन सौंपने के दौरान गोंगपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और एसईसीएल प्रभावित क्षेत्रों के बड़ी संख्या में विस्थापित ग्रामीण भी मौजूद रहे। पुलिस ने सभी आवेदन प्राप्त कर नियमानुसार जांच के बाद आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

बंगाली कैंप नंबर 2 में रात में खड़ी कार में आग

- **पुलिस ने दर्ज किया मामला, आग के कारणों की जांच शुरू**

बचेली। नगर के वार्ड क्रमांक-15 स्थित बंगाली कैंप नंबर-2 में 29 जून, सोमवार की देर रात एक खड़ी कार में अचानक आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। आग की लपटें उठती देख आसपास के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। जब तक आग पर काबू पाया जाता, तब तक वाहन का अधिकांश हिस्सा जलकर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका था।

मिली जानकारी के अनुसार'', रात करीब 2 बजे तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकले तो देखा कि एक कार आग की लपटों से घिरी हुई है। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही रात में थाना प्रभारी प्रहलाद कुमार साहु अपनी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने प्रारंभिक जांच शुरू करते हुए आसपास के लोगों से पूछताछ की तथा आवश्यक साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई की।

बताया जा रहा है कि आग से क्षतिग्रस्त वाहन स्थानीय निवासी गोविंद साहा का है। मामले में पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि वाहन में आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी या फिर किसी अज्ञात व्यक्ति ने जानबूझकर आग लगाई। पुलिस दोनों पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि घटना स्थल के आसपास कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा है'', जिससे जांच में कुछ कठिनाई आ रही है। हालांकि पुलिस अन्य उपलब्ध साक्ष्यों और स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के आधार पर मामले की तह तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। प्रारंभिक तौर पर यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी या किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा आगजनी की गई। जांच के बाद ही वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा

कोरिया हत्याकांड पर करनी सेना ने की एनकाउंटर की मांग

मनेंद्रगढ़। मनेन्द्रगढ़ में करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राज शेखावत ने कोरिया जिले के नौगई में हुए तिहरे हत्याकांड को लेकर शासन-प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाए हैं। पत्रकारों से चर्चा के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि मामले में आरोपियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है और पीड़ित परिवार को अब तक न्याय नहीं मिला है।

डॉ. शेखावत ने बताया कि 16 जून की रात कार में आग लगने की घटना में तीन लोगों की मौत हुई थी, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्होंने कहा कि घटना की गंभीरता के अनुरूप कार्रवाई नहीं हुई है। डॉ. शेखावत ने मामले के आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई और उनके एनकाउंटर की मांग की।

पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है करणी सेना

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि करणी सेना पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं करता है तो संगठन प्रदेशव्यापी आंदोलन करेगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रशासन की कार्यप्रणाली से ऐसा प्रतीत होता है कि आरोपियों को संरक्षण देने का प्रयास किया जा रहा है।

श्रद्धांजलि सभा की घोषणा

डॉ. शेखावत ने बताया कि घटना स्थल पर जल्द ही श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जाएगी। इसमें बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल होकर मृतकों को श्रद्धांजलि देंगे और न्याय की मांग को लेकर अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

खीरे के नीचे छिपाई गई बेशकीमती लकड़ी पकड़ी गई

बलरामपुर। जिले के धनवार अंतरराज्यीय बैरियर पर वन विभाग ने लकड़ी तस्करी के एक अनोखे मामले का खुलासा किया है। तस्करों ने पिकअप वाहन में ऊपर खीरा लोड कर उसके नीचे बेशकीमती लकड़ी छिपा रखी थी, लेकिन वन विभाग की सतर्कता से उनकी यह चाल नाकाम हो गई। विभाग ने वाहन जब्त कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

वन विभाग की टीम धनवार बैरियर पर नियमित जांच अभियान चला रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध पिकअप वाहन को रोककर जांच की गई। वाहन के ऊपरी हिस्से में बड़ी मात्रा में खीरा लदा हुआ था, जिससे वह सामान्य कृषि उपज से भरा वाहन प्रतीत हो रहा था।

तलाशी में खुला तस्करी का राज

वाहन की गतिविधियां संदिग्ध लगने पर वन अमले ने गहन तलाशी ली। जांच के दौरान खीरे की बोरियों के नीचे छिपाकर रखी गई अवैध लकड़ी बरामद हुई। इसके बाद वन विभाग ने मौके पर ही वाहन को जब्त कर लिया। जांच में जब्त लकड़ी की अनुमानित कीमत करीब 80 हजार रुपये आंकी गई है। वन विभाग लकड़ी की प्रजाति, मात्रा और उसके स्रोत की जांच कर रहा है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि लकड़ी किस वन क्षेत्र से काटी गई और तस्करी के इस नेटवर्क में किन-किन लोगों की भूमिका है।

2 पत्नियों को साथ रखने पति का हाई-वोल्टेज ड्रामा

100 फीट ऊंचे टावर पर दूसरी बार चढ़ा, डेढ़ घंटे मनाने के बाद उतरा

धमतरी। 2 पत्नियों को साथ रखने की जिद में पति 100 फीट ऊंचे हाईटेंशन टावर पर चढ़ गया। शख्स ने 2 शादियां की हैं, लेकिन दोनों पत्नियां अलग-अलग रहती हैं। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने उसे समझाइश देकर नीचे उतारने की काफी कोशिश की, लेकिन वह नहीं माना।

इसके बाद दोनों पत्नियों को मौके पर बुलाया गया। दोनों पत्नियों के समझाने पर वह करीब डेढ़ घंटे बाद टावर से नीचे उतरा। पति के टावर से नीचे उतरते ही पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर थाने ले गई। बताया जा रहा है कि पिछले एक महीने में यह दूसरी बार है, जब व्यक्ति टावर पर चढ़ा। मामला भखारा थाना क्षेत्र के ग्राम भेंड्रा का है।

दोनों पत्नी अलग-अलग रहती थी: जानकारी के मुताबिक भेंड्रा गांव का रहने वाला यादराम साहू (30) खेती किसानी करता है। उसकी पहली शादी साल 2019 में हुई थी। बाद में उसका एक लड़की से अफेयर हुआ। साल 2022 में उसने लड़की से दूसरी शादी कर ली। एक ही घर में तीनों साथ रहने लगे, लेकिन बाद में दोनों पत्नी के बीच झगड़े होने लगे, जिससे दूसरी पत्नी अलग रहने लगी थी। पति चाहता था कि दोनों पत्नियां एक ही घर में रहे, लेकिन वो दोनों साथ रहने को तैयार नहीं थी।

विवाद के बाद टावर पर चढ़ा पति: इसी बात को लेकर रविवार शाम को पति और दोनों पत्नी के बीच विवाद हो गया। इसके बाद पति करीब 100 फीट ऊंचे हाईटेंशन टावर पर चढ़ गया। उसे देखकर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। इसके बाद फौरन मामले की जानकारी पुलिस को दी गई।

पत्नियों की बात मानकर उतरा: मौके पर पहुंची पुलिस टीम यादराम को समझाइश देकर नीचे उतारने की कोशिश में जुटी रही, लेकिन वह नहीं माना। इसके बाद दोनों पत्नियों को मौके पर बुलाया गया, जिनकी बात मानकर वह नीचे उतर गया।

20 घंटे से अंधेरे में आधा दर्जन गांव

- **तुमान फीडर की आपूर्ति बाधित, पेयजल संकट गहराया, ग्रामीणों में नाराजगी**

कोरबा। कोरबा के छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी के बरपाली विद्युत वितरण केंद्र अंतर्गत तुमान फीडर से जुड़े गांवों में रविवार (29 जून) शाम से बिजली आपूर्ति ठप है। 28 जून की शाम करीब 4 बजे बाधित हुई आपूर्ति 20 घंटे से अधिक समय बीतने के बाद भी बहाल नहीं हो सकी। जिससे पूर्व सांसद स्वर्गीय डॉ. बंशीलाल महतो के गृह ग्राम सलिहाभांठा सहित आधा दर्जन से अधिक गांवों के ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

अधिकारीयों ने फोन कॉल का कोई जवाब नहीं दिया

तुमान फीडर से जुड़े ग्राम पंचायत सलिहाभांठा, बंधवाभांठा, डोंगरीभांठा, पकरिया और सराईडीह सहित कई गांवों में बिजली नहीं होने से जनजीवन प्रभावित हो गया। देर रात तक आपूर्ति बहाल नहीं होने पर ग्रामीणों ने लाइनमैन से संपर्क किया, जिन्होंने 11 केवी लाइन में ब्रेकडाउन की जानकारी दी। ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित अधिकारियों ने उनके फोन कॉल का जवाब नहीं दिया।

बिना अनुमति पौधे काटने के मामले में एक सप्ताह में पुन: पौधारोपण का आदेश

- **गौरव पथ के डिवाइडर पर लगे पौधो का काटने का मामला,**
- **नगर पालिका से सख्त कार्रवाई और सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग**

बचेली। बचेली शहर को सुंदर, स्वच्छ और हरित बनाने के उद्देश्य से शासन द्वारा करोड़ों रुपये की लागत से गौरव पथ सड़क का निर्माण कराया गया तथा सड़क के डिवाइडर में आकर्षक फूल-पौधे लगाए गए। इन पौधों की नियमित देखभाल और सिंचाई की जिम्मेदारी भी नगर पालिका द्वारा निभाई जा रही है। लेकिन अब इन पौधों को नुकसान पहुंचाने का मामला सामने आने से स्थानीय लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है।

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि गौरव पथ स्थित एक मेडिकल स्टोर संचालक ने बिना किसी अनुमति के डिवाइडर में लगे फूल-पौधों को काट दिया। लोगों का कहना है कि ये पौधे दुकान के संचालन में किसी प्रकार की बाधा नहीं बन रहे थे, फिर भी उन्हें कथित रूप से रात के समय काट दिया गया।

नागरिकों का यह भी आरोप है कि घटना की शिकायत नगर पालिका तक पहुंचने के बावजूद अब तक संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कोई ठोस कानूनी या दंडात्मक कार्रवाई नहीं की गई। इससे लोगों में यह संदेश जा रहा है कि सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों पर कार्रवाई नहीं होने से ऐसे मामलों को बढ़ावा मिल सकता है।

इन पौधों को लगाने और वर्षों तक उनकी देखभाल करने में पैसे खर्च हो रहे है। भीषण गर्मी के दौरान भी नगर पालिका ने लगातार सिंचाई कर इन्हें जीवित रखा। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति अपनी सुविधा के लिए सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाता है तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई होना आवश्यक है। नागरिकों ने मांग की है कि यदि दोष सिद्ध होता है तो संबंधित व्यक्ति से सार्वजनिक संपत्ति की क्षति की भरपाई कराई जाए और नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति शहर की हरियाली और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का साहस न कर सके। स्थानीय लोगों का मानना है कि शहर की सुंदरता और पर्यावरण संरक्षण केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भी जिम्मेदारी है। सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा और हरियाली का संरक्षण समाज के सामूहिक दायित्व का हिस्सा है।

इस मामले में मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) पी.टी.एम. कृष्णाराव ने संबंधित दुकानदार को सीधे चेतावनी देते हुए कहा, आपने किसकी अनुमति से डिवाइडर में लगे पौधों को काटा है और किस कारण से काटा है, इसका जवाब देना होगा। एक सप्ताह के भीतर उसी स्थान पर नए पौधे लगाइए। यदि निर्धारित समय के भीतर पौधारोपण नहीं किया गया, तो आपके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जांजगीर-चांपा में बदहाल सड़क के लिए ग्रामीण आमरण अनशन पर

- **15 साल से नहीं बनी पामगढ़-डोंगा-कोहरौद रोड, निर्माण शुरू होने तक आंदोलन जारी**

जांजगीर-चांपा। जिले के पामगढ़ विधानसभा क्षेत्र की डोंगा-कोहरौद-बलौदाबाजार सड़क के निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने आमरण अनशन शुरू कर दिया है। करीब 15 वर्षों से जर्जर सड़क से परेशान सैकड़ों ग्रामीण डोंगा-कोहरौद गांव में धरने पर बैठ गए हैं। उनका कहना है कि कई बार जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के समक्ष मांग रखने के बावजूद अब तक सड़क निर्माण शुरू नहीं किया गया। ग्रामीणों के अनुसार, पामगढ़-लाहौद-बलौदाबाजार-रायपुर मार्ग का करीब 5 किलोमीटर हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती हैं।

ग्रामीणों का दावा है कि वर्षों में कई लोगों की जान जा चुकी है और दर्जनों लोग घायल हुए हैं। बारिश के मौसम में सड़क की हालत और अधिक खराब हो जाती है, जिससे आवागमन बेहद कठिन हो जाता है।

ग्रामीणों का आरोप है कि भूमि मुआवजा संबंधी प्रकरण लंबित होने के कारण सड़क निर्माण वर्षों से अटका हुआ है। इस संबंध में कई बार प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपे गए।

भाजपा समर्थित जनपद-सदस्य और सरपंच को गैंगरेप केस में फंसाया, शिकायत निकली झूठी

- **चुनावी रंजिश में साजिश, युवती समेत 5 अरेस्ट**

बलौदाबाजार। जिले में सरपंच जयसिंह पैकरा और भाजपा समर्थित जनपद सदस्य संजीव जायसवाल (बीडीसी) पर लगे गैंगरेप के आरोप झूठे निकले। पुलिस के मुताबिक, चुनावी रंजिश के कारण सरपंच और जनपद सदस्य को झूठे केस में फंसाकर उनसे 3 लाख की वसूली करने की साजिश रची गई थी। मामला कसडोल थाना इलाके का है।

पुलिस ने इस मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा ब्लैकमेलिंग में इस्तेमाल की गई थार गाड़ी के साथ कई मोबाइल भी जब्त किए गए हैं। सरपंच और जनपद सदस्य को फंसाने युवती को पैसों का लालच दिया गया था। इनकार करने पर उसे ही झूठे केस में फंसाने की धमकी दी गई थी।

दरअसल, 24 जून 2026 को युवती ने कसडोल थाने में लिखित शिकायत की थी। उसने आरोप लगाया था कि ग्राम कटगी के सरपंच और बीडीसी ने नौकरी दिलाने के नाम पर उसके साथ

गैंगरेप किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने कॉल डिटेल रिकॉर्ड, मोबाइल लोकेशन और अन्य तकनीकी सबूतों की जांच की। जांच में यह पता चला कि जिस समय की घटना बताई जा रही थी, उस समय दोनों जनप्रतिनिधि मौके पर मौजूद ही नहीं थे।

इस पर पुलिस को शक हुआ तो युवती से सख्ती से पूछताछ की गई और उसका बयान दर्ज किया गया, तो उसने साफ बता दिया कि उसके साथ गैंगरेप जैसी कोई घटना हुई नहीं हुई। पूछताछ में यह भी सामने आया कि यह पूरा मामला झूठा है। उसकी सहेली पूनम, भागवत थवाईत और कुछ अन्य लोगों ने मिलकर यह योजना बनाई थी। जब युवती ने ऐसा करने से इनकार किया तो उसने उसे झूठे केस में फंसाने की धमकी दी। इससे डर कर उसने सरपंच और बीडीसी के खिलाफ गैंगरेप की झूठी शिकायत की। युवती के मुताबिक, इन लोगों का मकसद सरपंच और जनपद सदस्य (बीडीसी) को गैंगरेप के झूठे केस में फंसाकर जेल भेजने का डर दिखाना और उनसे 3 लाख वसूलना था। इसी प्लानिंग के तहत उसे झांसा देकर शिकायत कराने के लिए तैयार किया गया था।।

पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपियों को पकड़ा

पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर पांचों आरोपियों को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। इसके बाद 28 जून 2026 को सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

हाथी के हमले से ग्रामीण की मौत

- **कटघोरा वन मंडल में गाय चराने गए व्यक्ति को हाथी ने कुचला, 18 हाथियों का दल मौजूद**

कोरबा। कटघोरा वन मंडल के जटगा वन परिक्षेत्र में हाथी के हमले से 40 वर्षीय ग्रामीण संतोष की मौत हो गई। यह घटना धवलपुर जंगल में हुई, जहां हाथी ने संतोष को कुचल दिया। जानकारी के अनुसार, संतोष बीती रात अपनी गायों को चराने के लिए धवलपुर जंगल गया था। उसे इस बात का अंदाजा नहीं था कि जंगल में 18 हाथियों का एक दल विचरण कर रहा है। अचानक एक हाथी ने उस पर हमला कर दिया और उसे जमीन पर पटक दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हाथी के लगातार हमले से संतोष की मौके पर ही मौत हो गई।

18 हाथियों का यह झुंड लगातार घूम रहा है: ग्रामीणों ने बताया कि जटगा वन परिक्षेत्र में पिछले कई दिनों से 18 हाथियों का यह झुंड लगातार घूम रहा है। यह दल फसलों को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ स्थानीय लोगों के लिए भी खतरा बना हुआ है। संतोष की मौत के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथियों को जंगल की ओर भगाने और क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

हाथी फसल नुकसान के साथ जनहानि भी कर रहे हैं : इस घटना ने वन विभाग की चिंताएं बढ़ा

दी हैं। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, कटघोरा वन मंडल में कुल 49 हाथी अलग-अलग क्षेत्रों में विचरण कर रहे हैं। इतनी बड़ी संख्या में हाथियों की मौजूदगी से आसपास के गांवों में खतरा लगातार बढ़ रहा है। हाथी फसल नुकसान के साथ-साथ जनहानि की घटनाओं को भी अंजाम दे रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और परिजनों को आवश्यक सहायता देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वन विभाग ने आसपास के सभी गांवों में अलर्ट जारी करते हुए ग्रामीणों को रात के समय, अंधेरे में या अकेले जंगल की ओर न जाने की सख्त हिदायत दी है।

मामूली बात पर पत्नी की हत्या

रायगढ़। जिले में पति ने मामूली बात को लेकर अपनी पत्नी को डंडे से पीट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार होने की कोशिश कर रहा था, लेकिन पुलिस ने उसे पकड़ लिया और गिरफ्तार कर लिया। यह मामला कापू थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार, रविवार को कापू पुलिस को ग्राम पारेमेर में एक महिला की हत्या की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। वहां एक घर के अंदर 43 वर्षीय जीतो बाई मंझवार का शव मिला। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और डॉक्टर से प्रारंभिक रिपोर्ट ली। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि महिला की हत्या उसके पति रामनाथ मंझवार (50 वर्ष) ने की है।

घटना के बाद आरोपी रामनाथ गांव से भागने की कोशिश कर रहा था ताकि पुलिस उसे पकड़ न सके। लेकिन पुलिस टीम ने तुरंत घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि घटना की रात उसकी पत्नी से मामूली बात को लेकर विवाद हुआ था।

सेशेल्स में भारतीय समुदाय से मिले पीएम मोदी

गणेश मंदिर में पूजा भी की, महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देकर भारत रवाना हुए

विक्टोरिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अपने तीन दिवसीय सेशेल्स दौरे के आखिरी दिन भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की। उन्होंने विक्टोरिया में प्रवासी भारतीयों से बातचीत की और उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। प्रधानमंत्री ने अरुल मिहु नवशक्ति विनायकर मंदिर में भगवान गणेश के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने विक्टोरिया के पीस पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। इसके बाद वह नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

इससे पहले भारत और सेशेल्स ने 19 बड़े समझौतों और विकास परियोजनाओं का ऐलान किया। इनमें सेशेल्स में यूपीआई आधारित डिजिटल भुगतान शुरू करना, 1,250 करोड़ रुपए की लाइन ऑफ क्रेडिट (लोन), साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, अंतरिक्ष और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति शामिल है। भारत ने सेशेल्स को एक फास्ट पेट्रोल वेसल, 10 यूटिलिटी वाहन, 5 नौकाएं, 6 एम्बुलेंस, 500 मीट्रिक टन चावल और 8,500 मीट्रिक टन सीमेंट भी सौंपा। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे होने

के मौके पर ये समझौते किए गए।

सेशेल्स के गोल्डन जुबली नेशनल डे में चीफ गेस्ट बने मोदी: मोदी ने रविवार को सेशेल्स के 50वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया। वह सेशेल्स के स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। इस साल सेशेल्स की आजादी और भारत-सेशेल्स के बीच राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष भी पूरे हुए हैं। राष्ट्रीय दिवस पर आयोजित परेड में असम राइफल्स, भारतीय नौसेना और नौसेना के मार्चिंग बैंड ने हिस्सा लिया। परेड के दौरान प्रधानमंत्री मोदी भारतीय सैन्य दल के सम्मान में खड़े हो गए। भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस तरकश और आईएनएस इक्षक भी पोर्ट विक्टोरिया पहुंचे। इससे पहले उन्हें सेशेल्स के सर्वोच्च नागरिक सम्मान गार्जियन ऑफ ब्लू होराइजन से सम्मानित किया गया। उन्हें अब तक 34 देशों का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिल चुका है।

गोल्डन जुबली नेशनल डे में मुख्य अतिथि: पीएम मोदी 28 जून को सेशेल्स की आजादी के 50 साल पूरे होने पर मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। इस मौके पर भारतीय सशस्त्र बलों की एक टुकड़ी और भारतीय नौसेना का युद्धपोत आईएनएस तरकश और हाइड्रोग्राफिक सर्वे शिप आईएनएस इक्षक भी परेड और समारोह का हिस्सा बनी।

175 मिलियन डॉलर का आर्थिक पैकेज: भारत ने सेशेल्स के विकास और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 175 मिलियन अमेरिकी डॉलर (1651 करोड़) के आर्थिक पैकेज की घोषणा की है। इसके अलावा भारत ने सेशेल्स को भारत में बना फास्ट पेट्रोल वेसल पीएस लेस्पवार गिफ्ट किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत में निर्मित फास्ट पेट्रोल वेसल पीएस लेस्पवार सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी को गिफ्ट किया। यह सेशेल्स की समुद्री निगरानी क्षमता को मजबूत करेगा।

नए समझौतों पर हस्ताक्षर: भारत और सेशेल्स ने 19 अहम समझौतों और घोषणाओं का ऐलान किया। इसमें प्रत्यर्पण संधि, यूपीआई आधारित डिजिटल भुगतान शुरू करने, डिजिटल भुगतान आदि शामिल थे।

मोदी ने कोको डी मेर पौधा लगाया: कोको डी मेर का पौधा और इसका फल सिर्फ सेशेल्स में ही प्राकृतिक रूप से पाया जाता है। इसके फल के अंदर मिलने वाला बीज दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे भारी बीज माना जाता है। एक अकेले बीज का वजन 15 से 30 किलोग्राम तक हो सकता है। कोको डी मेर के नर और मादा पेड़ अलग-अलग होते हैं। मादा फल महिला के कूल्हे जैसा दिखाई देता है। इसे डबल कोकोनट भी कहा जाता है। वहीं, नर फूल पुरुष के जननांग जैसा दिखता है। इस अनूठी बनावट के कारण सदियों से इस पौधे को लेकर कई तरह की लोककथाएं और पौराणिक कहानियां प्रचलित हैं।

मोदी सेशेल्स जाने वाले सिर्फ दूसरे प्रधानमंत्री: पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी साल 1976 में सेशेल्स गई थीं। उसी साल सेशेल्स आजाद हुआ था। भारत ने सेशेल्स के स्वतंत्रता समारोह में नौसेना का युद्धपोत आईएनएस नीलगिरि भी भेजा था। इसके बाद इंदिरा गांधी ने 1981 में फिर सेशेल्स का दौरा किया था। उनकी यात्रा के बाद, लगभग 34 साल तक किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री ने सेशेल्स की यात्रा नहीं की थी।

अमेरिका और ईरान एक-दूसरे पर हमले रोकने पर राजी

● आज कतर में फिर बातचीत होगी, होर्मुज से जहाजों का निकलना जारी रहेगा

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका और ईरान ने फिलहाल एक-दूसरे पर सैन्य हमले रोकने पर सहमति जताई है। दोनों देशों के बीच पिछले 3 दिनों से हमले जारी थे। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिका-ईरान में 17 जून को हुए समझौते के सभी बिंदुओं पर बातचीत जारी रहेगी। इसी सिलसिले में मंगलवार को कतर में दोनों देशों के प्रतिनिधि तकनीकी स्तर की वार्ता करेंगे। समझौते के तहत होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों की आवाजाही नहीं रोकी जाएगी। हाल के दिनों में इसी जलमार्ग को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। अमेरिका ने ईरान के मिसाइल और रडार ठिकानों पर कार्रवाई की थी, जबकि ईरान ने जवाब में कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था। इसके बाद दोनों देशों ने फिलहाल सैन्य कार्रवाई रोककर बातचीत के जरिए समाधान तलाशने पर सहमति जताई है।

अमेरिका-ईरान के बीच तकनीकी बातचीत इस हफ्ते नहीं होगी: पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ के साथ ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची। ईरान और अमेरिका के बीच स्विट्जरलैंड में 22 जून को पहले दौर की बातचीत हुई थी। पाकिस्तान और ओमान इसमें मध्यस्थ देश बने थे।

पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ के साथ ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची। ईरान और अमेरिका के बीच स्विट्जरलैंड में 22 जून को पहले दौर की बातचीत हुई थी। पाकिस्तान और ओमान इसमें मध्यस्थ देश बने थे। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली तकनीकी स्तर की बातचीत इस हफ्ते नहीं होगी। अमेरिका और ईरान ने इस महीने की शुरुआत में स्विट्जरलैंड में बातचीत की थी। उसी दौरान दोनों पक्ष तकनीकी स्तर पर बातचीत के लिए अलग-अलग कार्य समूह बनाने पर सहमत हुए थे। गरीबाबादी ने कहा कि कतर के साथ बातचीत लगातार जारी है, जिसमें दूसरे पक्ष की ओर से किए जाने वाले वादों को लागू करने पर भी चर्चा हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि दोहा में बैठक होगी, लेकिन यह खबर सही नहीं है। बैठक तभी होगी, जब सभी जरूरी शर्तें पूरी हो जाएंगी।

होर्मुज को लेकर ईरान और ओमान की मीटिंग: ईरान और ओमान ने सोमवार को मस्कट में जॉइंट होर्मुज कमेटी की पहली बैठक की। इस बैठक में होर्मुज स्ट्रेट को चलाने को लेकर चर्चा हुई। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने बताया कि उन्होंने ओमान के विशेष राजदूत अब्दुलअजीज अल हिनाई से मुलाकात की और होर्मुज से जुड़े मौजूदा मुद्दों पर विस्तार से बातचीत की। गरीबाबादी के मुताबिक दोनों देशों ने तेहरान-वॉशिंगटन समझौते की आर्टिकल-5 के तहत होर्मुज के भविष्य के प्रबंधन पर विचार-विमर्श किया। बैठक में होर्मुज के संचालन, सुरक्षा और आगे की व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर दोनों पक्षों ने अपने विचार साझा किए।

ईरान में खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होगा इंडियन डेलिगेशन: ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में भारत का एक डेलिगेशन शामिल होगा। मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इसमें बिहार के राज्यपाल जनरल सैयद हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पवित्रा मार्गेरिटा शामिल होंगी। इस महीने की शुरुआत में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार और दफन समारोह में शामिल होने का न्योता दिया था। हालांकि उनके शामिल होने की संभावना नहीं है।

ईरान बोला- कतर में फंसे 6 अरब डॉलर जल्द मिलेंगे: ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा है कि कतर में फंसी ईरान की 12 अरब डॉलर की राशि में से 6 अरब डॉलर जल्द जारी कर दिए जाएंगे। कॉम शहर में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि यह अमेरिका के साथ हुए हालिया समझौते का बड़ा नतीजा है।

सपा-कांग्रेस पर जमकर बरसे

साइकिल चलेगी तो दंगे होंगे, इसलिए जनता ने पंचर कर दी: सीएम योगी

पीलीभीत। पीलीभीत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बरखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के पतरासा कुंवरपुर गांव में 569.11 करोड़ रुपये की 66 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने करीब ढाई हजार विस्थापित परिवारों को भूमि अधिकार पत्र सौंपे। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर जमकर निशाना साधा। कहा कि सपा और कांग्रेस को सिर्फ मुसलमानों की चिंता है। उन्होंने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि यूपी की जनता ने साइकिल पंचर कर दी। अगर साइकिल चलेगी तो दंगे होंगे। कर्फ्यू लगेगा। उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में नो दंगा, नो कर्फ्यू, सब चंगा का माहौल है।

सपा-कांग्रेस ने वंचितों की कभी चिंता नहीं की: योगी-

मुख्यमंत्री ने सपा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इन दलों ने वर्षों तक शासन किया, लेकिन बांग्लादेश से आए प्रताड़ित हिंदू परिवारों, गरीबों, दलितों और वंचितों की चिंता कभी नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दलों की राजनीति केवल तुष्टिकरण तक सीमित रही, जबकि भाजपा सरकार सभी वर्गों के लिए काम कर रही है।

देश के विभाजन का दर्द आज भी झेल रहे बंगाली परिवार: सीएम - मुख्यमंत्री ने कहा कि देश का विभाजन दुर्भाग्यपूर्ण था और उसी का परिणाम है कि हजारों परिवारों को अपना घर छोड़ना पड़ा।

निर्माणाधीन रिसॉर्ट में दीवार ढही, तीन मजदूरों की मौत

जयपुर। जयपुर के चंदवाजी थाना क्षेत्र स्थित तालामोड़ में निर्माणाधीन द अरावली पैलेस रिसॉर्ट में सोमवार को हुए भीषण हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। रिसॉर्ट के बेसमेंट में एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) का निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान अचानक एक दीवार भरभराकर गिर गई, जिससे वहां काम कर रहे मजदूर मलबे के नीचे दब गए। हादसे में रिंकू, सविता और रामजी की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य मजदूर घायल हो गए। घायलों का निम्स अस्पताल में इलाज जारी है।

लंच टाइम ने टाला बड़ा हादसा: प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसा दोपहर के भोजन के समय हुआ। उस वक्त कई मजदूर खाना खाने के लिए साइट से बाहर गए हुए थे। प्रशासन का मानना है कि यदि हादसा कार्य के व्यस्त समय में होता तो जनहानि का आंकड़ा और अधिक हो सकता था।

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, मलबे की तलाश: घटना की सूचना मिलते ही सिविल डिफेंस, पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं। मलबे में दबे लोगों की तलाश के लिए तत्काल रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। सिविल डिफेंस की टीम अब भी सर्च ऑपरेशन चला रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मलबे के नीचे कोई अन्य व्यक्ति फंसा न हो। इधर जिला कलेक्टर संदेश नायक ने निम्स अस्पताल पहुंचकर घायलों की स्थिति की जानकारी ली।

एक तरफ ईरान में खामेनेई का जनाजा, दूसरी ओर अमेरिका में आजादी का जश्न

● चार जुलाई पर दुनिया की नजर

नई दिल्ली। जुलाई की शुरुआत में दुनियाभर में बड़ी हलचल देखी जा सकती है। अमेरिका एक तरफ जहां बड़े जोर-शोर से चार जुलाई को अपना स्वतंत्रता दिवस मना रहा होगा। वहीं, ईरान अपने सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई को अंतिम विदाई दे रहा होगा। इन दोनों ही घटनाओं पर दुनियाभर की नजरें होंगी।

चार जुलाई को अमेरिका की आजादी की 250वीं वर्षगांठ होगी। ऐसे में अमेरिका में हफ्तेभर तक कार्यक्रम किए जाएंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह चार जुलाई को नेशनल मॉल में होने वाले दुनिया के सबसे शानदार आयोजन को संबोधित करेंगे। वहीं, ईरान तीन से पांच जुलाई तक आयुतल्लाह अली खामेनई को अंतिम विदाई दे रहा है। उनके जनाजे में करोड़ों लोगों के शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है। अगर ऐसा होता है तो यह दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा जनसैलाब होगा। इससे पहले 1989 में ईरान के पहले सर्वोच्च नेता रुहोल्लाह खुमैनी के

जनाजे में तकरीबन एक करोड़ लोग जुटे थे। उनके उत्तराधिकारी अली खामेनेई पश्चिम एशिया के सबसे लंबे समय तक सत्ता में रहने वाले प्रमुख थे। इस साल 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका के संयुक्त हवाई हमलों में उनकी हत्या कर दी गई थी।

अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर 13,000 से अधिक हवाई हमले किए, जिसके कारण आयतुल्लाह को अंतिम विदाई देना बेहद जोखिम भरा हो गया था। हालांकि आठ अप्रैल से अमेरिका और ईरान के बीच अस्थायी युद्धविराम लागू है। इसके बाद 17 जून को राष्ट्रपति ट्रंप और उनके ईरानी समकक्ष मसूद पेजेश्कियान ने युद्ध समाप्त करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर साइन किए। दोनों देशों के बीच स्थायी शांति के लिए बातचीत जारी है।

स्टालिन ने कर दिया बहुत बड़ा दावा

तमिलनाडु में गिरने वाली है थलपति विजय की सरकार

नई दिल्ली। तमिलनाडु में सीएम थलपति विजय की सरकार को लेकर तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बहुत बड़ा दावा कर दिया है। स्टालिन ने कहा है कि विजय की सरकार जल्द ही गिर सकती है और राज्य में जल्दी चुनाव भी हो सकते हैं। राज्य में बीते महीने आए चुनाव परिणामों के बाद सत्ता से बाहर होने वाली मुख्य विपक्षी दल द्रमुक (डीएमके) के अध्यक्ष स्टालिन ने रविवार रात एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह बातें कही हैं। उन्होंने इस दौरान राज्य में बहुत जल्द मध्यावधि चुनाव होने की भविष्यवाणी भी की।

स्टालिन ने दावा किया कि अभिनेता से नेता बने मुख्यमंत्री विजय की अगुवाई वाली तमिलगा वेत्री कझगम सरकार के पास बहुमत नहीं है और अगले 3 से 6 महीनों के भीतर राज्य में विधानसभा चुनाव दोबारा हो सकते हैं। पार्टी कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए स्टालिन ने टीवीके सरकार के आंकड़ों का गणित भी समझाया।

क्या बोले स्टालिन?: बता दें कि तमिलनाडु की 234 सीटों वाली विधानसभा में बहुमत के लिए कम से कम 118 सीटें चाहिए। हालिया विधानसभा चुनावों में मुख्यमंत्री विजय की पार्टी टीवीके सबसे पार्टी बन कर उभरी थी। लेकिन टीवीके केवल 108 सीटें ही जीत सकी थी। इसके बाद विजय ने कांग्रेस, आईयूएमएल और वीसीके जैसे दलों के समर्थन से सरकार बनाई। स्टालिन ने इन दलों का हवाला देते हुए आगे कहा कि टीवीके सरकार अपने दम पर नहीं, बल्कि द्रमुक गठबंधन के पूर्व सहयोगियों के समर्थन के भरोसे ही चल रही है। उन्होंने कहा, चुनाव कभी भी आ सकते हैं।

सरला भट्ट हत्याकांड: 35 साल बाद यासीन मलिक समेत 5 आतंकियों पर चार्जशीट

● तिहाड़ से चलेगा मुकदमा

श्रीनगर। कश्मीर में आतंकवाद के शुरुआती दौर के सबसे जघन्य अपराधों में शामिल कश्मीरी हिंदू नर्स सरला भट्ट के अपहरण और हत्या मामले में 35 वर्ष बाद बड़ी जांच कार्रवाई हुई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए) ने अपनी जांच में जेकेएलएफ के पांच आतंकवादियों की संलिप्तता पाई है और संगठन के पूर्व कमांडर मोहम्मद यासीन मलिक तथा उनके सहयोगी खुर्शीद अहमद चाल्कू के खिलाफ 737 पृष्ठों का आरोपपत्र दाखिल किया है।

एसआईए के अनुसार, मामले में पांच आतंकवादियों–यासीन मलिक, अब्दुल हमीद शेख, गुलाम मोहम्मद टपलू, मोहम्मद यूसुफ उर्फ इदरीस और खुर्शीद अहमद चाल्कू–की भूमिका सामने आई है। इनमें अब्दुल

हमीद शेख, गुलाम मोहम्मद टपलू और मोहम्मद यूसुफ की पिछले वर्षों में मृत्यु हो चुकी है। एजेंसी का कहना है कि खुर्शीद चाल्कू करीब दो दशक पहले पाकिस्तान भाग गया था। यासीन मलिक और चाल्कू के विरुद्ध उद्घोषणा (प्रोक्लेमेशन) की कार्रवाई भी शुरू की जा रही है।

यासीन मलिक फिलहाल दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। उन्हें आतंकवाद के वित्तपोषण और आतंकी गतिविधियों से जुड़े मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई जा चुकी है। इसके अलावा वे रुबैया सईद अपहरण कांड और 1990 में भारतीय वायुसेना के चार कर्मियों की हत्या से जुड़े मामलों में भी मुकदमे का सामना कर रहे हैं।

19 अप्रैल 1990 को बरामद हुआ था शव: एसकेआईएमएस, सौरा में कार्यरत नर्स सरला भट्ट का अपहरण कर उनकी हत्या कर दी गई थी। 19 अप्रैल 1990 को श्रीनगर के मल्लाबाग क्षेत्र से उनका गोलियों से छलनी शव बरामद हुआ था। यह घटना कश्मीर में आतंकवाद के शुरुआती दौर के सबसे निर्मम अपराधों में गिनी जाती है और इसे कश्मीरी पंडितों के पलायन के दौर की प्रतीक घटनाओं में भी माना जाता है।

34 साल बाद एसआईए को सौंपी गई जांच: आतंकवाद के चरम दौर में भय और गवाहों के सामने न आने के कारण यह मामला दशकों तक अनसुलझा रहा। 18 मार्च 2024 को पुलिस महानिदेशक के आदेश पर इसकी जांच एसआईए को सौंपी गई।

केरल में सियासी दंगल: बीजेपी-कांग्रेस पार्षदों में भिड़ंत

हुई तू-तू,मैं-मैं, पार्षद की कुर्सी पर बवाल

तिरुवनंतपुरम। केरल के तिरुवनंतपुरम नगर निगम में सोमवार को परिषद की बैठक के दौरान जमकर हंगामा और मारपीट हुई। वाझोट्टुकोनम वार्ड से भाजपा पार्षद सुगथन के इस्तीफे की मांग को लेकर एलडीएफ पार्षदों ने प्रदर्शन शुरू किया था। इसी दौरान भाजपा और कांग्रेस पार्षदों के बीच तीखी बहस हो गई, जिसने देखते ही देखते हाथापाई का रूप ले लिया।

विवाद की जड़ में क्या? : इस पूरे विवाद की जड़ भाजपा पार्षद सुगथन की गिरफ्तारी है। सुगथन को बीते 10 जून को केरल असामाजिक गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (केएएपीए) के तहत गिरफ्तार किया गया था। सुगथन पर एक मंदिर उत्सव के दौरान कथित हमले का आरोप है। केरल उच्च न्यायालय से अग्रिम जमानत खारिज होने के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की थी। सुगथन पर पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

गिरफ्तारी के वक्त हुआ था भारी बवाल, पुलिस ने चलाई थी गोली

10 जून को जब पुलिस भाजपा पार्षद सुगथन को गिरफ्तार करने पहुंची, तो भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुलिस टीम को घेर लिया था। पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच टकराव इतना बढ़ गया कि भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को हवा में गोली चलानी पड़ी। इस हंगामे के बाद पुलिस ने सुगथन और चार अन्य लोगों के खिलाफ लोक सेवकों पर हमला करने और सरकारी काम में बाधा डालने का एक नया मुकदमा भी दर्ज किया है।

प्रथम पेज का शेष

इकबीर का संदेश समाज और...

अपने सरल किंतु प्रभावशाली विचारों से समाज को नई दिशा दी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज भी उनकी शिक्षाएं समाज में प्रेम, भाईचारे और समरसता की प्रेरणा देती हैं।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि उनकी सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 18 लाख आवासों की स्वीकृति मिली है तथा 10 लाख से अधिक आवास पूर्ण हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में अब सुरक्षा बलों के साहस और केंद्र सरकार के सहयोग से शांति एवं विकास का नया दौर शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए पीएम जनमन योजना, महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना, श्रीरामलला दर्शन योजना, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना तथा प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना जैसी योजनाओं का लाभ बड़ी संख्या में लोगों को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ने आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 प्रारंभ की है। उन्होंने लोगों से इस सुविधा का अधिक से अधिक उपयोग करने की अपील करते हुए कहा कि तय समय-सीमा में शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा तथा लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई भी की जाएगी।

जेल भेजे गए राम मंदिर...

ये हैं चढ़ावा चोरी के आरोपित: अनुकल्प मिश्र, लवकुश मिश्र, मनीष यादव, राजेश पाठक, रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू, अविनाश शुक्ल, करुणेश पांडेय और सुभाष श्रीवास्तव।

एसआईटी ने की थी एफआईआर की सिफारिश: एसआईटी ने रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय के चालक रहे रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू सहित आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी की सिफारिश की थी। यह घटनाक्रम तब हुआ जब विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) भी राम मंदिर में मिले दान में कथित हेराफेरी को लेकर एफआईआर की मांग में शामिल हो गई।

टूट ही गया नकटी गांव

लोगों की नाराजगी है कि 23, 25 लोगों का उनका परिवार यहां 4 मकान में रहता था लेकिन प्रशासन की ओर से उन्हें एक ही घर दिए जाने की बात कह रहे हैं।

80 से ज्यादा मकान तोड़े: नकटी गांव में 80 से ज्यादा मकानों को तोड़ दिया गया है। घर के सामानों को नया रायपुर ईडब्ल्यूएस कॉलोनी भेजे गए हैं। सुरक्षा की दृष्टि से प्रशासन की टीम मौके पर तैनात रहेगी। वहीं कांग्रेस नेता विकास उपाध्याय ने कहा कि विधायक कॉलोनी बनाने के लिए 95 से ज्यादा घरों के लोगों को बेघर कर दिया गया। सांसद बृजमोहन ने भी लोगों से झूठ बोला। उन्होंने बारिश में मकान नहीं तोड़ने का आश्वासन दिया था।

भारत की साख पर नहीं कोई...

इसका आउटलुक स्टेबल (स्थिर) है। डी गुजमैन के अनुसार, यह रेटिंग कोरोना महामारी के बाद से अपनी राजकोषीय स्थिति को मजबूत करने में सरकार की लगातार प्रगति को दिखाता है। इस महीने की शुरुआत में ब्लूमबर्ग न्यूज ने रिपोर्ट दी थी कि नीति निर्माता मौजूदा वित्त वर्ष (जो मार्च 2027 में खत्म होगा) के दौरान राजकोषीय घाटे के 50 बेसिस पॉइंट्स तक बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.8फीसदी होने की तैयारी कर रहे थे। हालांकि, डी गुजमैन ने यह नहीं बताया कि राजकोषीय स्थिति में कितनी गिरावट को मूडीज भारत की मौजूदा रेटिंग के अनुकूल मानेगा। उन्होंने कहा कि उन्हें भरोसा है कि सरकार समझदारी भरे राजकोषीय सुधार (फिस्कल कंसोलिडेशन) के रास्ते पर आगे बढ़ती रहेगी। भारत ने अनुमान लगाया है कि उसका राजकोषीय घाटा मार्च 2027 तक घटकर 4.3फीसदी हो जाएगा। यह वित्त वर्ष 2020-21 में रिकॉर्ड 9.2फीसदी था।

जंगल शांत, अब नेटवर्क पर...

नजर रखने के लिए खुफिया तंत्र सक्रिय किया गया है। दूसरे राज्यों में सक्रिय कथित अर्बन नक्सल नेटवर्क की जानकारी जुटाना भी एसआईबी की नई प्राथमिकताओं में शामिल है। एजेंसी अब केवल स्थानीय गतिविधियों तक सीमित नहीं रहकर राज्य के बाहर फैले संपर्कों और नेटवर्क को भी ट्रैक कर रही है। श्रमिक संगठनों और उन समूहों पर भी नजर रखी जा रही है, जिनका अतीत में नक्सली विचारधारा से किसी तरह का संबंध या प्रभाव रहा है। सुरक्षा एजेंसियां यह जानने की कोशिश कर रही हैं कि कहीं पुराने नेटवर्क दोबारा सक्रिय होने की कोशिश तो नहीं कर रहे। सरेंडर कर चुके नक्सलियों की गतिविधियां भी खुफिया निगरानी में हैं। उनके संपर्कों, मुलाकातों और वर्तमान गतिविधियों की जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे दोबारा किसी प्रतिबंधित नेटवर्क से नहीं जुड़ रहे हैं। हालांकि बस्तर संभाग के सात जिलों के साथ गरियाबंद और मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जैसे इलाकों में अभी भी एसआईबी की मौजूदगी बनी रहेगी। इन क्षेत्रों में नक्सली गतिविधियों का इतिहास रहा है और कई इलाके दूसरे राज्यों की सीमाओं से जुड़े हुए हैं। इसलिए यहां सुरक्षा तंत्र को पूरी तरह हटाना अभी संभव नहीं माना जा रहा है।

चीन ने फिर की चालबाजी, तीस्ता डील पर भारत की चिंताओं को किया दरकिनार

● बोला- तीसरा देश दखल न दे

नई दिल्ली। भारत की गंभीर सुरक्षा चिंताओं के बावजूद, चीन ने बांग्लादेश की तीस्ता नदी व्यापक प्रबंधन और बहाली परियोजना को अपना पूरा समर्थन दोहराया है। बीजिंग में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने साफ शब्दों में कहा कि चीन और बांग्लादेश का यह आपसी सहयोग किसी तीसरे देश को निशाना नहीं बनाता है, इसलिए इसे किसी तीसरे देश के प्रभाव या दखल से पूरी तरह मुक्त होना चाहिए।

चीन ने बताया रोजगार और आजीविका का प्रोजेक्ट

भारत की आपत्तियों का जवाब देते हुए चीन के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने इसे आम लोगों से जुड़ा

प्रोजेक्ट बताया। उन्होंने कहा कि तीस्ता नदी का व्यापक उपचार और जीर्णोद्धार एक आजीविका परियोजना है, जिसे बांग्लादेश सरकार बहुत ज्यादा महत्व देती है। चीन इस परियोजना का समर्थन करने के लिए जो कुछ भी कर सकता है, उसे करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने आगे कहा कि चीन, बांग्लादेश के साथ अपनी विकास रणनीतियों को और मजबूत करने और व्यापार, जल संरक्षण और जन-जीवन से जुड़े क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए उत्सुक है।

बांग्लादेश और चीन के बीच नया समझौता: पहली बार होगी तकनीकी स्टडी- बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने बताया कि दोनों देशों के विशेषज्ञ अब पहली बार इस परियोजना पर एक गहन तकनीकी अध्ययन करेंगे। दोनों पक्ष इस पर सहमत हो गए हैं। अगर यह स्टडी प्रोजेक्ट को सही ठहराती है, तो चीन इस योजना को पूरा करने के लिए हर संभव वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करेगा। नदियों के प्रबंधन को लेकर ढाका और बीजिंग के बीच नजदीकियां लगातार बढ़ रही हैं। इसी साल जनवरी (2026) में, बांग्लादेश जल विकास बोर्ड और चीन की सरकारी कंपनी पावरचाइना ने एक समझौता ज्ञापन के विस्तार पर हस्ताक्षर किए थे, जिसने इस ठंडे बस्ते में पड़ी परियोजना को दोबारा रफ्तार दे दी है।

तिरछी नज़र से

जीडीपी का जादू, जेब का जुगाड़

प्रभातदत्त झा

सुधी पाठकों, पिछले दिनों एक ख़बर आई कि देश की जीडीपी सात दशमलव सात प्रतिशत की रफ़्तार से दौड़ रही है। यह सुनकर हमारे मोहल्ले के पंडित जुगल किशोर इतने ख़ुश हुए कि उन्होंने अपनी साइकिल की चेन तक तेल पिला दी-सोचा, अब तो रफ़्तार ही रफ़्तार है। मगर जब वे सब्ज़ी ख़रीदने बाज़ार गए और आलू-प्याज़ के भाव सुने, तो उनकी रफ़्तार वहीं ठहर गई। बोले, ''यह जीडीपी कहीं और दौड़ रही है, मेरी थैली तो वहीं खड़ी है, जहाँ पिछले साल थी।''

दरअसल सरकार ने इस बार जीडीपी मापने का तरीक़ा ही बदल दिया है। नया आधार वर्ष आया है-2022-23—और उसमें अब जीएसटी नेटवर्क का डेटा, इलेक्ट्रिक गाड़ियाँ, और घरों में काम करने वाले रसोइए, ड्राइवर व नौकरों की सेवाएँ भी शामिल कर ली गई हैं। मतलब अब अगर आपके घर में खाना बनाने वाली मेहरारू भी काम करती है, तो वह भी जीडीपी में अपना योगदान दे रही हैं-बिना यह जाने कि उनकी मेहनत किसी आँकड़े में 'ग्रोथ' बनकर मंत्रालय की फ़ाइलों में चमक रही है, जबकि उनकी अपनी तनख़्वाह वहीं की वहीं अटकी है, जहाँ तीन साल पहले थी।

यह वैसा ही है जैसे कोई गृहिणी रसोई में आटे की क़ीमत बढ़ने पर परेशान हो, और उसका पति अख़बार पढ़कर कहे, ''चिंता क्यों करती हो, देश की अर्थव्यवस्था चौथे नंबर पर पहुँच गई।'' गृहिणी पूछे, ''चौथे नंबर पर अर्थव्यवस्था पहुँची, तो पाँचवें नंबर पर हमारा महीने का राशन कब पहुँचेगा?'' पति निरुत्तर हो जाता है, क्योंकि आँकड़ों की भाषा और रसोई की भाषा में अनुवादक अभी तक नियुक्त नहीं हुआ।

भाइयों और बहनों, यही वह जादू है जो हमारे आर्थिक पंडित बरसों से दिखाते आए हैं। जीडीपी बढ़ती दिखानी हो तो आधार वर्ष बदल दो, परिभाषा बदल दो, टोकरी में नई चीज़ें डाल दो-जैसे कोई जादूगर खाली टोपी में रूमाल डालकर कबूतर निकाल दे। दर्शक तालियाँ बजाते हैं, यह सोचे बिना कि कबूतर पहले से जादूगर की जैकेट में बैठा था।

इधर विश्व बैंक ने भी अपनी राय दे दी है कि आने वाले साल में हमारी रफ़्तार घटकर साढ़े छह प्रतिशत के आसपास सिमट जाएगी, क्योंकि तेल और ऊर्जा की क़ीमतें आम आदमी की जेब पर पहले से ज़्यादा बोझ डाल रही हैं। यानी एक तरफ़ मंत्रालय कह रहा है कि हम दुनिया में सबसे तेज़ दौड़ रहे हैं, दूसरी तरफ़ पेट्रोल पंप पर खड़ा आम नागरिक हिसाब लगा रहा है कि इस महीने बाइक में तेल भरवाए या बच्चे की फ़ीस जमा करे।

पंडित जुगल किशोर का मानना है कि असली जीडीपी वही है जो उनकी जेब में महीने के आख़िर में बचती है-और वह आँकड़ा पिछले दस साल से लगातार ऋणात्मक चल रहा है। उन्होंने एक नायाब सुझाव भी दिया है-सरकार को चाहिए कि अगली बार जीडीपी मापते समय उसमें यह भी शामिल करे कि आम आदमी की मुस्कान कितनी प्रतिशत बढ़ी या घटी। उस आँकड़े में, उनका दावा है, हम शायद माइनस में चले जाएँ।

बहरहाल, जीडीपी की दौड़ जारी है, और हम सब उसके तमाशबीन हैं-कभी ताली बजाते, कभी अपनी जेब टटोलते। फ़र्क़ सिर्फ़ इतना है कि दौड़ में मेडल किसी और के गले में पड़ रहा है, और हाँफना हमारे हिस्से में आया है।

देवेंद्रनगर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

उच्च न्यायालय में सीधी वकालत, न्याय प्रणाली के लिए वरदान या अभिशाप?

डॉ. निधि गुप्ता
(पी. एच.डी., एम.लिब., एल.एल.बी., बी.एस.सी.)

प्रस्तावना

भारतीय न्याय व्यवस्था में अधिवक्ता को 'ऑफिसर ऑफ द कोर्ट' कहा जाता है। कानून की डिग्री (LLB) प्राप्त करना एक उपलब्धि है, लेकिन वकालत एक ऐसा कौशल है जो केवल अनुभव की भट्टी में तपकर ही निखरता है। वर्तमान में एक गंभीर प्रवृत्ति देखी जा रही है–युवा विधि स्नातक बिना किसी व्यावहारिक अनुभव के सीधे उच्च न्यायालय (High Court) में प्रैक्टिस शुरू कर रहे हैं। यह स्थिति न केवल न्याय की गुणवत्ता बल्कि स्वयं अधिवक्ताओं के भविष्य पर भी सवालिया निशान खड़ा करती है।

अनुभवहीनता का संकट और संभावित नुकसान

उच्च न्यायालय मुख्य रूप से संवैधानिक और अपीलीय न्यायालय है। यहाँ सीधे वकालत करने से कई गंभीर चुनौतियाँ पैदा होती हैं:

जमीनी हकीकत से दूरी: एक मुवक्किल के केस की नींव निचली अदालतों (Trial Courts) में रखी जाती है, जहाँ गवाही, साक्ष्य (Evidence) और जिरह (Cross-e&amination) की प्रक्रिया होती है। जो वकील सीधे उच्च न्यायालय पहुँचते हैं, वे अक्सर केस की फाइल की तकनीकी बनावट और साक्ष्यों के विश्लेषण में विफल रहते हैं।

प्रक्रियात्मक और ड्राफ्टिंग त्रुटियां: उच्च न्यायालय में रिट याचिका और अपीलों के अपने सख्त नियम होते हैं। अनुभव की कमी के कारण अक्सर कमजोर ड्राफ्टिंग की जाती है, जिससे न केवल मुवक्किल का नुकसान होता है, बल्कि न्यायालय का कीमती समय भी बर्बाद होता है।

आत्मविश्वास और शिष्टाचार का अभाव: वरिष्ठ न्यायाधीशों के सामने कानूनी तर्कों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए मानसिक परिपक्वता और कोर्ट रूम प्रोटोकॉल की गहरी समझ चाहिए, जो केवल वर्षों के अभ्यास से आती है।

भविष्य के लिए प्रस्तावित सख्त और उन्नत सुधार

न्याय प्रणाली की गरिमा बनाए रखने के लिए अब केवल डिग्री काफी नहीं है। समय की मांग है कि उच्च न्यायालय में वकालत के लिए कुछ कड़े 'फिल्टर' और मानक तय किए जाएं:

अनिवार्य निचली अदालत का अनुभव: नियम बनाया जाना चाहिए कि उच्च न्यायालय में स्वतंत्र प्रैक्टिस के लिए कम से कम 3 से 5 वर्ष का अनुभव जिला या सत्र न्यायालयों में अनिवार्य हो। इससे वकील को केस की जड़ (Ground Reality) समझ आएगी।

'हाई कोर्ट प्रैक्टिशनर' परीक्षा (AOR की तर्ज पर): जैसे सुप्रीम कोर्ट में 'एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड' (AOR) की परीक्षा होती है, वैसे ही प्रत्येक उच्च न्यायालय को अपनी एक योग्यता परीक्षा आयोजित करनी चाहिए। यह परीक्षा केवल सैद्धांतिक न होकर व्यावहारिक ड्राफ्टिंग और नवीनतम केस-लॉ पर आधारित हो।

अनिवार्य प्युपिलज (Pupillage) और मेंटरशिप: ब्रिटेन की तर्ज पर, नए वकीलों के लिए कम से कम एक साल किसी वरिष्ठ अधिवक्ता के साथ 'ट्रेनिंग पीरियड' अनिवार्य होना चाहिए। इस दौरान उनके आचरण और सीखने की प्रगति का ऑडिट बार काउंसिल द्वारा किया जाए।

डिजिटल साक्षरता और विशेषज्ञता (Specialization): आधुनिक समय में ई-फाइलिंग और एआई-आधारित रिसर्च अनिवार्य है। उच्च न्यायालय में प्रवेश के लिए 'डिजिटल दक्षता टेस्ट' और विशिष्ट कानूनों (जैसे टैक्स, क्रिमिनल या संवैधानिक कानून) में विशेषज्ञता प्रमाण-पत्र को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

प्रो-बोनो कार्य का कोटा: अनुभव के प्रमाण के रूप में, युवा वकीलों को उच्च न्यायालय आने से पहले निचली अदालतों में कम से कम 5 से 10 केस गरीबों के लिए (मुफ्त) लड़ने का रिकॉर्ड दिखाना चाहिए।

निष्कर्ष

उच्च न्यायालय 'सीखने की जगह' (Learning Ground) नहीं, बल्कि 'प्रोफेशनल ग्राउंड' होना चाहिए। जिस तरह एक डॉक्टर बिना इंटर्नशिप और अनुभव के सीधे सर्जरी नहीं कर सकता, उसी तरह एक वकील को बिना जमीनी अभ्यास के सीधे उच्च न्यायालय में पैरवी की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। यदि बार काउंसिल और न्यायपालिका इन उन्नत सुधारों को लागू करती है, तो इससे न केवल अधिवक्ताओं का स्तर ऊँचा होगा, बल्कि 'न्याय मिलने में देरी' जैसी समस्याओं का भी समाधान होगा।

धागों में बसते रंग

जब बुनाई से पहले ही तैयार हो जाती है कपड़ों की खूबसूरती

सुलक्षणा जिल्लार

कपड़ों को रंगना सदियों पुरानी कला है ,लेकिन वस्त्रों की दुनिया में एक ऐसी अनोखी तकनीक भी है ,जिसमें कपड़ों को नहीं बल्कि धागों को पहले रंगा जाता है ,बाद में इन्हीं रंगीन धागों से बुना गया कपड़ा अपने आप में अद्भुत डिजाइन और रंगों का संगम बन जाता है ।यही तकनीक वस्त्रों को एक अलग पहचान और कलात्मक सौंदर्य प्रदान करती है। वस्त्र निर्माण की दुनिया में एक बेहद अनोखी और पारंपरिक तकनीक है ।इसमें पहले सूती रेशमी धागों को विभिन्न प्राकृतिक किया कृत्रिम रंगों से रंगा जाता है। इसके बाद इन रंगीन धागों को विशेष क्रम में करघे में बुन। जाता है, जिससे कपड़े पर अद्भुत डिजाइन अपने आप उभर कर सामने आते हैं

इस पारंपरिक सोच और तकनीक को टेक्सटाइल की दुनिया में यान फर्स्ट एप्रोच कहा जाता है ।आम कपड़ों में पहले सादा कपड़ा बन जाता है और फिर उसे पर छपाई यांगे की जाती है लेकिन इकत के धागा ही कल का कैनवस बनता है। धागों से कल। के जन्म लेने के इस सफर को तीन खूबसूरत पड़ाव में समझा जा सकता है ।

1 धागों की गणितीय सोच

करघे पर कपड़ा बुनने से पहले ही बुनकर के दिमाग में पूरी डिजाइन का नक्शा होता है।वह हर एक धागे को गिन कर तय करता है, की किस धागे के किस हिस्से पर कौन सा रंग आएगा। यह बुनाई के पहले की एक बेहद जटिल गणित की गणना है।

2 रंगों का रहस्य

धागों को कसकर बांधने की प्रक्रिया एक सस्पेंस की तरह है। जब तक धागे रंग कर खुलती नहीं है, तब तक कला छिपी रहती है।धागों के भीतर तक रंग समा जाने के कारण ही इकत का कपड़ा दोनों तरफसे एक जैसा दिखाई देता है

3 करघे पर कल का जन्म

जब इन रंगे हुए धागों को करघे पर चढ़ाया जाता है, तो वह हर एक धागे के जुड़ने से धीरे-धीरे डिजाइन उभरने लगती है। बुनाई के समय धागों के सूक्ष्म खिंचाव से जो धुंधलापन आता है, वही इस कला की असली खूबसूरती और इसकी हस्तशिल्प होने की पहचान है।

आज आधुनिक फैशन और टेक्सटाइल उद्योग में भी यह डिजाइज का व्यापक उपयोग किया जा रहा है ।चेक्स स्ट्रीक्स और कई प्रीमियम फैब्रिक इसी प्रक्रिया से तैयार किए जाते हैं ।यह तकनीक न केवल रंगों की टिकाऊ पर बढ़ती है बल्कि वस्त्रों को एक विशिष्ट पहचान भी देती है।धागों में समाये रंग यह साबित करते हैं कि सृजन की शुरुआत हमेशा अंतिम रूप से नहीं होती, बल्कि इसकी बुनियाद से होती है। यही धागे आगे चलकर भारतीय कला संस्कृति और शिल्प कौशल की कहानी दुनिया तक पहुंचाते हैं।इसलिए कहा गया है कि रंग कपड़ों पर नहीं पहले धागों पर चढ़ते हैं और वहीं से जन्म होती है बुनाई की असली कला।

हैदराबाद निवेशक कनेक्ट में छत्तीसगढ़ को 9,580 करोड़ के प्रस्ताव

डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर, सीमेंट और सोलर सेक्टर में 7,800 नौकरियों के नए अवसर

जी. वी. एन. राजू

12 जून 2026 को हैदराबाद में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा आयोजित 'इन्वेस्टर्स कनेक्ट' कार्यक्रम में सात प्रमुख कंपनियों ने राज्य में कुल रू. 9,580 करोड़ के निवेश प्रस्ताव दिए। इन प्रस्तावों से सीधे तौर पर लगभग 7,800 नौकरियां सृजित होने की संभावना है। यह सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था को पारंपरिक खनन-आधारित मॉडल से आगे ले जाने की दिशा में एक ठोस कदम है।

सबसे बड़ा प्रस्ताव हाइपरनेक्स्ट डेटा सेंटर का रू 4,200 करोड़ का है, जिससे डेटा सेंटर स्थापित होगा और करीब 250 उच्च-कुशल नौकरियां बनेंगी। डिजिटल इकोनॉमी के युग में डेटा सेंटर राज्य को क्लाउड कंप्यूटिंग और एआई इंफ्रास्ट्रक्चर का हब बनाने में मदद कर सकते हैं। दूसरा बड़ा प्रस्ताव फीग्रेड एंड कंपनी का रू 2,912 करोड़ का सीमेंट क्षेत्र में है, जिससे 4,000 से अधिक नौकरियां मिलने की उम्मीद है। बुनियादी ढांचे के विकास के साथ यह प्रस्ताव राज्य की निर्माण गतिविधियों को गति देगा।

निवाई लैब्स का रू 1,000 करोड़ का सेमीकंडक्टर और जीपीयू इंफ्रास्ट्रक्चर प्रस्ताव सबसे रणनीतिक है। भारत सरकार के सेमीकंडक्टर मिशन के साथ तालमेल बिठाते हुए यह कदम छत्तीसगढ़ को हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग की ओर ले जा सकता है। एसजी मार्ट का रू 700 करोड़ का सोलर उपकरण निर्माण प्रस्ताव हरित ऊर्जा लक्ष्यों के अनुरूप है, जबकि श्री सरवणा मिल्स का रू 528 करोड़ का टेक्सटाइल प्रस्ताव श्रम-प्रधान उद्योग को मजबूत करेगा (लगभग 2,500 नौकरियां)। कबरा ड्रग्स (रू 200 करोड़, फार्मा) और दिनशॉ डेयरी (रू 40 करोड़, डेयरी प्रोसेसिंग) जैसे प्रस्ताव मूल्य संवर्धन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ाव बढ़ाएंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्पष्ट किया कि राज्य की नई औद्योगिक नीति, सिंगल विंडो सिस्टम और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर निवेशकों को आकर्षित कर रहे हैं। पिछले दो वर्षों में राज्य को रू 8 लाख करोड़ से अधिक के प्रस्ताव मिल चुके हैं। छत्तीसगढ़ की खनिज संपदा, रणनीतिक भौगोलिक स्थिति और नक्सल मुक्त छवि अब उच्च-तकनीकी और हरित उद्योगों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बन रही है।

हालांकि चुनौतियां बाकी हैं। सेमीकंडक्टर और डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों के लिए कुशल कार्यबल, विश्वसनीय बिजली आपूर्ति और डिजिटल कनेक्टिविटी जरूरी है। यदि सरकार कौशल विकास कार्यक्रमों को तेजी से आगे बढ़ाए और भूमि-जल-बिजली जैसे मूलभूत मुद्दों को समयबद्ध हल करे, तो ये प्रस्ताव वास्तविकता बन सकते हैं।

कुल मिलाकर यह निवेश छत्तीसगढ़ को 'रिसोर्स स्टेट' से 'नॉलेज एंड मैन्युफैक्चरिंग स्टेट' की ओर ले जाने का अवसर है। यदि नीतिगत निरंतरता और तेज क्रियान्वयन बना रहा, तो आने वाले वर्षों में राज्य की आर्थिक संरचना और रोजगार परिदृश्य दोनों में सकारात्मक बदलाव दिखेगा।

(आर्थिक मामलों के जानकार और मजदूर आंदोलनों को धार देने वाले नेतृत्व)

सर्जिकल रोबोटिक्स में भारत का डंका

एसएस इनोवेशन इंटरनेशनल को मिला प्रतिष्ठित 'आउटस्टैंडिंग कंपनी' सम्मान

जून 2026 भारत के मेडिकल टेक्नोलॉजी (मेडटेक) क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए एसएस इनोवेशन इंटरनेशनल को सर्जिकल रोबोटिक्स टेक्नोलॉजी (एसआरटी) इंडस्ट्री अवार्ड्स 2026 में च्आउटस्टैंडिंग कंपनीज्ज सम्मान से नवाज़ा गया है। यह पुरस्कार पाने वाली भारत की पहली कंपनी बन गई है। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि कंपनी का चयन सर्जिकल रोबोटिक्स और मेडिकल टेक्नोलॉजी क्षेत्र की दुनिया की प्रतिष्ठित कंपनियों–इंट्यूइटिव, मेडट्रॉनिक, जॉनसन एंड जॉनसन मेडटेक, डिस्टलमोशन, मेरिल, माइक्रोपोर्ट, थिंक सर्जिकल,

फ्यूटेक और प्रिसिजन आईओ ग्रुप–के बीच से किया गया। इस सम्मान ने वैश्विक सर्जिकल रोबोटिक्स उद्योग में एसएस इनोवेशन इंटरनेशनल की मजबूत और अग्रणी उपस्थिति को और सुदृढ़ किया है।

अपने चौथे संस्करण में प्रवेश कर चुके सर्जिकल रोबोटिक्स टेक्नोलॉजी (एसआरटी) इंडस्ट्री अवार्ड्स को सर्जिकल रोबोटिक्स क्षेत्र के सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक सम्मानों में गिना जाता है।

मानसून और गर्मियाँ: बिलासपुर में पक्षियों के जीवन-चक्र के लिए अहम मौसम

राहूल गुप्ता

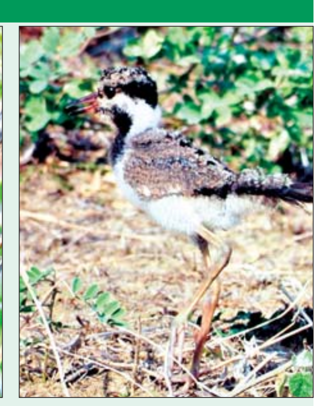

गर्मी और आने वाला मानसून भारतीय उपमहाद्वीप के पक्षियों के जीवन में महत्वपूर्ण दौर हैं, और बिलासपुर भी इससे अछूता नहीं है। इन महीनों में अधिकांश पक्षी प्रजनन के शिखर पर होते हैं। पूर्व-मॉनसून की बारिश की वजह से कीटों की संख्या में तेज़ वृद्धि होती है – जो कई प्रजातियों का मुख्य आहार हैं – और यह मात्रा माता-पिता को अपने चूजों को पोषित करने में बड़ी मदद देती है।

स्थायी प्रजातियाँ और कुछ आवासी प्रवासी इस मौसमी अवसर का पूरा लाभ उठाते हैं। बिलासपुर और आसपास के क्षेत्रों में इन दिनों इंडियन पिट्टा, ब्लू-नेप्ड मोनार्क, इंडियन पैराडाइज़ फ्लाईकैचर और व्हाइट-थ्रोटेड किंगफिशर के घोंसले व निर्भर चूजों के दर्शन हो रहे हैं। जमीन पर घोंसला बनाने वाले रेड-वॉटेड और येलो-वॉटेड लैपविंग भी आसानी से दिखते हैं, जबकि ब्लैक-विंग्ड स्टिल्ट, स्मॉल प्रेटिनकोल और ओरिएण्टल प्रेटिनकोल जैसे वेटलैंड-पक्षी अपने चूजों को नाखून और दलदलों पर पाले जा रहे हैं। स्कैवेन्ज़र व कुछ झाड़ी-रहने वाली प्रजातियाँ – मिस्र का गिद्ध, विविध बैबलर व कूक्कू – भी प्रजनन गतिविधि दिखा रही हैं, जो स्थानीय आवासों की सेहतमंद विविधता का संकेत है। बगुलों, बगीचों और झाड़ियों में घोसलों व चूजों की स्पष्टता बिलासपुर की समृद्ध एविफौना विविधता और प्रजनन आवासों के संरक्षण की आवश्यकता को रेखांकित करती है। सरल उपाय – घोंसलों के पास होने वाली गतिविधियों में कमी, कीट नाशकों का सीमित या नियंत्रित उपयोग ताकि शिकार उपलब्ध बना रहे, वेटलैंड्स की रक्षा तथा शोर-गुल करने वाले कामों को प्रजनन अवधि के बाहर करना – प्रजनन सफलता बढ़ा सकते हैं।

स्थानीय बर्डवॉचर और निवासी भी मदद कर सकते हैं: समुदायिक समूहों को घोंसलों की जानकारी देना, दूरी बनाए रखते हुए फोटोग्राफी करना और मौसमी सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाना। जैसे-जैसे गर्मी मानसून में बदलती है, बिलासपुर के आसमान और दलदल उड़ना सीखते युवा पक्षियों से जीवंत रहेंगे – यह एक मौसमी नज़ारा है जिसे बचाना जरूरी है।

– पक्षी विशेषज्ञ

स्वामी अभिव्यक्ति प्रकाशन प्रा.लि. के लिए प्रकाशक सुभाष मिश्रा के द्वारा मुद्रक मिशन मीडिया प्रा.लि., रजबंधा मैदान, रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित एवं बंद टॉकीज के सामने, सदर वार्ड नं. 10, जगदलपुर, बस्तर (छ.ग.) से प्रकाशित।
संपादक- सुभाष मिश्रा, सलाहकार संपादक-भालचंद्र जोशी, स्थानीय संपादक-विजय सिंह* आरएनआई रजि. नं.- CTHIN/26/A4159 पीआरबी एक्ट 2023 के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।